खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 10 अप्रैल, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-97

एक और युद्ध खत्म!

लेबनान से सीधी बात करेगा इजराइल

जेरूसलम/बेरूत , 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने ईरान समर्थित हिज्बुल्लाह आतंकवादियों को निरस्त्र करने और पड़ोसी देशों के बीच संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से लेबनान के साथ जितनी जल्दी हो सके सीधी बातचीत को मंजूरी दे दी है। 1948 में इजरायल की स्थापना के बाद से दोनों देश तकनीकी रूप से युद्ध की स्थिति में हैं। लेबनानी अधिकारियों की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई, लेकिन योजन-ाओं से परिचित एक व्यक्ति के अनुसार, इजरायल-लेबनान वार्ता अगले सप्ताह वाशिंगटन स्थित विदेश विभाग में शुरू होने की उम्मीद है।

एपी की रिपोर्ट के अनुसार, बातचीत की संभावना से ईरान युद्ध में अस्थायी युद्धविराम को मजबूती मिलती दिख रही है, जो इजरायल के बेरूत पर बमबारी और तेहरान की तरफ से होर्मुज जलडमरूमध्य पर निरंतर नियंत्रण और प्रस्तावित शांति वार्ता में आम सहमति बन पाने की अनिश्चितता के कारण लड़खड़ा गया था। नेतन्याहू की घोषणा ऐसे समय में आई जब इस बात पर असहमति थी कि क्या युद्धविराम समझौते में इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच लड़ाई में विराम शामिल है? यही कारण है कि आज ही लेबनान के प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री से बात की और इस बात पर जोर दिया कि ईरान-अमेरिका युद्धविराम वार्ता में उन्हें भी शामिल किया जाए।

वाशिंगटन में होगी ऐतिहासिक बैठक

स्थिति की संवेदनशीलता के कारण नाम न छापने की शर्त पर जानकारी देने वाले व्यक्ति के अनुसार, वाशिंगटन में होने वाली वार्ता का संचालन अमेरिकी पक्ष से लेबनान में अमेरिकी राजदूत मिशेल इस्सा और इजरायली पक्ष से अमेरिका में इजरायली राजदूत येचिएल लीटर द्वारा किए जाने की उम्मीद है। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि लेबनान का प्रतिनिधित्व कौन करेगा। एक्सियोस ने सबसे पहले वार्ता के समय और स्थान की जानकारी दी थी।

अमेरिका-ईरान में स्थायी युद्धविराम की उम्मीदें बढ़ीं। फिलहाल, युद्धविराम की घोषणा के साथ जीत का ऐलान करने के बाद, ईरान और अमेरिका दोनों एक-दूसरे पर दबाव बनाने में जुट गए हैं। ईरान की अर्धसरकारी समाचार एजेंसियों ने बताया कि सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंगें बिछा दी हैं, जो तेल के लिए एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है और जिसे तेहरान ने बंद कर दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर ईरान समझौते का पालन नहीं करता है तो अमेरिकी सेना पहले से भी ज्यादा कठोर कार्रवाई करेगी। वहीं ईरानी राष्ट्रपति ने कहा कि अभी भी उनकी उंगलियां ट्रिगर पर हैं।

ईरान के गुस्से का कारण लेबनान पर इजरायली हमले थे। अब जब इजरायल खुद लेबनान से बातचीत के लिए राजी हो गया है तो पाकिस्तान में अमेरिका-ईरान के बीच स्थायी युद्धविराम को लेकर होने वाली बैठक से उम्मीदें बढ़ गई हैं।

असम 85%, पुडुचेरी 90% और केरल में 78% रिकॉर्ड मतदान

गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी , 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

देश के दो राज्यों असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में गुरुवार (9 अप्रैल) को विधानसभा चुनाव के लिए शाम 6 बजे तक वोटिंग हुई। चुनाव आयोग के अनुसार रात 8 बजे तक असम में 85.38% मतदान हुआ। असम के इतिहास में यह सबसे ज्यादा वोटिंग का आंकड़ा है। केरल में पिछले 49 सालों में दूसरी सबसे ज्यादा वोटिंग हुई, यहां 78.01% वोट डाले गए। 1977 में रिकॉर्ड 79.2% मतदान हुआ था। वहीं पुडुचेरी में 89.81% मतदान हुआ।

असम में चुनाव संबंधी हिंसा में करीब 30 लोग घायल हो गए और सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। श्रीभूमि जिले के पथारकंडी में कांग्रेस और भाजपा समर्थकों की इस झड़प में करीब 25 लोग घायल हो गए, दो की हालत गंभीर है। असम के श्रीभूमि जिले के पथारकंडी में कांग्रेस कैंडिडेट ने ईवीएम तोड़ दी। इसके चलते यहां करीब तीन घंटे तक वोटिंग रुकी रही। चुनाव अधिकारियों ने दूसरी ईवीएम रखी तब वोटिंग फिर शुरू हुई। असम के बरपेटा में सुबह से तेज बारिश के कारण वोटिंग में परेशानी आई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने समाचार एजेंसी को बताया कि श्रीभूमि जिले के पथारकंडी से कांग्रेस उम्मीदवार कार्तिक सेना सिन्हा रंगमती बूथ में घुस गए और पीठासीन अधिकारी से बहस करने लगे। उनका दावा था कि फर्जी वोटर्स ने असली लोगों के वोट डाले हैं। जब पीठासीन अधिकारी ने इस आरोप का खंडन किया, तो उन्होंने ईवीएम तोड़ दी। इसके बाद कांग्रेस और भाजपा समर्थकों ने आपस में हाथापाई शुरू कर दी। इस झड़प में करीब 25 लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। उन्हें इलाज के लिए करीमगंज सिविल अस्पताल भेजा गया है। श्रीभूमि की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लीना डोले मौके पर पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया। ▶8पर

ऑफिस स्पेस की डिमांड बढ़ी

हैदराबाद, 9 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

देश के रियल एस्टेट सेक्टर में हैदराबाद एक बड़े पावरहाउस के रूप में उभर रहा है। प्रॉपर्टी कंसल्टेंसी नाइट फ्रैंक इंडिया से मिली जानकारी अनुसार इस बात पर मुहर लगा दी है, साल 2026 की पहली तिमाही यानी जनवरी-मार्च में हैदराबाद के वाणिज्यिक रियल एस्टेट यानी ऑफिस मार्केट ने वह ऊंचाई हासिल कर ली है जो इससे पहले कभी नहीं देखी गई थी।

एक्सपर्ट सुरेश चंद्रा बताते हैं कि कंसल्टेंसी नाइट फ्रैंक इंडिया के रिपोर्ट मुताबिक इस साल की पहली तिमाही में हैदराबाद में कुल 5.86 मिलियन वर्ग फुट ऑफिस स्पेस का लेनदेन हुआ। यह आंकड़ा शहर के इतिहास में किसी भी एक तिमाही के लिए अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। अगर हम इसकी तुलना पिछले साल (2025) की इसी अवधि से करें, तो तब 40 लाख वर्ग फुट का कारोबार हुआ था। यानी महज एक साल में शहर ने 48 प्रतिशत की शानदार सालाना वृद्धि दर्ज की है। इस भारी उछाल के साथ ही हैदराबाद अब बेंगलुरु के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा ऑफिस मार्केट बन गया है।

कंपनियों का भरोसा हैदराबाद पर अटूट है। उनका कहना है कि हैदराबाद की इस सफलता के पीछे सबसे बड़ा हाथ ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) का रहा है। कुल ऑफिस लीजिंग में इनकी हिस्सेदारी 43 प्रतिशत यानी करीब 25 लाख वर्ग फुट रही। पिछले साल के मुकाबले जीसीसी की सक्रियता में 53 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। यह इस बात का संकेत है कि दुनिया भर में जारी भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद विदेशी कंपनियों का भरोसा हैदराबाद पर अटूट है। जीसीसी के अलावा, थर्ड-पार्टी आईटी सर्विसेज दूसरा सबसे बड़ा सेक्टर रहा जिसने 29 प्रतिशत जगह घेरी। खास बात यह है कि देश के टॉप-8 शहरों में आईटी सेगमेंट की इतनी अधिक मांग और कहीं नहीं देखी गई।

किराया 77.5 रुपये प्रति वर्ग फुट हुआ

जैसे-जैसे मांग बढ़ी है उसका असर कीमतों पर भी दिखा है। हैदराबाद में ऑफिस का औसत किराया 8 प्रतिशत बढ़कर अब 77.5 रुपये प्रति वर्ग फुट प्रति माह हो गया है। मार्केट की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए निर्माण कार्य भी तेजी पर हैं। इस तिमाही में बाजार में 23 लाख वर्ग फुट नया ऑफिस स्पेस बनकर तैयार हुआ है। हैदराबाद का रियल एस्टेट बाजार न केवल स्थानीय बल्कि ग्लोबल स्तर पर अपनी मजबूत पकड़ बना रहा है। आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और व्यापार अनुकूल माहौल के कारण आने वाले समय में यहाँ और भी बड़े निवेश की उम्मीद जताई जा रही है।

मोदी-ममता बंगाल-बिहार

मछली पर महाभारत

कोलकाता/हल्दिया , 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल में मछली पर महाभारत हो रहा है। विधानसभा चुनाव में मछली एक बड़ा मुद्दा बनकर उभर रही है। एक तरफ ममता बनर्जी आरोप लगा रही हैं कि अगर बीजेपी सत्ता में आई तो मछली-मांस खाना दूभर हो जाएगा, वहीं दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब खुद मछली के बहाने ममता सरकार पर वार करने मैदान में उतर आए हैं। हल्दिया की रैली से पीएम ने सीधा हमला बोलते हुए कहा कि टीएमसी सरकार तो बंगाल को ढंग से मछली भी नहीं खिला पा रही है। इसका जवाब देते हुए टीएमसी सुप्रीमो ने आरोप मढ़ दिया कि बीजेपी शासित राज्यों में लोगों को मांसाहारी भोजन खाने की अनुमति नहीं है।

बिहार का नाम लेकर ममता पर पीएम का निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को हल्दिया में जनसभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी सरकार पर आरोप लगाया कि वो अब बंगाल को मछली भी नहीं दे पा रही हैं। टीएमसी के शासन में मछली उत्पादन घटा है जबकि बिहार में यह दोगुना हो गया है क्योंकि बीजेपी ने मछुआरों के लिए बहुत काम किया है। पीएम मोदी ने अपनी 6 गारंटियों के साथ तृणमूल सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश प्रगति के पथ पर अग्रसर है जबकि तृणमूल कांग्रेस की 'निर्मम सरकार' बंगाल को पीछे धकेल रही है। विकसित बंगाल बनाने के लिए जरूरी है कि पार्टी की निर्मम सरकार को सत्ता से हटाया जाए। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि बंगाल में मछली की बहुत मांग है, लेकिन तृणमूल कांग्रेस की सरकार उसके मुताबिक मछली उत्पादन करने में नाकाम रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल में मछली की मांग बहुत अधिक है, फिर भी यह अन्य राज्यों से मछली आयात करता है। पिछले 15 वर्षों में तृणमूल कांग्रेस की सरकार ने मछली की आपूर्ति बढ़ाने और मछली उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। पीएम मोदी ने भरोसा दिलाया कि बीजेपी सत्ता में आने पर राज्य को मत्स्य पालन और समुद्री खाद्य क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाएगी। उन्होंने बताया कि केंद्र में बीजेपी सरकार ने मछुआरों के कल्याण के लिए एक समर्पित मंत्रालय बनाया और उसके लिए रिकॉर्ड बजट आवंटित किया है। बीजेपी राज्यों के बहाने ममता का पलटवार आते ही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री मोदी पर पलटवार किया और तथ्यों को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाया। उत्तर 24 परगना जिले के अगरपारा में एक जनसभा को संबोधित करते ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36^0
न्यूनतम : 24^0

ब'खेड़ा तेलंगाना में क्यों?

अग्रिम जमानत पर फैसला टला

हैदराबाद, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका पर गुरुवार को तेलंगाना हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। हालांकि कोर्ट ने तत्काल राहत देने के बजाय अपना आदेश शुक्रवार तक के लिए सुरक्षित रख लिया। यह मामला असम सीएम हिमंता से जुड़ा है। इस सुनवाई के दौरान कोर्ट ने एक अहम कानूनी बिंदु उठाया, जिसने मामले को और जटिल बना दिया है। दरअसल, सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि याचिकाकर्ता द्वारा पेश किए गए दस्तावेजों में उनकी पत्नी कोटा नीलिमा का पता दिल्ली का बताया गया है। इस पर कोर्ट ने सवाल उठाया कि जब स्थायी पता दिल्ली का है, तो फिर तेलंगाना हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करने का आधार क्या है। इसी को लेकर कोर्ट ने ज्यूरिस्डिक्शन पर स्पष्टता मांगी। कोर्ट ने निर्देश दिया कि अगली सुनवाई में कोटा नीलिमा (खेड़ा की पत्नी) का नवीनतम आधार कार्ड पेश किया जाए, ताकि यह साफ हो सके कि उनका वर्तमान निवास कहां है और याचिका इस कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में आती है या नहीं। यह पूरा विवाद उस समय शुरू हुआ जब पवन खेड़ा ने 5 अप्रैल को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा पर गंभीर आरोप लगाए। ▶8पर

मौसम का मिजाज बदला! दो-तीन दिन आँधी-बारिश

नई दिल्ली , 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

देशभर में मौसम का मिज़ाज तेजी से बदल रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 10, 11 और 12 अप्रैल के लिए कई राज्यों में भारी बारिश, तेज हवाओं और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है।

उत्तर-पश्चिम भारत के हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में कई स्थानों पर भारी से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। साथ ही तेज हवाएं, धूल भरी आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है।

पूर्वोत्तर के असम, मेघालय, मणिपुर, मिज़ोरम, त्रिपुरा, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश में भी भारी बारिश के साथ 30-50 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है। दक्षिण भारत के केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना सहित पुडुचेरी, माहे, यनम और कराईकल में भी तेज बारिश, ▶8पर

सिंगारेनी संविदा श्रमिकों के कार्य समय में बदलाव की मांग, गर्मी से सुरक्षा के लिए तत्पर उपाय आवश्यक

मंचेरियाल, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । सिंगारेनी कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स एसोसिएशन (सीटू) के प्रदेश अध्यक्ष गुलाम श्रीनिवास ने गंडम रवि की अध्यक्षता में रामकृष्णपुर ए-ज़ोन के संविदा श्रमिकों की एक बैठक का आयोजन किया। सिंगारेनी कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स एसोसिएशन (सीटू) के प्रदेश अध्यक्ष गुलाम श्रीनिवास ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और बताया कि सिंगारेनी में दिन-प्रतिदिन बढ़ती धूप के

कारण श्रमिकों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। अधिकारियों ने अभी तक कार्य समय में कोई बदलाव नहीं किया है, जिसके चलते श्रमिकों को स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ रहा है। संगठन की सुचारू प्रगति के लिए श्रमिकों का स्वस्थ होना आवश्यक है। लेकिन अधिकारी संविदा श्रमिकों के प्रति लापरवाही बरत रहे हैं। हर साल 1 अप्रैल से कार्य समय में बदलाव करने वाले अधिकारियों ने अभी तक इस प्रतिबंध को नहीं हटाया है। श्रमिकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए, हम सिंगारेनी कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन के अधिकारियों से अपील करते हैं कि वे कार्य समय को सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक बदलें और श्रमिकों को निर्जलीकरण से बचाने के लिए कार्यस्थल पर ओआरएस पैकेट, छाछ के पैकेट और ठंडा पीने का पानी उपलब्ध कराएं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि ऐसा नहीं किया गया, तो वे विरोध प्रदर्शन भी करेंगे। गंधम रवि, एसपीकेएस, सीआईटीयू शाखा सचिव, नरेश, रविंदर, शारदा, लक्ष्मी, स्वरूपा, राजेश्वर, पेसारा स्वरूपा, पीवी राव, राजेंदर अरुण, कुमार, संपत और अन्य लोगों ने इन कार्यक्रमों में भाग लिया।

देवुलवाड़ा में पुलिस की बड़ी कार्रवाई अवैध शराब पर वार, कई वाहन जब्त

मंचेरियाल, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोटपल्ली मंडल के देवुलवाड़ा गांव में पुलिस ने 'कम्युनिटी कॉन्टैक्ट प्रोग्राम' के तहत गुरुवार सुबह सघन जांच अभियान चलाया। एसीपी वेंकटेश्वरलु के नेतृत्व में टीम ने गांव के घर-घर जांच की और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी। इस दौरान बिना दस्तावेजों के 32 बाइक और 5 ऑटो जब्त किए गए। पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करीब 2000 लीटर गुड़ का घोल नष्ट किया और 70 लीटर गुडुंबा बरामद की। इस मामले में 7 लोगों पर केस दर्ज किया गया। पुलिस ने लोगों से ट्रैफिक नियमों का पालन करने और किसी भी संदिग्ध जानकारी तुरंत 'डायल 100' पर देने का अनुरोध किया है।

बिजली कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल, मांगों पर जल्द कार्रवाई की अपील

मंचेरियाल, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अपनी समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर बिजली कर्मचारी, मानवरहित कर्मचारी, चौकीदार, दिहाड़ी मजदूर, एसपीएम और बिलिंग कर्मचारी ` बुधवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए। तेलंगाना बिजली कर्मचारी कर्मचारी राज्य समिति के आह्वान पर जिले के अन्य विभागों में कार्यरत लगभग 300 कर्मचारी और कारीगर मंचेरियाल स्थित बिजली विभाग के एसई कार्यालय के सामने हड़ताल में शामिल हुए।

बिजली कारीगर कर्मचारी संघ (जेएसी) के जिला नेताओं ने मांग की है कि कारीगर श्रमिकों के लिए एपीएसईबी के नियम लागू किए जाएं, शैक्षिक योग्यता के आधार पर कारीगरों की श्रेणी निर्धारण हो, एक ही संगठन में काम करने वाले कर्मचारियों पर समान नियम लागू हों, मानवरहित श्रमिकों को कारीगर के रूप में मान्यता दी जाए, प्रति पीस रेट पर काम करने वाले श्रमिकों को सरकारी आदेश संख्या 11 के अनुसार मजदूरी दी जाए; 2016 से पहले काम करने वालों को उनकी योग्यता के आधार पर कारीगर के रूप में मान्यता दी जाए और 2026 के वेतन संशोधन को तत्काल लागू किया जाए। जेएसी के जिला अध्यक्ष पसुला तिरुपति, संयोजक थोता नागेश, सह-अध्यक्ष उप्पुलेती नरेश, सह-संयोजक चिन्दम वेंकटेश, गुंडापु श्रीनिवास, नल्ला देवेंद्र, गोरें रमेश, जी. श्रीनिवास रेड्डी, एमडी उस्मान, प्रशांति, बुज्जी, राधिका, शैलजा और अंजैया सहित कई नेता हड़ताल में मौजूद थे।

मंचेरियाल में एक्सपायर्ड दवाइयों से नवजात खतरे में जिला स्वास्थ्य विभाग पर सख्त सवाल

मंचेरियाल, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। आधी रात को मंचेरियाल जिले में नवजात शिशु के इलाज के दौरान एक्सपायर्ड दवाइयों से खिलवाड़ करने की गंभीर घटना सामने आई। पीड़ित परिवार के अनुसार, एक सप्ताह पहले जन्मे नवजात शिशु को खराब स्वास्थ्य के कारण बेल्लमपल्ली चौरास्ता स्थित एक बाल चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। पिछले सात दिनों से उनका इलाज चल रहा है और प्रतिदिन 15,000 रुपये का शुल्क लिया जा रहा था ` इस प्रकार लगभग 1.05 लाख रुपये जमा हो चुके हैं।मामला उस समय उजागर हुआ जब मंगलवार रात परिवार ने बच्चे के लिए डॉक्टरों द्वारा दी गई दवाइयां देखीं और वे स्तब्ध रह गए। परिवार का आरोप है कि नवजात को एक्सपायर्ड दवाइयां दी गईं। जब परिजनों ने डॉक्टर से पूछा, तो डॉक्टर ने कहा कि दवाइयां बदल दी जाएंगी और

आपका बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है। परिजनों का कहना है कि डॉक्टरों ने 50,000 रुपये और मांगे और वे ठीक होने पर कल देने तथा मरीज को ले जाने को कहा गया।

परिजनों ने बताया कि जब उन्होंने पूछा कि एक्सपायर्ड दवाइयां क्यों दी गईं और यदि कोई गंभीर परिणाम हुआ तो जिम्मेदारी कौन लेगा, तो डॉक्टर नाराज हो गए। पीड़ित परिवार ने पुलिस को बुलाया और मीडिया को सूचना दी। अस्पताल प्रबंधन द्वारा मामले की जानकारी मिलने के बाद भी लंबे समय तक मीडिया को अस्पताल में प्रवेश नहीं दिया गया और पीड़ितों को शांत करने का प्रयास किया गया ` अंततः पीड़ित स्वयं मीडिया से बातचीत करने के लिए आगे आए।

जब संबंधित अस्पताल के डॉक्टर रघु वम्सी से स्पष्टीकरण मांगा गया तो उन्होंने कहा कि उन्होंने बच्चे का उचित इलाज किया था और आरोपित एक्सपायर्ड दवाइयां मेडिकल एजेंसी को भेजी जानी चाहिए थीं। उन्होंने इस बात पर स्पष्ट उत्तर देने से इनकार कर दिया कि दवाइयों पर एक्सपायरी डेट क्यों लिखी हुई थी और मरीज को क्यों दी गईं।

पिछले रिकॉर्ड से पता चलता है कि दो साल पहले तेलंगाना राज्य चिकित्सा परिषद (टीएसएमसी) ने अयोग्य आरएमपी/पीएमपी द्वारा आयोजित चिकित्सा शिविरों और उन्हें सम्मानित किए जाने के मामले में अस्पताल प्रबंधन को नोटिस जारी किया था। टीएसएमसी ने अस्पताल से डॉक्टरों के पंजीकरण प्रमाण पत्र जमा करने, अयोग्य लोगों की देखरेख में चिकित्सा शिविर आयोजित करने के कारणों और नियमों के उल्लंघन पर दस दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगने को कहा था।स्थानीय स्तर पर यह घटना और टीएसएमसी के द्वारा नियमों के कथित उल्लंघन के मामलों के कारण चर्चा तेज हो गई है। आरोप हैं कि जिले के कुछ निजी अस्पतालों में अनियमितता और तानाशाही जैसी प्रवृत्ति है और जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग इस पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रहा। सवाल उठ रहे हैं ` नवजात शिशु का इलाज लाखों रुपये में क्यों कराया गया, और एक्सपायर्ड दवाइयां देने जैसी घातक लापरवाही के बावजूद विभाग व अस्पताल प्रबंधन कठोर कदम क्यों नहीं उठा रहे हैं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों, टीएसएमसी और पुलिस से शीघ्र जांच और जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की जा रही है।

सिटी गैस वितरण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश : कुमार दीपक

मंचेरियाल, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने सिटी गैस वितरण कार्यों को तेज करने के निर्देश दिए। गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों के साथ कार्य प्रगति पर चर्चा की गई।

उन्होंने कहा कि एलपीजी आपूर्ति में आ रही दिक्कतों को देखते हुए पाइपलाइन से प्राकृतिक गैस के उपयोग को बढ़ावा देना जरूरी है। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि सिटी गैस वितरण से जुड़े सभी अनुमति कार्य 24 घंटे के भीतर पूरे किए जाएं, अन्यथा उन्हें स्वीकृत माना जाएगा।

इसके अलावा, गैस नेटवर्क विस्तार कार्यों के लिए किराया और लीज शुल्क में अस्थायी छूट दी गई है। कार्यों को तेज करने के लिए 24 घंटे काम करने की अनुमति भी दी गई है, लेकिन शोर प्रदूषण के नियमों का पालन अनिवार्य रहेगा।कलेक्टर ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करने और नागरिकों को निरंतर ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त कलेक्टर, विभिन्न विभागों के अधिकारी और नगर निकाय प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कांग्रेस अध्यक्ष ने डोंगली में धान खरीदी केंद्रों का उद्घाटन किसानों को प्रति क्विंटल 500 रुपये बोनस

डोंगली, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुक्कल विधायक लक्ष्मी कांता राव के आदेशानुसार डोंगली मंडल कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष गजानन देसाई ने गुरुवार को मंडल के एनाबोरा, माधन हीपरगा और धोती गांवों में आईकेपी ग्राम संघों के तत्वावधान में धान समर्थन मूल्य खरीद केंद्रों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान किसानों से किए गए वादे के अनुसार 500 रुपये प्रति क्विंटल धान का बोनस देने का श्रेय कांग्रेस सरकार को जाता है।

उन्होंने बताया कि तेलंगाना सरकार के आदेश पर, ग्रेड ए किस्म के डोंगली धान के लिए 2,389 रुपये प्रति क्विंटल और सामान्य किस्म के धान के लिए 2,369 रुपये प्रति क्विंटल का समर्थन मूल्य प्रदान करते हुए खरीद केंद्र खोले गए हैं। इसी प्रकार, माधन हीपरगा गांव में सरपंच बाचावर लक्ष्मण के नेतृत्व में तथा धोती गांव में सरपंच संग्राम पटेल के नेतृत्व में धान खरीदी केंद्र खोले गए। उन्होंने कहा कि धान किसानों के कल्याण के लिए उन्हें प्रति क्विंटल 500 रुपये का बोनस दिया गया है।

इस कार्यक्रम में मदनूर बाजार समिति के उपाध्यक्ष परमेश पटेल, कांग्रेस पार्टी के जिला उपाध्यक्ष यूनुस पटेल, आईकेपी के एपीएम जगदीश कुमार, डोंगली मंडल की 13 ग्राम पंचायतों के सरपंच, कांग्रेस पार्टी के नेता, कार्यकर्ता, आईकेपी कर्मचारी और धान किसान उपस्थित थे।

गर्भवती महिलाओं के लिए पोषण जागरूकता कार्यक्रम स्वस्थ मातृत्व व शिशु के लिए सही आहार की जानकारी

डोंगली, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। पोषण पकवा दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार के दिन डोंगली मंडल हसन टाकली गांव के गर्भवती महिलाओं को आंगनवाड़ी केंद्र पर एकत्रित किया गया और उन्हें स्तनपान के महत्व के बारे में बताया गया। उन्हें बताया गया कि स्तनपान केवल छह महीने तक ही कराना चाहिए और इस दौरान कोई अन्य आहार नहीं देना चाहिए। सातवें महीने से स्तनपान के साथ-साथ अतिरिक्त आहार भी देना चाहिए। हर महीने की पहली तारीख को उन्हें अपने बच्चे के विकास की जानकारी लेनी चाहिए।इसी प्रकार, गर्भवती महिलाओं द्वारा खाए जाने वाले आहार के बारे में भी जागरूकता की गई। उन्हें बताया गया कि गर्भवती महिलाओं को अपने और अपने बच्चे के लिए अतिरिक्त तथा पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेकर ही स्वस्थ बच्चे को जन्म देना चाहिए। इस कार्यक्रम में संबंधित पर्यवेक्षक देवकरुणा, आंगनवाड़ी शिक्षिका सचिता, आशा कार्यकर्ता और माताएँ उपस्थित थीं।

चेलीमेला परियोजना में पानी-बिजली संकट से धान खेती प्रभावित

मंचेरियाल, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तिरियानी मंडल के यासांगी क्षेत्रों में चेलीमेला (एनटीआर) परियोजना की नहरों में पानी न आने और अनियमित बिजली आपूर्ति के कारण धान की सिंचाई बाधित हो गई है। पिछले वर्षों में नहरों और मुफ्त बिजली की उपलब्धता से करीब 180 एकड़ में धान की खेती होती थी, पर इस बार नहरों के सूखे तथा खरपतवारों से भरे नहरों के कारण केवल लगभग 80 एकड़ में ही फसल हुई है। किसान बिजली कटौती के कारण मोटर से सिंचाई भी सुनिश्चित नहीं कर पा रहे हैं और कटाई के चरण में पहुँच चुकी फसलों को बचाने के लिए चिंतित हैं। वे प्रशासन से नहरों की शीघ्र मरम्मत और निर्बाध बिजली आपूर्ति की मांग कर रहे हैं।

चेन्नूर में हिंदू एकता सम्मेलन 12 को

मंचेरियाल, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। चेन्नूर में हिंदू समाज के तत्वावधान में हिंदू एकता सम्मेलन 12 अप्रैल रविवार को शाम 5 बजे श्री जगन्नाथ स्वामी मंदिर परिसर में आयोजित होगा।

इसका उद्देश्य हिंदू धर्म की रक्षा, संस्कृति संरक्षण और समाज में एकता बढ़ाना है।

प्रमुख संत-महात्मा अपने विचारों से मार्गदर्शन देंगे। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर इसे सफल बनाने की अपील की है।

एड्स जागरूकता और रोकथाम के लिए भव्य वॉकथॉन आयोजित

मंचेरियाल, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में तथा दिशा के सहयोग से स्थानीय सरकारी सामान्य अस्पताल में प्रजा पालना प्रगति योजना के 99 दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत एड्स जागरूकता एवं रोकथाम अभियान का आयोजन किया गया।इस अवसर पर लोगों में एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक विशेष वॉकथॉन

निकाली गई। कार्यक्रम के दौरान आमजन को एड्स से बचाव के उपायों, सुरक्षित जीवनशैली अपनाने तथा संक्रमित व्यक्तियों के प्रति भेदभाव न करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. अनीता, अस्पताल के अधीक्षक डॉ. वेदव्यास, एड्स एवं कुष्ठ रोग कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुधाकर नायक, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अरुणा श्री, रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर डॉ. श्रीमन्नारायण तथा नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या श्रीमती सुजाता उपस्थित रहीं।

इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, दिशा टीम के सदस्य, विभिन्न योजनाओं से जुड़े कर्मचारी, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा नर्सिंग कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रोज शेप और लुक बदलती कार...

बगल से जब कोई लंबी कार 150 किलो मीटर प्रति घंटा की रफ्तार से गुजरती है, तो आपके मन में विचार नहीं आता कि इतनी स्पीड कैसे। जमाना हाईटेक है और इस जमाने में रोजाना नए प्रयोग हो रहे हैं, जो कारों की दुनिया को और हाईटेक कर रहे हैं। जर्मनी की कार निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू ने अपनी स्पोर्ट्स कंसेप्ट कार जीना यानी जियोमेट्री एंड फंक्शंस इन एडेप्शंस का पर्दापण किया, तो अन्य कार निर्माता कंपनियों के साथ-साथ पूरी दुनिया के लोग हैरान रह गए। यह एक ऐसी कार है जिसका शेप और लुक हर रोज बदला जा सकता है। इसकी बॉडी किसी तरह के मेटल या प्लास्टिक की बनी हुई नहीं है बल्कि इसे बनाने में फैब्रिक का इस्तेमाल किया गया है। इसी वजह से इस कार को मनपसंद लुक देना बेहद आसान है। यह तकनीक पहली बार बीएमडब्ल्यू ने इस्तेमाल की है। जीना को बनाने में फ्लेक्सिबिलिटी तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। जीना के एक्सटीरियर और इंटीरियर का हर हिस्सा फ्लेक्सिबल है। इस तकनीक के तहत कार के फैब्रिक स्किन के नीच मूवेबल मेटल वायर्स लगाए गए हैं और इन्हीं वायर्स को एडजस्ट करके कार की शेप को बदला सकता है। मेटल फ्रेम एडजस्ट करने के लिए एक बटन दबाना होता है और इलेक्ट्रो-हाइड्रॉलिक डिवाइस यह काम कर देती है।

डिब्बाबंद चीजों पर जरूरी है अच्छी लेबलिंग

डिब्बाबंद खाद्यपदार्थो में नमक की अधिक मात्र लोगों को रोगों का शिकार बना रही है। शोध के अनुसार ब्रिटेन में होने वाले 14 प्रतिशत पेट के कैंसर के मामलों को नमक का कम सेवन करके रोका जा सकता है। ब्रिटेन में प्रत्येक व्यक्ति 8.6 ग्राम नमक खाता है, व्यक्ति को सिर्फ 6 ग्राम नमक खाने की सलाह दी जाती है। डिब्बाबंद खाद्य पदार्थो पर उचित लेबलिंग और तत्वों की स्पष्ट जानकारी कई रोगों से बचा सकती है।

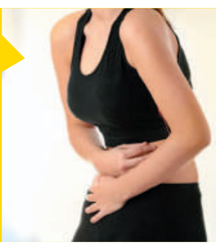

स्वस्थ रहना है तो सोना सीखिए

हर किसी के सोने की खास मुद्रा यानी स्लीपिंग पोजिशन होती है। कोई पेट के बल सोता है, कोई पीठ के तो कोई करवट लिए। कुछ लोग बिस्तर पर लेटते तो सामान्य पोजिशन में हैं, पर जैसे-जैसे नींद गहराती है, उनकी मुद्रा तरह-तरह के आकार ले लेती है। बात रोचक भले ही लगे, मगर मत भूलिए कि ये मुद्राएं आपके स्वास्थ्य को भी प्रभावित करती हैं। कुछ आपको सेहत लाभ देती हैं तो कुछ आपकी सेहत को बिगाड़ भी सकती हैं।

शरीर को पुन सक्रिय और स्वस्थ बनाने के लिए नींद बेहद जरूरी है, जिसे 'रेस्टोरेशन एंड रिकवरी थ्योरी ऑफ स्लीप' कहते हैं। कोई पेट के बल सोता है, कोई पीठ के तो कोई करवट लिए, मगर कुछ मुद्राएं इससे भी अलग और रोचक होती हैं। हर व्यक्ति की सोने की खास मुद्रा होती है। मनोवैज्ञानिक बताते हैं कि सोने के समय आपके शरीर की हर मुद्रा आपकी मनोदशा उजागर करती है। यों तो हर उम्र की खास मुद्राएं होती हैं, मगर युवा अवस्था में सबसे अधिक निद्रा मुद्राएं होती हैं। यह मुद्राएं शरीर को प्रभावित करती हैं और सीधे व्यक्ति के तन और मन की सेहत से जुड़ती हैं। यहां तक कि शरीर में पनपते कुछ रोग विशेष निद्रा मुद्रा के कारण गंभीर अवस्था में भी आ जाते हैं तो वहीं कुछ निद्रा मुद्राएं शरीर को आराम पहुंचा कर स्वास्थ्य लाभ कराती हैं।

फुल फीट्स पोजिशन

शरीर को आनंद देने और आराम पहुंचाने वाली श्रेष्ठ मुद्रा है 'फुल फीट्स पोजिशन। अगर आप अपने पैरों को ठोड़ी की ओर मोड़ कर सोते हैं तो आप पूर्ण आनंदमयी मुद्रा में हैं। इससे आपका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य ठीक रहता है। तंत्रिका तंत्र में कोई तनाव नहीं रहता।

डाउन टुवर्डस बेड

इस कड़ी में दूसरी आम मुद्रा है 'अधो मुख'। यह मुद्रा असल में निद्रावस्था का जागृतावस्था से रिश्ता बताती है। इस निद्रावस्था में पेट के बल सोते हुए पैर सीधे फैले रहते हैं और हाथ सिर की ओर होते हुए या तो सिर को थामे रहते हैं या फिर कैंची का आकार बना लेते हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से इसे बेहतर निद्रा मुद्रा नहीं कहा जा सकता। चूंकि इस तरह सोने वाला निद्रा जगत और चेतना जगत दोनों पर हावी रहता है, इसलिए वह दिनभर की उधेड़बुन को छोड़ नहीं पाता और तनाव में रहता है। मोटे तौर पर यह शरीर को गुरुत्वाकर्षण के विरुद्ध ले जाने वाली अवस्था है। जिन युवाओं या बच्चों में सोते में 'दांत पीसने' की आदत है, उनके लिए यह खतरनाक मुद्रा है। यह निचले जबड़े को दांतों से घायल कर सकती है। दूसरे जिन्हें अपच यानी बिगड़ी पाचन क्रिया की शिकायत है, उनके लिए भी यह मुद्रा नुकसानदेह है। ज्ञात हो कि पाचन तंत्र चित्त अवस्था में बेहतर कार्य करता है। जिन लोगों को खर्राटे लेने की आदत है, वह यदि इस मुद्रा में सोते हैं तो उनके खर्राटे रुक जाते हैं, कारण गुरुत्वाकर्षण के

विपरीत होने के कारण यह गले की मांसपेशियों को झोल देने से रोकती है और खर्राटे नहीं आते, मगर यह मुद्रा गले को अवरुद्ध यानी 'चोक' भी कर सकती है।

पिलो होल्डिंग स्लीपिंग पोजिशन

इसमें व्यक्ति पीठ के बल लेटता है, मगर अपने सीने पर दोनों हाथों से तकिया या फिर जाड़ों में रजाई दबाए रहता है। यह मुद्रा तल्लीनता का भाव जगाती है। जो युवा अपने अध्ययन के प्रति समर्पित हैं, वह अकसर ऐसे ही सोते हैं। चिकित्सीय आधार पर यह बेहतर नींद दिलाने वाली मुद्रा है। अगर आप 'इनसोमेनिया' यानी अनिद्रा के शिकार हैं तो यह बेहतर मुद्रा है।

चेन गेंग पॉजिशन

एक अन्य मुद्रा है कड़ी मुद्रा या 'चेन गेंग पोजिशन'। इसमें सोने वाले हाथ पैर की एक कैंची-सी बना डालते हैं यानी हाथ ऊपर की ओर एक कड़ी बनाते हैं तो पैर नीचे की ओर। इस प्रकार सोने वाले 'फोबिया' यानी भय से पीड़ित होते हैं। यह मुद्रा कुंवारी लड़कियों में अधिक पाई जाती है। चिकित्सीय विश्लेषण के अनुसार यह भय एक ग्रंथि बन मानसिक रोग पनपाता है, अत-इस मुद्रा से बचना चाहिए।

स्पिंक्स पोजिशन

स्पिंक्स पोजिशन यानी रहस्यमयी मुद्रा। इसमें व्यक्ति असाधारण रूप से घुटने के सहारे नितम्ब उठाए रहता है तथा सिर को हथेली से थामे रहता है मानो दण्डवत प्रणाम कर रहा हो। हालांकि यह बच्चों की सामान्य निद्रा मुद्रा है, मगर युवाओं को भी इस मुद्रा में सोते देखा जा सकता है। यह उदर विकार को दर्शाती है। पूरे शरीर को मोड़ गुरुत्वाकर्षण के विपरीत रख कर सो जाना आंतरिक अंगों को भी प्रभावित करता है, अत-इस मुद्रा से बचें।

स्वास्तिक मुद्रा

यह जागृतावस्था और स्वप्नावस्था का सीधा सामंजस्य दर्शाती है। इसमें पेट के बल सोते हैं। दाहिना हाथ ऊपर की ओर और बायां हाथ नीचे की ओर रहता है। इसी तरह दायां पैर घुटने से मुड़ कर ऊपर की ओर रहता है और बायां सीधा रहता है। इस तरह सोने वाले लोग पूरे पलंग पर हावी रहते हैं। इस मुद्रा में उदर में समाए अंग गुरुत्वाकर्षण के विपरीत जाते हैं, अत-विभिन्न विकारों की संभावना रहती है। यह मुद्रा बहुत कम संभव होती है और स्वयं बदल जाती है।

बदलती रहती है निद्रा मुद्राएं

सोने की यह मुद्राएं यहीं समाप्त नहीं हो जातीं। पूरे जीवन में व्यक्ति न केवल मुद्रा बदलते हैं, बल्कि उसके अनुसार उनके रोग भी बदल जाते हैं और स्वास्थ्य प्रभावित होता है। रोचक पहलू यह है कि अधिकांश लोग यह भी नहीं जान पाते कि वह किन-किन मुद्राओं में सोते हैं और उनकी कौन-सी मुद्रा कब बदल जाती है। इसी प्रकार जो मुद्रा वह बहुत पहले लिया करते थे, वह फिर आ जाती है या फिर जो उनकी प्रिय मुद्रा थी, वह अचानक बदल जाती है और उसकी जगह नई मुद्रा आ जाती है। रोचक बात यह है कि नई मुद्रा पुरानी पर इस हद तक हावी हो जाती है कि वही प्रिय लगने लगती है। अपने स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए अपने से जुड़ी मुद्राएं स्वयं जान कर या दूसरों से पूछ उनकी लिस्ट बनाइए और उनकी संपूर्ण जानकारी लेते हुए उनका अपने से जोड़ कर अध्ययन कीजिए। अगर कुछ दुखदायी, कष्टदायक और रोगवाहक मुद्राएं आप में अब भी पनप रही हैं तो उनसे छुटकारा पाने की कोशिश करें।

बहुत कुछ होता है नींद में

वैज्ञानिक परीक्षणों में पाया गया है कि जब हम सोते हैं तो एकदम भिन्न दशाओं से गुजरते हैं। संवेदी यंत्रों द्वारा प्रयोगशाला में इसे समझा गया है। रिपोर्ट के अनुसार पहली दशा स्लो वेव स्लीप यानी नींद की धीमी गति प्रदर्शित करती है। तरंगित विद्युत प्रक्रिया की यह सबसे धीमी गति पूरे मस्तिष्क से गुजरती है और उसे तरंगित करती है। वहीं दूसरी अवस्था है रेपिड आई मूवमेंट, जिसे रैम पोजिशन भी कहते हैं। इस अवस्था में बंद पलकों में आंख की पुतली तेजी से चलती है। हैरानी की बात तो यह है कि यह मस्तिष्क को झकझोर देती है यानी यह अवस्था जागृतावस्था जैसी ही है। पहली बार शोधकर्ता ने नींद की इस छिपी प्रक्रिया से पर्दा उठाया और पहली बार नींद को समझा। शोधकर्ता ने पता किया कि रैम अवस्था नींद के उस भाग को बताती है, जो अपने आप में पूर्ण गतिशील है। हम जागृतावस्था में आंखों को इतनी तेज गति से नहीं चलाते, जितनी कि रैम अवस्था में चलाते हैं। यह दशा मस्तिष्क को सक्रिय बनाए रखती है। रिपोर्ट बताती है कि नींद आना शरीर की अनोखी जैविक क्रिया है। इस समय शरीर की सामान्य क्रियाएं अपेक्षाकृत धीमी पड़ जाती हैं। मगर रहस्यपूर्ण बात यह है कि सोते समय हमारा पाचनतंत्र काफी सक्रिय हो जाता है।

प्राकृतिक उपचार जो नहीं होने देंगे शर्मिंदा

हर व्यक्ति किसी न किसी तरह की दुर्गन्ध की समस्या से ग्रसित है, जिसे बीमारी कहना उसे बढ़ा-चढ़ा कर देखने जैसा है। बार-बार जम्हाई आना, सांस में से दुर्गन्ध आना, गैस विकार या पसीने की बदबू सेहत से जुड़ी कुछ ऐसी बातें हैं, जिनसे व्यक्ति दूसरे लोगों से दूर भागने लगता है।

शारीरिक दुर्गंध

कांख यानी बाजुओं के निचले हिस्से की सफाई न होने से शरीर से दुर्गन्ध आती है। इस हिस्से में पसीना भी अधिक आता है, जिससे जीवाणु पैदा होने की आशंका होती है। नहाते समय सही सफाई न करने पर यही जीवाणु रोमछिद्रों को बंद कर देते हैं, वहां मैल जमा हो जाता है और शरीर से दुर्गन्ध आने लगती है।

पैरों से बदबू

पैर में पसीना लाने वाली ग्रंथियां काफी अधिक होती है। अगर पैरों को सूखा और साफ न रखा जाए तो उनमें से दुर्गन्ध आने लगती है। जिन लोगों को अधिक पसीना आता है, उन्हें साफ और पसीना सोखने वाले मोजे पहनने चाहिए।

सांस में बदबू

ब्रश न करने या मुंह की उचित सफाई न करने पर मुंह में बचे अन्नकण सड़ने लगते हैं, जिससे सांस बदबूदार हो जाती है। पेट की नियमित सफाई न होने पर भी मुंह से बदबू आती है। दांत की सफाई के साथ जीभ की नियमित सफाई करें।

बार-बार डकार आना

कुछ लोगों को अक्सर डकार आती रहती है। ऐसा अधिक कार्बन या सोडायुक्त चीजें खाने से होता है।

इनसे बचने के उपाय
बेकिंग सोडा मुंह की बदबू से बचने के लिए एक कप पानी में एक चम्मच बेकिंग सोडे को मिला कर ब्रश करने के बाद उससे कुल्ला कर लें। पैर की बदबू से बचने के लिए इस घोल को थोड़ी मात्र में अपने जूतों में डाल लें।

ग्वारपाठा (एलोवेरा)

बाल धोने से पहले ग्वारपाठे के जूस को अपने सूखे बाल में लगाएं। कुछ मिनट रखने के बाद शैंपू कर लें। रूसी से निजात मिलती है।

नींबू का रस

नहाते समय नींबू के टुकड़े को कांख में रगड़ लें। नींबू के रस का अम्लीय गुण बैक्टीरिया की उत्पत्ति को रोक कर ताजगी देता है। सुबह के समय पानी में नींबू का रस मिला कर कुल्ला करने पर भी मुंह की दुर्गन्ध दूर होती है। पानी दिन भर में कम से कम आठ गिलास पानी पिएं। पानी पेट में मौजूद टॉक्सिन को बाहर कर गैस विकार में भी राहत देता है। पेट की नियमित सफाई होने पर मुंह से दुर्गन्ध नहीं आती। लहसुन व सौंफ लहसुन एंटीबायोटिक है व पाचन में उपयोगी है। गैस विकार में भी इससे राहत मिलती है। इसी तरह खाने के बाद सौंफ खाना लाभदायक है व मुंह से दुर्गंध में भी राहत मिलती है।

अस्पतालों और रेडियो थैरेपी सेंटर्स में बढ़ी फिजिसिस्ट की मांग

रेडिएशन फिजिक्स में बेहतर कॅरियर का विकल्प

फिजिक्स यानि भौतिक शास्त्र के तहत ऊर्जा के रूपांतरण एवं उसके द्रव्य संबंधों का अध्ययन किया जाता है। दूसरे शब्दों में स्थान, काल, गति, द्रव्य, विद्युत, प्रकाश, ऊष्मा एवं ध्वनि के गुणों तथा एक-दूसरे के साथ संबंधों का अध्ययन किया जाता है। ऊर्जा किसी न किसी रूप में जरूरी है और धरती पर जीवन के अस्तित्व के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे में इसका अध्ययन भी बेहद मायने रखता है। रेडिएशन भी एक तरह की ऊर्जा है। इसे ऐसी ऊर्जा माना जाता है जो किसी माध्यम अथवा स्थान से गुजरते हुए किसी अन्य तत्व में सोख ली जाती है। इसके तहत चिकित्सा क्षेत्र में रेडिएशन थैरेपी के उपयोग के लिए रेडिएशन की सुरक्षित मात्रा का आकलन किया जाता है। रेडिएशन फिजिक्स के क्षेत्र में कॅरियर की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। आइए हम आपको बताते हैं कि इसके लिए आप खुद को कैसे तैयार करें...?

नेचर ऑफ वर्क

चिकित्सा ही नहीं इसके अलावा शोध कार्यों में भी रेडिएशन फिजिसिस्ट्स के लिए असीम संभावनाएं मौजूद हैं। इस क्षेत्र में बहुत ज्यादा रुचि इसलिए भी वैज्ञानिकों द्वारा ली जाती रही है। क्योंकि इस विषय में हुए अनेक क्रांतिकारी आविष्कारों से निर्माण, न्यूक्लियर एनर्जी तथा अत्याधुनिक चिकित्सा जांच-पड़ताल एवं उपचार संभव हो सका है। वैसे भी इस विषय में समग्र भौतिकी की अहम भूमिका है जिस कारण इसमें फिजिसिस्ट, बायोलॉजिस्ट, कैमिस्ट या मेडिकल फील्ड के लोग काम कर रहे हैं। इस क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवरों की मांग काफी ज्यादा है और बेहतरीन पारिश्रमिक वाले पदों पर नौकरियां भी खूब उपलब्ध हैं।

अपॉर्चुनिटीज...

यह एक बढ़िया कॅरियर तो है ही साथ ही साथ बेहद चुनौतीपूर्ण भी है क्योंकि इसमें इंसानों की रक्षा तथा रेडिएशन द्वारा उनके कल्याण की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उन पर ही होती है। हाल के सालों में अस्पतालों, रेडियो थैरेपी सेंटरों तथा कुछ विशेष उद्योगों एवं संगठनों में मेडिकल फिजिसिस्ट की मांग काफी बढ़ गई है। दिशा-निर्देशों के तहत रेडियो थैरेपी सैंटर या अस्पताल में प्रशिक्षित मेडिकल फिजिसिस्ट को नियुक्त करना अनिवार्य है।

स्टडी सेंटर्स...

- डिपार्टमेंट ऑफ फिजिक्स, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़
- इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियल मेडिसिन एंड अलाइड साइंसेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी
- ऑल इंडिया इंस्टीच्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली
- भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर, मुंबई
- डिपार्टमैंट ऑफ फिजिक्स, अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई,
- यूनिवर्सिटी ऑफ कालीकट, केरल

आपका ये कदम सैलरी बढ़ाने में करेगा मदद

क्या आप जानते हैं कि कई लोगों को ऑफिस का काम क्यों बोरिंग लगता है, क्योंकि उनके ऑफिस डेस्क पर चारों ओर दुनिया भर का सामान बिखरा पड़ा होता है और वह सजाया नहीं होता। यदि आप अपने घर से ज्यादा समय अपने ऑफिस में बिताते हैं तो यह जरूरी है कि ऑफिस डेस्क को ऐसा सजा दिया जाए कि वहां पर बैठकर काम करने का दिल करे। ऑफिस डेस्क को सजाने से पहले इस बात पर ध्यान दें कि वहां पर किन-किन चीजों को बदलने की आवश्यकता है। कई लोगों को लगता है उनकी डेस्क पर लाइटिंग को बदलने की आवश्यकता है तो वे अपनी डेस्क पर लैंप लगा लेते हैं। यदि आप भी अपनी ऑफिस डेस्क को सजाने की सोच रहे हैं तो ये टिप्स आपके बहुत काम आएंगे। ऑफिस डेस्क को व्यवस्थित रखने का ये तरीका आपकी सैलरी बढ़ाने में भी मददगार साबित हो सकता है।

साफ-सफाई का रखें ध्यान...

यदि आपकी ऑफिस डेस्क फालतू सामान से घिरी और बिखरी हुई है तो फिर आप उसे चाहे जितना मर्जी सजा लें, कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। हमेशा अपनी ऑफिस डेस्क को साफ -सुथरा रखें और जिन चीजों की आवश्यकता न हो उन्हें निकाल दें या फिर ड्राअर में रख लें।

लाइटिंग सही रखें और हरियाली भी लगाएं

कई लोग कहते हैं कि उनके डेस्क पर लगी लाइट या तो बहुत ज्यादा तेज होती है या फिर बहुत धीमी। यदि आपको भी यह समस्या है तो आप अपने डेस्क पर अच्छा-सा लैंप लगाकर उस लाइट को सही कर सकती हैं। हरा रंग आंखों के लिए अच्छा माना जाता है इसलिए अपने ऑफिस में थोड़ी-सी हरियाली भी लगाएं। इसके लिए आप कोई छोटा-सा ग्रीन प्लांट अपनी डेस्क पर रख सकती हैं। अपनी ऑफिस डेस्क को रंगीन बनाने के लिए आपको रंगीन स्टेशनरी खरीदनी चाहिए, जिससे आपका ऑफिस डेस्क हमेशा खिला-खिला लगे। हर ऑफिस में सॉफ्ट बोर्ड होता है जिसका प्रयोग हर किसी को करना चाहिए।

टार्गेट का प्रिंट आउट

जब आप अपनी ऑफिस डेस्क को सजा रहे हों तो वह सजावट न केवल आपके काम को भी बढ़ावा ही दे, बल्कि आपके काम को शो भी करें, ऐसा आपका मकसद होना चाहिए। अपने टार्गेट का एक प्रिंट आउट निकालकर अपनी डेस्क के सॉफ्ट बोर्ड पर लगाएं। इससे आपके दिमाग में हमेशा वही काम रहेंगे जो आप करना चाहते हैं और आपका यह कदम आपकी सैलरी बढ़ाने में भी मदद करेगा। अपनी ऑफिस डेस्क को मस्त बनाने के लिए उस पर एक फंकी पेन स्टैंड रख सकते हैं।

रेसिपी

पुदीना गट्टा

सामग्री

बेसन दो कटोरी, तीन बड़े चम्मच पुदीना और हरी मिर्च का पेस्ट, नमक, थोड़ी सी अजवाइन, सरसों का तेल, चाट मसाला, नींबू

विधि

एक बर्तन में बेसन, पुदीना हरी मिर्च का पेस्ट नमक और अजवाइन मिक्स करें। थोड़ा पानी डालें। अच्छी तरह से मिलाकर गूंध लें। इसके गट्टे बना लें। पानी में उबालें। पक जाने पर गट्टों को मनचाहे आकार में काट लें। तेल में फ्राई करें। चाट मसाला छिड़कें। थोड़ा सा नींबू निचोड़ लें। आप चाहें तो प्याज टमाटर की ग्रेवी के साथ भी इन गट्टों का स्वाद ले सकती हैं।

चना दाल खीर

सामग्री

दूध-2 लीटर, चने की धुली दाल-1/4 कटोरी, बारीक कटी मेवा-एक छोटी कटोरी, चीनी-100 ग्राम, किसा कच्चा नारियल-2 बड़ा चम्मच, मिल्क पाउडर-एक कटोरी, शुद्ध घी-एक छोटा चम्मच, इलायची पाउडर-1/4 छोटा चम्मच

विधि

दूध को गरम करें। उबाल आने के बाद 10 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। चने की दाल को धोकर गरम घी में 3-4 मिनट भूनें और उबलते दूध में डालें। दाल को अच्छी तरह गलने तक पकाएं। गैस बंद करके गर्म दूध में ही मिल्क पाउडर, इलायची पाडडर, मेवा और चीनी डालकर चलाएं। कच्चा नारियल तवे पर भूनें और हल्का बादामी हो जाने पर खीर के ऊपर डालें। स्वादिष्ट खीर सर्व करें।

अमेरिका का दावा कहा– राष्ट्रपति ट्रंप ने कूड़ेदान में फेक दिया था ईरान की 10 मांगों वाला प्रस्ताव

वाशिंगटन, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के उस शुरुआती प्रस्ताव को वास्तव में कूड़ेदान में फेंक दिया था, जो गंभीर नहीं था और अमेरिकी हितों के खिलाफ था। उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान ने शुरुआत में जो 10 बिंदुओं का मसौदा दिया था, वह स्वीकार्य नहीं था और उसे पूरी तरह खारिज कर दिया गया था। हालांकि, उन्होंने यह भी जानकारी दी कि बाद में ईरान होर्मुज स्ट्रेट को खोलने पर सहमत हुआ है और अब एक नया प्रस्ताव मिला है, जिसे बातचीत के लिए एक व्यावहारिक आधार माना जा सकता है। लेविट ने मीडिया और विपक्षी नेताओं से आग्रह किया कि वे ऐसी भ्रामक बातों को बढ़ावा न दें जिनका तथ्यों से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने देश को आश्वस्त किया कि राष्ट्रपति ट्रंप कभी भी ईरान की इच्छाओं की सूची पर समझौता नहीं करेंगे। प्रशासन का रुख स्पष्ट है कि कोई भी समझौता तभी होगा जब वह अमेरिकी जनता और वैश्विक सुरक्षा के हित में होगा। फिलहाल, ईरान और इजरायल के बीच छिड़ी इस जंग ने अमेरिकी कूटनीति की कड़ी परीक्षा ले रखी है।

ट्रंप की मानसिक स्थिति ठीक नहीं – अमेरिकी सीनेटर क्रिस मर्फी ने राष्ट्रपति ट्रंप पर कड़ा प्रहार करते हुए उन्हें पद के लिए मानसिक रूप से अनफिट करार दिया है। उन्होंने ट्रंप को हटाने के लिए हर संभव कदम उठाने की अपील करते हुए ईरान की ओर से आए 10 सूत्रीय प्रस्ताव को ट्रंप का सरेंडर बताया। विपक्ष के इन हमलों ने वाशिंगटन के राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है, जिसके जवाब में अब व्हाइट हाउस को आधिकारिक सफाई पेश करनी पड़ी है।

ईरान ने बंद किया होर्मुज स्ट्रेट – अमेरिका की मध्यस्थता से शांति की जो उम्मीद एक दिन पहले जगी थी, वह लेबनान पर इजरायल के ताजा हमलों के बाद फिर से धुंधली पड़ती दिख रही है। ईरान ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट को खोलने के अपने फैसले को कुछ ही घंटों के भीतर पलटते हुए इसे फिर से बंद करने का ऐलान कर दिया है। ईरान के इस कड़े रुख ने अमेरिका के सामने एक स्पष्ट लकीर खींच दी है कि उसे अब यह तय करना होगा कि वह क्षेत्र में युद्धविराम चाहता है या इजरायल के जरिए युद्ध को और हवा देना चाहता है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री ओली और पूर्व गृहमंत्री लेखक को रिहा करने की तैयारी

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री अध्यक्ष केपी शर्मा ओली और पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक की रिहाई के लिए जिला सरकारी वकील कार्यालय का पत्र पुलिस को प्राप्त हुआ है। काठमांडू के पुलिस प्रमुख रमेश थापा ने बताया कि अभी-अभी जिला सरकारी वकील कार्यालय का पत्र मिला है। उनके अनुसार अब जमानत देने वाले व्यक्ति को बुलाकर दोनों को रिहा किया जाएगा। जेन-जी आंदोलन के दौरान हुई घटनाओं की जांच के लिए गठित जांच आयोग की रिपोर्ट के आधार पर दोनों को हत्या से संबंधित आरोप में 28 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, मुकदमा दायर करने के लिए पर्याप्त आधार और सबूत नहीं मिलने के कारण अब उन्हें रिहा किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने उनके खिलाफ मुकदमा दायर करने या 9 अप्रैल तक रिहा करने का आदेश दिया था। पुलिस और महान्यायाधिवक्ता कार्यालय के बीच मुकदमा दर्ज न करने पर सहमति बनी है। पुलिस ने उन्हें गत 28 मार्च की सुबह को गिरफ्तार किया था। रमेश लेखक पुलिस हिरासत में हैं, जबकि केपी शर्मा ओली गंभीर स्वास्थ्य समस्या के कारण टिचिंग अस्पताल में भर्ती हैं। डाक्टरों ने ओली की पथरी की सर्जरी करने की सलाह दी है।

ईरान से जंग में जापान, आस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया नहीं दे रहे अमेरिका का साथ

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ चल रहे युद्ध में अमेरिका का समर्थन न करने के लिए अपने पारंपरिक सहयोगियों पर हमला बोला। जापान, आस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया पर ट्रंप ने जिस तरह से गुस्सा निकाला, उससे लगता है कि ट्रंप ईरान युद्ध में बुरी तरह से फंस गए हैं और पुराने मित्र देश उनकी मदद को आगे नहीं आ रहे। ट्रंप ने खुले तौर पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में अहम साझेदार अमेरिका के साथ खड़े नहीं हुए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने कहा कि जापान, आस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया ने हमारी मदद नहीं की और जब बात नाटो की आती है, तो नाटो ने भी हमारी कोई मदद नहीं की। विदेशों में तैनात अमेरिकी सैनिकों का जिक्र करते हुए उन्होंने याद दिलाया कि अमेरिका अपने सहयोगियों की सुरक्षा के लिए भारी संसाधन लगा रहा है। ट्रंप के मुताबिक उत्तर कोरिया से बचाने के लिए हमारे 50,000 सैनिक जापान में तैनात हैं और किम जोंग उन से सुरक्षा के लिए 45,000 सैनिक दक्षिण कोरिया में तैनात हैं। जहां एक तरफ पश्चिमी और एशियाई सहयोगियों की आलोचना हुई, वहीं ट्रंप ने संघर्ष क्षेत्र के करीब स्थित खाड़ी देशों की उनके सहयोग के लिए जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब का प्रदर्शन शानदार रहा है। कतर ने बेहतरीन काम किया है। संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और कुवैत का रुख भी बहुत अच्छा रहा। नाटो के साथ चल रहे तनाव पर बात करते हुए ट्रंप ने इसके पीछे ग्रीनलैंड विवाद को मुख्य वजह बताया। उन्होंने कहा कि अगर आप सच जानना चाहते हैं, तो यह सब ग्रीनलैंड से शुरू हुआ। हमें ग्रीनलैंड चाहिए था, लेकिन वे हमें देना नहीं चाहते।

जेडी वेंस ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए हालिया संघर्ष विराम को नाजुक करार दिया

वाशिंगटन। अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक कार्यक्रम के दौरान अमेरिका और ईरान के बीच हुए हालिया संघर्ष विराम को नाजुक करार देते हुए कहा कि यह समझौता फिलहाल केवल शुरुआती चरण में है और इसकी स्थिरता अनिश्चित है। उन्होंने कहा, यह संघर्ष विराम सिर्फ 8 से 12 घंटे पुराना है, इसलिए इसे नाजुक ही कहा जाएगा। यह संघर्ष विराम अमेरिका की ओर से ईरान को दिए गए अल्टीमेटम के बाद हुआ, जिसमें प्रमुख समुद्री मार्गों को खोलने और वैश्विक व्यापार को प्रभावित करने वाली गतिविधियों को रोकने की शर्त रखी गई थी। वेंस ने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर वार्ताकारों ने यह स्पष्ट किया था कि जलडमरूमध्यों को खोलने के बदले युद्धविराम लागू किया जाएगा। समझौते के तहत ईरान ने रणनीतिक जलमार्गों को फिर से खोलने पर सहमति जताई, जबकि अमेरिका और उसके सहयोगियों ने सैन्य हमले रोक दिए हैं। वेंस ने कहा, ईरान ने जलमार्ग खोलने पर सहमति दी है और अमेरिका ने हमले रोक दिए हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि संघर्ष विराम से पहले ही अमेरिका अपने सैन्य उद्देश्यों को हासिल कर चुका था। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति का लक्ष्य ईरानी सैन्य क्षमता को कमजोर करना था और वह उद्देश्य पूरा हो चुका है।

अंतरिक्ष से दिखाई देने वाला चांद धरती से दिखने वाले चांद से अलग : वैज्ञानिक

वाशिंगटन, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

अंतरिक्ष वैज्ञानिकों का कहना है कि अंतरिक्ष से दिखाई देने वाला चांद धरती से दिखने वाले चांद से काफी अलग है। अंतरिक्ष से चांद को देखने के अपने अनुभव को नासा के आर्टेमिस-द्वद्व मिशन पर गए अंतरिक्ष यात्रियों ने साझा किए हैं। अंतरिक्ष यात्रियों ने बताया कि अंतरिक्ष से दिखाई देने वाला चांद धरती से दिखने वाले चांद से काफी अलग नजर आता है।

मीडिया से चर्चा में क्रिस्टीना कोच ने कहा कि अंतरिक्ष में चांद को देखने का अनुभव बेहद अलग और थोड़ा उलझन भरा था। उन्होंने बताया कि चांद का अंधेरा हिस्सा अपनी सामान्य स्थिति में नहीं लगता, जिससे दृश्य कुछ अजीब महसूस होता है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि यह वही हिस्सा है, जिसे पहले भी देखा गया है, लेकिन अंतरिक्ष से उसका नजरिया बदल जाता है। इस अनजान दृश्य को समझने के लिए क्रू मेंबर्स ने अपने ट्रेनिंग मटेरियल की मदद ली और उसे वास्तविक दृश्य से मिलाकर समझने की कोशिश की। अंतरिक्ष यात्रियों के अनुसार, अंतरिक्ष से दिखाई देने वाले दृश्य उनके लिए पूरी तरह नए और अलग हैं, जिन्हें समझने के लिए उन्हें लगातार अपने प्रशिक्षण का सहारा लेना पड़ रहा है। इस दौरान पूरे क्रू में काफी उत्साह है और वे इस अनुभव को लेकर बेहद रोमांचित हैं। कैप्सूल के अंदर की स्थिति के बारे में बताते हुए कोच ने कहा कि ओरियन कैप्सूल के भीतर रहना आरामदायक है। करीब 16.5 फीट चौड़े इस कैप्सूल में कैंपर वैन जैसी जगह उपलब्ध है, जहां अंतरिक्ष यात्री आराम से सो भी पा रहे हैं।

उन्होंने हल्के अंदाज में कहा कि अंतरिक्ष में भी वे सामान्य इंसानों की तरह अपनी दिनचर्या बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। नासा का यह मिशन 10 अप्रैल को प्रशांत महासागर में स्प्लैशडाउन के साथ पूरा होने की उम्मीद है। इस मिशन के जरिए नासा चांद पर मानव मिशन की तैयारी को आगे बढ़ा रहा है। एजेंसी का लक्ष्य 2028 तक चांद के दक्षिणी ध्रुव के पास अंतरिक्ष यात्रियों को उतारना और भविष्य में वहां स्थायी बेस स्थापित करना है। बता दें कि क्रिस्टीना कोच, रीड वाइसमैन, विक्टर ग्लोवर और जेरेमी हैनसेन इस समय ओरियन कैप्सूल के जरिए चंद्र मिशन पर हैं।

ईरान को बर्बाद करने में जुटा अमेरिका..........इधर ताइवान को निगलने की तैयारी में चीन

ताइपे। एक ओर अमेरिका ईरान में युद्ध जारी है, और ट्रंप ने ईरान को बर्बाद करने में अपनी पूरी ताकत लगा दी है। वहीं दूसरी ओर मौका पाकर चीन भी ताइवान को निगलने की तैयारी में जुट गया है। चीन के बढ़ते सैन्य दबाव और संभावित युद्ध के खतरे के बीच ताइवान के अंदर दिलचस्प लेकिन गंभीर ट्रेंड देखने को मिल रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक एक ओर सरकार युद्ध की तैयारी में जुटी है, दूसरी तरफ आम लोग अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए प्लान बी बना रहे हैं, जिसमें विदेशों में पैसा, पासपोर्ट और ठिकाना शामिल है। ताइवान ने हाल के महीनों में अपने रक्षा खर्च को बढ़ाया है, अनिवार्य सैन्य सेवा की अवधि बढ़ाई है और बड़े स्तर पर युद्धाभ्यास शुरू किए हैं। यह सब चीन के बढ़ते आक्रामक रुख के कारण किया जा रहा है, जो ताइवान को अपना हिस्सा मानता है और जरूरत पड़ने पर बल प्रयोग की धमकी देता रहा है। ताइपे में काम करने वाले 51 वर्षीय फाइनेंस प्रोफेशनल जैसे लोग अनिश्चित माहौल में अपनी अलग रणनीति बना रहे हैं। उन्होंने अपनी संपत्ति का एक हिस्सा सिंगापुर में ट्रांसफर किया, तुर्की की नागरिकता लेकर दूसरा पासपोर्ट हासिल किया है। उनका कहना है, संभावना कम है, लेकिन अगर युद्ध हुआ तब नुकसान बहुत बड़ा होगा, इसलिए बैकअप प्लान जरूरी है। यह सोच अब सिर्फ एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है। इमिग्रेशन कंसल्टेंट्स के मुताबिक, पिछले कुछ वर्षों में ताइवान के लोगों में विदेश जाने, दूसरा पासपोर्ट लेने और संपत्ति बाहर रखने की मांग तेजी से बढ़ी है। कई ताइवानी लोग हांगकांग के उदाहरण से भी प्रभावित हैं, जहां चीन के नियंत्रण बढ़ने के बाद बड़ी संख्या में लोग देश छोड़कर चले गए। हांगकांग, ताइवान जैसे नारे अब फिर चर्चा में हैं। ताइवान की सरकार जहां रक्षा तैयारियों को मजबूत कर रही है, वहीं आम नागरिकों के बीच दो तरह की मानसिकता दिख रही है। कुछ लोग युद्ध की स्थिति में देश के लिए लड़ने को तैयार हैं, जबकि कुछ लोग सुरक्षित निकलने का रास्ता खोज रहे हैं। एक सर्वे के अनुसार, बड़ी संख्या में लोग स्पष्ट रूप से नहीं कह पा रहे कि वे लड़ने वाले हैं, या देश छोड़ देने वाले है। करीब 11 प्रतिशत लोगों ने साफ कहा कि वे भाग जाएंगे, जबकि 20 प्रतिशत ने कहा कि वे सेना के साथ खड़े होने वाले है।

ट्रंप ने ग्रीनलैंड को लेकर नया मोर्चा खोलने के संकेत दिए नाटो को धमकी

वाशिंगटन, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

ईरान में युद्धविराम की घोषणा के साथ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ग्रीनलैंड पर कब्जे की मंशा जताते हुए उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) को धमकी दी है।। ट्रंप ने ईरान युद्ध में साथ नहीं दोने के लिए नाटो की कड़ी आलोचना की है। साथ ही ग्रीनलैंड को हासिल करने की अपनी इच्छा को दोहराया है।

ट्रंप की यह धमकी ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को नाटो के महासचिव मार्क रूटे के साथ बैठक कर ईरान युद्ध के दौरान नाटो से सहयोग ना मिलने को लेकर नाराजगी जताई। अमेरिकी राष्ट्रपति ने नाटो महासचिव मार्क रूट के साथ बंद कमरे में यह बैठक की थी, जिसके बाद उन्होंने नाटो के प्रति अपनी शिकायत दोहराई। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल की एक पोस्ट में लिखा, जब हमें उनकी जरूरत थी, तब नाटो वहां नहीं था और अगर हमें उनकी दोबारा जरूरत पड़ी तो वे वहां नहीं होंगे।ग्रीनलैंड को याद करो, वह बड़ा, खराब तरीके से चलाया गया, बर्फ का टुकड़ा!!! इस बैठक से पहले जब ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को प्रभावी रूप से बंद कर दिया तो ट्रंप ने संकेत दिया था कि अगर नाटो देशों ने उनके आह्वान को नजरअंदाज किया तो अमेरिका नाटो से बाहर निकलने पर विचार कर सकता है। ट्रंप के बार-बार आह्वान पर भी यूरोपीय देश इस मुद्दे पर अमेरिका के साथ नहीं हैं, बल्कि कई नाटो देशों ने अमेरिकी हमलों का विरोध भी किया। जिसके बाद से ट्रंप नाटो पर हमलावर हैं।

ग्रीनलैंड नाटो सदस्य डेनमार्क का एक अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र है। इस साल की शुरुआत में ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण की मांग की थी लेकिन बाद में नाटो महासचिव मार्क रूट के साथ बातचीत के बाद पीछे हट गए थे। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में कांग्रेस ने 2023 में एक कानून पास किया था, जिसमें किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति को नाटो से बाहर निकलने के लिए कांग्रेस की मंजूरी जरूरी कर दी गई है। लंबे समय से नाटो के आलोचक रहे ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में कहा था कि उनके पास अकेले ही नाटो से बाहर निकलने का अधिकार है। नाटो की स्थापना 1949 में सोवियत संघ के खतरे के खिलाफ यूरोपीय सुरक्षा के लिए की गई थी।

एरिजोना में विमान हादसा, दो लोगों की मौत

एरिजोना। अमेरिका के एरिजोना के एक छोटे हवाई अड्डे पर हुए भीषण विमान हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। जानकारी के अनुसार, विमान रनवे से फिसलकर बाहर चला गया और कुछ ही देर में उसमें आग लग गई, जिससे वह पूरी तरह जलकर खाक हो गया। मराना शहर के मेयर जान पोस्ट ने बताया कि हादसा बेहद गंभीर था और विमान में सवार दोनों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सिटी प्रवक्ता विक हैथवे के अनुसार, विमान में केवल दो ही लोग सवार थे, जिनकी पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। इस दुर्घटना में किसी अन्य व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है और न ही कोई अन्य विमान इसमें शामिल था। मराना पुलिस विभाग ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच अब नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड द्वारा की जाएगी। मराना शहर टक्सन से लगभग 32 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित है।

ईरान का सख्त संदेश – अमेरिका सीजफायर या युद्ध में से एक चुने

तेहरान, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि अमेरिका को अब सीजफायर और युद्ध में से किसी एक विकल्प को चुनना होगा।

अराघची ने कहा कि मौजूदा हालात में दोनों चीजें एक साथ नहीं चल सकतीं। उनके मुताबिक, अगर अमेरिका वास्तव में संघर्ष विराम चाहता है, तो उसे इसे पूरी तरह लागू करना होगा। वहीं, अगर इजराइल के जरिए सैन्य कार्रवाई जारी रहती है, तो इसे सीजफायर नहीं माना जा सकता।

उन्होंने लेबनान में जारी हिंसा का जिक्र करते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान इस ओर खींचा। अराघची ने कहा कि पूरी दुनिया इस स्थिति को देख रही है और अब फैसला अमेरिका को करना है। उनके अनुसार, यह समय है जब अमेरिका को अपने वादों पर खरा उतरना होगा और स्पष्ट रुख अपनाना होगा।

ईरान के विदेश मंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है जब क्षेत्र में हालात बेहद नाजुक बने हुए हैं। एक तरफ अमेरिका और ईरान के बीच घोषित संघर्ष विराम है, दूसरी ओर लेबनान और आसपास के इलाकों में हमले जारी हैं। इससे शांति प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। माना जा रहा है कि ईरान का यह बयान अमेरिका पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। साथ ही, यह संदेश भी देने की कोशिश है कि अगर क्षेत्र में हिंसा नहीं रुकी, तो ईरान भी कड़े कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा।

फिलहाल, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सभी की नजरें अमेरिका के अगले कदम पर टिकी हैं। यह देखना अहम होगा कि वाशिंगटन इस चेतावनी के बाद क्या रुख अपनाता है और क्या इससे क्षेत्र में शांति बहाल हो पाएगी या नहीं।

खतरनाक एंड्राइड मालवेयर नो वाइस...........करीब 23 लाख स्मार्टफोन प्रभावित

वाशिंगटन, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

हाल ही में एक बेहद खतरनाक एंड्राइड मालवेयर नो वाइस सामने आया है, जिसने करीब 23 लाख स्मार्टफोन को प्रभावित किया है। यह मालवेयर मुख्य रूप से पुराने और बजट स्मार्टफोन को निशाना बना रहा है, जिसमें मई 2021 के बाद कोई सुरक्षा अपडेट नहीं हुआ है। मैकेफी के शोधकर्ताओं के अनुसार, यह मालवेयर सामान्य फैक्ट्री रीसेट के बाद भी फोन से हटता नहीं है, जिससे उपयोगकर्ताओं के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया है।

नो वाइस 50 से अधिक एप में छिपा पाया गया था, जैसे सिस्टम क्लीनर, गेम्स और फोटो गैलरी, जो शुरुआत में निर्दोष लगते हैं। उपयोगकर्ता इन्हें बिना किसी संदेह के इंस्टाल कर लेते हैं। इंस्टाल होने के बाद, यह एंड्राइड की पुरानी कमजोरियों का फायदा उठाकर फोन में रूट एक्सेस हासिल कर लेता है, जिससे यह डिवाइस पर लगभग पूर्ण नियंत्रण प्राप्त कर लेता है। रूट एक्सेस मिलने के बाद, नो वाइस कई खतरनाक गतिविधियां करता है। यह वित्तीयद एप से संवेदनशील डेटा, जैसे यूजरनेम और पासवर्ड चुरा सकता है, जिससे आर्थिक सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। इसके अलावा यह निजी तस्वीरों को देखकर डिलीट कर सकता है और जरूरी एप को भी हटाकर फोन की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकता है।

इसकी सबसे बड़ी समस्या इसकी अत्यधिक चिपचिपी प्रकृति है, जो इसे सिस्टम के गहरे हिस्सों में छिपने में सक्षम बनाती है। केवल फोन का पूरा फर्मवेयर दोबारा इंस्टाल करने से इसे पूरी तरह हटाया जा सकता है। वैश्विक स्तर पर इसका प्रभाव अफ्रीकी देशों में अधिक देखा गया है, लेकिन भारत, अमेरिका और यूरोप में भी कई उपयोगकर्ता इससे प्रभावित हुए हैं। हालांकि, जिन स्मार्टफोन को मई 2021 के बाद नियमित सुरक्षा पैच और अपडेट मिल रहे हैं, वे इस मालवेयर से सुरक्षित हैं। गूगल ने प्रभावित ऐप्स को प्ले स्टोर से हटा दिया है, जिससे नए इंस्टालेशन का जोखिम कम हो गया है। सुरक्षा के लिए उपयोगकर्ताओं को केवल विश्वसनीय स्रोतों से ऐप डाउनलोड करना चाहिए, नियमित अपडेट करना चाहिए और संदिग्ध ऐप्स से बचना चाहिए। साथ ही, फोन में किसी भी असामान्य गतिविधि या प्रदर्शन में बदलाव पर तुरंत विशेषज्ञ की मदद लेनी चाहिए। यह सचेत रहना ही नो वाइस जैसे खतरनाक मालवेयर से बचने का सबसे प्रभावी तरीका है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन-शैली में बदलाव लाने का सही समय है। प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। ज़रूरतमंदों की मदद करने की आपकी ख़ासियत आपको सम्मान दिलाएगी।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जो लोग दुग्ध उद्योग से जुड़े हैं उन्हें आज आर्थिक लाभ होने की प्रबल संभावना है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल-मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। जीवन का आनंद लेने के लिए आपको अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आवश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा। जीवनसाथी यह जता सकता है कि आपके साथ रहने का क्या-क्या ख़ामियाज़ा उसे भुगतना पड़ रहा है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। हालात को क़ाबू में रखने के लिए अपने भाई की मदद लें। विवाद को ज़्यादा तूल देने की बजाय उसे दोस्ताना तरीक़े से हल करने की कोशिश करें। अपनी पेशेवर क्षमताओं को बढ़ाकर आप करिअर में नए दरवाज़े खोल सकते हैं। अपने क्षेत्र में आपको अपार सफलता मिलने की संभावना भी है। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मानसिक दबाव के बावजूद आपकी सेहत अच्छी रहेगी। जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। पढ़ाई-लिखाई में कम रुचि के चलते बच्चे आपको थोड़ा निराश कर सकते हैं। अपनी नौकरी से चिपके रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे। खाली वक्त आज व्यर्थ की बहसों में खराब हो सकता है जिससे दिन के अंत में आपको खिन्नता होगी। कोई पुराना मुद्दा उभर सकता है, जो फिर वाद-विवाद का रूप भी ले सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

जिन लोगों ने किसी से उधार लिया है उन्हें आज किसी भी हालत में उधार चुकाना पड़ सकता है जिससे आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर हो जाएगी। लोग आपको आशाएँ और सपने देंगे, लेकिन असल में सारा दार-ोमदार आपके प्रयासों पर रहेगा। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके सामने नई चुनौतियाँ आएंगी- ख़ास तौर पर अगर आप कूटनीतिक तरीक़े से चीज़ों को नहीं इस्तेमाल करेंगे तो। एकांत में वक्त बिताना अच्छा है लेकिन आपके दिमाग में कुछ चल रहा है तो लोगों से दूर रहकर आप और ज्यादा परेशान हो सकते हैं। इसलिए आपको हमारी सलाह है कि लोगों से दूर रहने से बेहतर होगा किसी अनुभवी शख्स से अपनी परेशानी के बारे में बात करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफ़ी संभावनाएँ है आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढ़ाएंगे। घर में परेशानियां पैदा हो सकती हैं आज कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा घर के किसी मसले को लेकर कम रहेगी। इस राशि के कारोबारियों को आज के दिन अपने साझेदारों पर नजर बनाए रखने की जरूरत है, वो आपको नुक्सान पहुंचा सकते हैं। लेकिन सिर्फ़ उन चीज़ों की ही प्रशंसा करें जो उसके क़ाबिल हैं। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज शान्त और तनाव-रहित रहें। यह बात भली भांति समझ लें कि दुख की घड़ी में आपका संचित धन ही आपके काम आएगा इसलिए आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। अपने दिन की योजना सावधानी से तय करें। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

लोगों से साथ बात करने और समारोहों में शिरकत करने का डर आपके घबराहट की वजह बन सकता है। इस परेशानी से बचने के लिए अपने आत्मविश्वास में इज़ाफ़ा करें। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता-पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। वक्त पर चलने के साथ-साथ अपनों को वक्त देना भी आवश्यक है। यह बात आज आप समझेंगे लेकिन इसके बावजूद भी आप अपने घरवालों को पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे। मुश्किल हालात से उबरने में आपके जीवनसाथी की तरफ़ से ज़्यादा सहयोग नहीं हासिल होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दूसरों की आलोचना में समय ख़राब न करें, क्योंकि इसका बुरा असर आपके स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। कोई आपको दिल से सराहेगा। कार्यक्षेत्र में लक्ष्य हासिल करने के लिए अपनी पूरी ऊर्जा को इसी ओर लगाएँ। हवन-पूजा-पाठ आदि का आयोजन घर मे होगा। यह दिन आपके और आपके जीवनसाथी के लिए ही बना है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

खेलों और आउटडोर गतिविधियों में भागीदारी आपकी खोयी ऊर्जा को फिर से इकट्ठा करने में आपकी मदद करेगी। बैंक से जुड़े लेन-देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। वो आपसे रुठें इससे ही पहले ही अपनी गलती का अहसास कर लें और उन्हें मना लें। अगर आज आपका रुख़ विनम्र और सहयोगी है, तो आपको अपने साझीदारों से बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

खेलों और आउटडोर गतिविधियों में भागीदारी आपकी खोयी ऊर्जा को फिर से इकट्ठा करने में आपकी मदद करेगी। जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। जो लोग आपके लिए सबसे ज़्यादा अहमियत रखते हैं, उन्हें अपनी बात समझाने में आप ख़ासी दिक़्क़त महसूस करेंगे। आपकी ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा- क्योंकि आपका प्रिय आपने लिए बहुत सारी ख़ुशी की वजह साबित होगा। लंबित परियोजनाएँ पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे।

आज का पंचांग

दिनांक : 10 अप्रैल 2026, शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : वैशाख , कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी रात्रि 11:18 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढा प्रातः 11:28 तक
योग : शिव सायं 06:29 तक
करण : बालव प्रातः 10:24 तक
चन्द्रराशि : धनु सायं 06:04 तक
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 06:31 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:10, सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:21 (विजयवाडा

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : बूढ़ा बासोड़ा, शीतला अष्टमी , कालाष्टमी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जयपुर के प्रमुख मार्गों पर विकसित हो मेट्रो नेटवर्क : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 09 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जयपुर मेट्रो फेज-2 जयपुर शहर के समग्र विकास का ग्रोथ इंजन सिद्ध होगा। उन्होंने केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा इस फेज की मंजूरी दिए जाने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे शहर के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र सीतापुरा एवं वीकेआई को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी और आमजन को सुगम परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जयपुर मेट्रो रेल परियोजना की प्रगति एवं विस्तार को लेकर बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने प्रहलादपुरा से टोडी मार्ग तक विकसित होने वाले इस फेज को केन्द्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के आधार पर चरणबद्ध तरीके से क्रियान्वित करने तथा इसके पहले पैकेज (प्रहलादपुरा से पिंजरापोल गौशाला तक) के वर्क ऑर्डर शीघ्र जारी करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने फेज-2 के अन्तर्गत डिपो निर्माण के लिए उपयुक्त स्थान का चयन करने तथा पार्किंग सुविधाओं के समुचित विकास के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेट्रो परियोजनाओं का निर्धारित समय-सीमा एवं नियंत्रित लागत के साथ विकास आवश्यक है। उन्होंने फेज-1सी (बड़ी चौपड़-ट्रांसपोर्ट नगर) एवं फेज-1डी (मानसरोवर-अजमेर रोड चौराहा) की परियोजनाओं को गति देने के भी निर्देश दिए।

शर्मा ने जनसंख्या घनत्व एवं ट्रैफिक के दबाव को ध्यान में रखते हुए भविष्य में दिल्ली रोड एवं सीकर रोड सहित अन्य मार्गों की दिशा में मेट्रो विस्तार की योजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि जयपुर के प्रमुख मार्गों को मेट्रो नेटवर्क से जोड़ा जाए।बैठक में बजट वर्ष 2025-26 की अनुपालना एवं मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार आमेर, जगतपुरा, बगराना (आगरा रोड) एवं आईएसबीटी हीरापुरा तक मेट्रो विस्तार के मास्टर प्लान का प्रस्तुतिकरण दिया गया। मुख्यमंत्री ने जेडीए एवं जयपुर मेट्रो को बेहतर समन्वय के साथ कार्य करते हुए बहुद्देशीय एलिवेटेड रोड परियोजना के संबंध में निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित मुख्यमंत्री कार्यालय, नगरीय विकास विभाग, जयपुर मेट्रो कॉर्पोरेशन, जेडीए एवं जयपुर जिला कलक्टर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने को अष्टम राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा का किया शुभारंभ

जयपुर, 09 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी के द्वारा गुरुवार को अष्टम राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया है।

निदेशक आईसीडीएस वासुदेव मालावत, अतिरिक्त निदेशक अनुपमा टेलर की वीसी के माध्यम से जुड़कर सहभागिता की। वही शुभारम्भ के अवसर पर राज्य के जिलों के आईसीडीएस उपनिदेशक, सीडीपीओ महिला पर्यवेक्षक और आंगनबाडी कार्यकरता भी वी सी के द्वारा जुड़े।पोषण पखवाड़ा के पहले दिन शुभारंभ के साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषण रैली का विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों पर आयोजन किया गया। रैली के दौरान नारा लेखन द्वारा भी पोषण जागरूकता की गई। जिसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका आशा एवं आंगनबाड़ी के बच्चों ने सहभागिता की। पोषण पर चर्चा की गई। अम्मा कार्यक्रम पर चर्चा की गई। कहानी के तहत पोषण की कहानी दादी नानी की जुबानी का आयोजन किया गया। आंगनबाड़ी केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं व बच्चों हेतु स्वास्थ्य एवं पोषण शिविर आयोजित किए गए। एएनसी, आईएफए संतुलित आहार गतिविधियां आयोजित की गई। इसी के साथ हाई रिस्क पहचान गर्भावस्था कल में वजन वृद्धि, पीएमएमवीवाई के बारे में जानकारी देना।निदेशक मालावत ने निर्देश दिए हैं कि पोषण पखवाड़ा के दूसरे दिन कल 10 अप्रैल 2026 को मुख्यालय में कार्यरत सभी अधिकारी अपने निवास के नजदीक आंगनबाड़ी केंद्र पर प्रातः 8:00 बजे विजिट कर पोषण पखवाड़ा की गतिविधि में सहभागिता सुनिश्चित करें।

पोषण पखवाड़ा के दूसरे दिन शुक्रवार (10 अप्रैल) को पोषण व्यंजनों का प्रदर्शन, खाना बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन, जंक एवं पैक्ड फूड से होने वाले नुकसान के बारे में चर्चा कर जागरूकता की जाएगी।

मस्तिष्क विकास के लिए प्रारंभिक प्रोत्साहन

इसी प्रकार 11 अप्रैल शनिवार को विकासात्मक माइलस्टोन की पहचान अभियान का आयोजन किया जाएगा। साथ ही नवचेतना मार्गदर्शिका के अनुसार गतिविधियां आयोजित की जाएगी।रविवार 12 अप्रैल को आंगनबाड़ी केदो पर राजकीय अवकाश रहेगा।

मिलावट के खिलाफ अभियान – केंद्रीय दल ने ब्यावर में मसाला फैक्ट्री पर कार्रवाई की

ब्यावर, 09 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देश में प्रदेशभर में मिलावट के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में शुद्ध आहार एवं मिलावट पर वार अभियान के तहत ब्यावर में मसाला फैक्ट्री पर कार्रवाई कर मिलावटी मसाले जब्त किए गए।

खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला ने बताया कि अतिरिक्त आयुक्त श्री भगवत सिंह के सुपरविजन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय गहलोत की टीम ने मिलावटी मसालों की शिकायतों पर ब्यावर में कार्रवाई की। बुधवार आधी रात तक चली कार्रवाई अंतर्गत ब्यावर में सराधना इंडस्ट्रियल एरिया स्थित मैसर्स महावीर गृह उद्योग पर केंद्रीय दल के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने कलर एवं चापड़ मिलाकर तैयार किया जा रहा 5480 किलो मिर्च पाउडर एवं 1400 किलो चापड़ को मौके पर सीज किया। फैक्ट्री परिसर में चापड़ के कट्टों से भरी गाड़ी पाई गई। इस चापड़ को लाल मिर्च पाउडर में मिलाकर बाजार में खपाने की तैयारी की जा रही थी। इसी की दूसरी फर्म मैसर्स गुलाब चंद-उत्तम चंद के परिसर में मिर्च, धनिया, हल्दी को पीसने का काम किया जा रहा था। मौके पर उपलब्ध मसालों की ढेरियों में से हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, मिर्च पाउडर एवं साबुत मिर्च के नमूने लिए गए। साथ ही, 1550 किलो हल्दी पाउडर, 700 किलो धनिया पाउडर, 1900 किलो मिर्च पाउडर को सीज किया गया। मसालों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मैं दूसरे नेताओं की तरह झूठी बातें नहीं करता : अनिल विज

चंडीगढ़, 09 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला छावनी इंडस्ट्रियल एरिया का देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान है। यहां पर साइंस से जुड़े एवं अन्य जो उपकरण तैयार किए जाते हैं उनका रक्षा, इंजीनियरिंग कालेज व मेडिकल कालेजों, स्कूलों, एयरफोर्स में व अन्य क्षेत्रों में प्रयोग किया जाता है। इस दृष्टि से इंडस्ट्रियल एरिया का देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान है। विज इंडस्ट्रियल एरिया, अम्बाला छावनी की 10 करोड़ 76 लाख रूपए की लागत से आरसीसी रिटेनिंग वाल चारदीवारी के शिलान्यास के उपरांत आपार जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले, उनका यहां पहुंचने पर औद्योगिक क्षेत्र के पदाधिकारियों, भाजपा पदाधिकारियों व एचएसआईआईडीसी अधिकारियों द्वारा पुष्प गुच्छ देकर अभिनंदन किया गया। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने इस मौके पर इंडस्ट्रियल एरिया के लोगों को चारदिवारी के कार्य की शुरूआत होने पर बधाई देते हुए कहा कि अम्बाला छावनी इंडस्ट्रियल एरिया 1970 के आसपास बना था और उनके दोस्त नेत्रपाल ने सबसे पहले यहां इंडस्ट्री लगाई थी। उन्होंने कहा कि तब से बरसातें आती रही और इंडस्ट्रियल एरिया डूबता रहा और नुक्सान होते रहे, मगर ठोस काम कभी नहीं हुआ। मगर हम इंडस्ट्रियल एरिया वासियों की मांग पर 10.76 करोड़ रुपए की लागत से कंकरीट की चारदीवारी बनाकर दे रहे हैं जोकि आठ फुट ऊंची व 14 फुट जमीन से नीचे होगी ताकि पानी का दबाव दीवार को गिरा न सके। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री बरसातों में सुरक्षित रहे यह जरूरी है। अम्बाला छावनी की इंडस्ट्री काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां से डिफेंस, एरोनॉटिक्स, इंजीनियरिंग, मेडिकल कालेजों व अन्य प्रमुख संस्थानों को इंस्ट्रूमेंट सप्लाई किए जाते है। ऐसे में इंडस्ट्री रूकती है तो विकास रूकता है।ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि दीवार बनाने काम करने के साथ-साथ हम टांगरी नदी तल को भी गहरा कर रहे हैं। गांव रामगढ़ माजरा से गांव दुराना तक अलग-अलग चरणों में नदी तल को गहरा किया जा रहा है।

समय पर दूर करें जनता की परेशानी : नायब

चंडीगढ़, 09 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को प्रदेश भर में आयोजित हो रहे 'समाधान शिविरों' का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने शिविरों की कार्यप्रणाली का जायजा लिया और अधिकारियों को जनसमस्याओं के निस्तारण में कोताही न बरतने की हिदायत दी। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने शिविरों में अपनी समस्याएं लेकर आए लाभार्थियों और उनके परिजनों से सीधा संवाद किया।

उन्होंने मौके पर मौजूद लोगों से फीडबैक लिया कि उनकी शिकायतों पर क्या कार्रवाई हो रही है और उन्हें किसी प्रकार की असुविधा तो नहीं हो रही है।

मुख्यमंत्री ने उपस्थित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिविर में आने वाली हर शिकायत का समाधान प्रभावी और समयबद्ध तरीके से होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता आमजन को त्वरित राहत पहुँचाना है और इसमें किसी भी स्तर पर देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुँचाना और लंबित प्रकरणों का मौके पर ही निपटारा करना है।

हल्द्वानी बैठक में सांसद सैलजा का संगठन को मजबूत करने का संदेश, हरियाणा की कानून-व्यवस्था पर उठाए सवाल

हल्द्वानी/चंडीगढ़, 09 अप्रैल (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव उत्तराखंड की प्रभारी, सिरसा की सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने हल्द्वानी (उत्तराखंड) में प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक एवं संगठनात्मक मुद्दों पर विस्तृत और सार्थक चर्चा की गई। कुमारी सैलजा ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संगठित होकर चुनावी तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में परिवर्तन की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है और जनता वर्तमान भाजपा सरकार से निराश है। प्रदेश के लोग अब जवाबदेह, संवेदनशील और जनहितकारी सरकार चाहते हैं, जिसके लिए कांग्रेस एक मजबूत विकल्प के रूप में उभर रही है। इस महत्वपूर्ण बैठक में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया, जिनमें सीडब्ल्यूसी सदस्य गुरदीप सप्पल, सह प्रभारी सुरेंद्र शर्मा एवं मनोज यादव, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, चुनाव संचालन समिति अध्यक्ष एवं विधायक चकराता प्रीतम सिंह, सीडब्लूसी सदस्य करण माहरा, चुनाव प्रबंधन समिति अध्यक्ष हरक सिंह रावत, पूर्व राष्ट्रीय सचिव प्रकाश जोशी, उपनेता प्रतिपक्ष विधायक खटीमा भुवन कापड़ी एवं जिलाध्यक्ष सहित समस्त कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

कुमारी सैलजा ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे पूरे उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ जनता के बीच जाएं और कांग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं। यह बैठक उत्तराखंड में कांग्रेस संगठन को मजबूती देने और आगामी चुनावों के लिए रणनीति तय करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा में लगातार बढ़ती आपराधिक घटनाओं ने कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ताजा मामला झज्जर से सामने आया है, जहां दिनदहाड़े एक युवा फाइनेंसर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने उसे 14 गोलियां मारीं, जिससे प्रदेश में भय और असुरक्षा का माहौल और गहरा गया है। इस घटना के बाद आम जनता में भारी रोष है और लोग सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं।

संपादकीय

युद्ध की आग में झुलसती रसोई

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच होर्मुज जलमार्ग के बंद होने से उपजा संकट अब गहराने लगा है। पेट्रोलियम पदार्थों की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने से भारत समेत कई देशों में ईंधन की उपलब्धता काफी कम हो गई है। इसका सीधा असर आम लोगों पर पड़ रहा है। देश में सरकार की ओर से भले ही यह दावा किया जा रहा है कि पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है, लेकिन हाल में व्यावसायिक रसोई गैस सिलेंडर और विमान ईंधन की कीमतों में की गई बढ़ोतरी से स्पष्ट है कि संकट धीरे-धीरे अपने पांव पसार रहा है।

पेट्रोलियम पदार्थों की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने से भारत समेत कई देशों में ईंधन की उपलब्धता काफी कम हो गई है। इसका सीधा असर आम लोगों पर पड़ रहा है। देश में सरकार की ओर से भले ही यह दावा किया जा रहा है कि पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है, लेकिन हाल में व्यावसायिक रसोई गैस सिलेंडर और विमान ईंधन की कीमतों में की गई बढ़ोतरी से स्पष्ट है कि संकट धीरे-धीरे अपने पांव पसार रहा है। सरकार देश भर में घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति में देरी को लेकर जिस तरह के हालात बन रहे हैं, उससे लोगों में कई तरह की आशंकाएं पैदा हो गई हैं। इस बीच, पेट्रोलियम उत्पादों की जमाखोरी और कालाबाजारी ने समस्या को और बढ़ा दिया है।

सरकार देश भर में घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति में देरी को लेकर जिस तरह के हालात बन रहे हैं, उससे लोगों में कई तरह की आशंकाएं पैदा हो गई हैं। इस बीच, पेट्रोलियम उत्पादों की जमाखोरी और कालाबाजारी ने समस्या को और बढ़ा दिया है। इसके मद्देनजर केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही लोगों को घरों में ईंधन के वैकल्पिक उपाय अपनाने और ऊर्जा संरक्षण के लिए प्रोत्साहित करने को भी कहा गया है।

गौरतलब है कि ईरान तथा इजराइल-अमेरिका के बीच युद्ध शुरू होने के करीब एक माह बाद कई देशों में तेल और गैस का व्यापक संकट खड़ा हो गया है। ईरान ने जब से होर्मुज जलमार्ग को बंद किया है, उसके बाद भारत सहित कई देशों में बड़े पैमाने पर तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हुई है। ईंधन की कमी से उपजा वैश्विक संकट अब जिस स्तर पर बढ़ता जा रहा है, उसका भारत पर भी गहरा असर देखने को मिल रहा है, क्योंकि वह कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति के लिए अन्य देशों पर अधिक निर्भर है।

ऐसे में अगर युद्ध लंबा खिंचा तो आने वाले दिनों में किस तरह की परिस्थितियां पैदा हो सकती हैं, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। इस समस्या से निपटने के लिए सरकार को ईंधन आपूर्ति के वैकल्पिक उपायों पर अब व्यापक स्तर पर और गंभीरता से विचार करना होगा।

देश में सरकार के समक्ष चुनौती सिर्फ तेल और गैस की कमी की ही नहीं है, बल्कि इसकी जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक लगाने की भी है। मौजूदा संकट का दायरा इसलिए भी बढ़ता जा रहा है, क्योंकि आपदा में अवसर तलाशने वालों में मुनाफा कमाने की होड़ लग गई है। जमाखोरी कर रसोई गैस सिलेंडर ऊंचे दामों पर बेचे जा रहे हैं, जिससे जरूरतमंद आम लोगों को कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है।

कुछ अलग

ये आकाशवाणी का लखनऊ केंद्र है...

ये आकाशवाणी का लखनऊ केंद्र है.... यह वाक्य नहीं, एक मुकम्मल विरासत है।

यह केवल एक रेडियो स्टेशन नहीं, बल्कि हमारी यादों, हमारी संस्कृति और हमारी संवेदनाओं की सजीव आवाज है। यहां से केवल शब्द नहीं, संवेदनाएं प्रसारित होती हैं। यहां आवाज नहीं, संस्कार बोलते हैं।

कितनी पीढ़ियां इसकी धुनों के साथ जागीं, इसके समाचारों के साथ देश-दुनिया से जुड़ीं और इसके कार्यक्रमों के साथ भावनाओं से भर उठीं। वह समय, जब रेडियो केवल एक यंत्र नहीं था, बल्कि घर का सदस्य था जिसके पास चेहरा नहीं था, पर अपनापन था। जिसके पास स्पर्श नहीं था, पर संवाद था।

89 वर्षों से यह आवाज केवल सुनाई नहीं देती, बल्कि दिलों में उतरती है, पीढ़ियों में बसती है और समाज को जोड़ती है। गांव की चौपाल हो या शहर का आंगन, एक छोटा-सा रेडियो पूरे समाज को एक सूत्र में बांध देता था। समाचार आते थे तो देश की धड़कन सुनाई देती थी, गीत बजते थे तो जीवन मुस्कुरा उठता था, और जब कोई भावपूर्ण प्रसारण होता था, तो मन स्वतः भीग जाता था।

लगभग 39 फीसद परिवारों के पास शौचालय की सुविधा नहीं है, जिससे खुले में शौच जैसी समस्याएं बनी रहती हैं, जो सीधे तौर पर संक्रमण से जुड़ी हैं।

हाशिये पर स्वास्थ्य, जागरूकता का सवाल, एआई कैसे बनेगा 'स्मार्ट गाइड'?

बच्चों में कुपोषण की स्थिति भी गंभीर है, लगभग 43 फीसद बच्चे बौने हैं। यह केवल भोजन की कमी नहीं, बल्कि पोषण संबंधी जागरूकता की कमी को भी दर्शाती है। बिहार के सीमांचल (कटिहार, किशनगंज, पूर्णिया) या झारखंड के गुमला और सिमडेगा जैसे जिलों में एक समान व्यवहार दिखता है, लोग बीमारी को तब तक गंभीर नहीं मानते, जब तक वह असहनीय न हो जाए। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के सोनभद्र, चित्रकूट, बांदा, अलीराजपुर और मंडला जैसे जिलों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की स्थिति भी आज चिंता का विषय है।

हाल के वर्षों में भारत ने स्वास्थ्य क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन जब हम पिछड़े जिलों में स्वास्थ्य से जुड़ी जागरूकता पर नजर डालते हैं, तो एक अलग ही सच्चाई सामने आती है। अस्पतालों की कमी के साथ स्वास्थ्य संबंधी सामाजिक जागरूकता की कमी, संसाधनों की असमानता और नीतियों के जमीनी क्रियान्वयन की विफलता साफ दिखती है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के आंकड़े बताते हैं कि भारत में स्वास्थ्य और पोषण से जुड़े मुद्दे केवल चिकित्सा सुविधाओं की कमी से नहीं, बल्कि जागरूकता के अभाव से भी गहराई से जुड़े हैं।

यह सर्वेक्षण देश के सात सौ से अधिक जिलों के आंकड़े उपलब्ध कराता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि स्वास्थ्य को लेकर असमानता केवल राज्यों के बीच ही नहीं, बल्कि जिलों के भीतर भी मौजूद है। यदि हम बिहार जैसे राज्य को देखें, तो स्थिति बेहद चिंताजनक है। यहां लगभग 84 फीसद आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, जहां स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच सीमित है। लगभग 39 फीसद परिवारों के पास शौचालय की सुविधा नहीं है, जिससे खुले में शौच जैसी समस्याएं बनी रहती हैं, जो सीधे तौर पर संक्रमण से जुड़ी हैं।

यही नहीं, बच्चों में कुपोषण की स्थिति भी गंभीर है, लगभग 43 फीसद बच्चे बौने हैं। यह केवल भोजन की कमी नहीं, बल्कि पोषण संबंधी जागरूकता की कमी को भी दर्शाता है। बिहार के सीमांचल (कटिहार, किशनगंज, पूर्णिया) या झारखंड के गुमला और सिमडेगा जैसे जिलों में एक समान व्यवहार दिखता है, लोग बीमारी को तब तक गंभीर नहीं मानते, जब तक वह असहनीय न हो जाए। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के सोनभद्र, चित्रकूट, बांदा, अलीराजपुर और मंडला जैसे जिलों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की स्थिति भी आज चिंता का विषय है।

राष्ट्रीय सर्वेक्षण के अनुसार, कई महिलाओं को प्रसव पूर्व देखभाल नहीं मिल पाती। बिहार में लगभग अठारह फीसद महिलाओं ने गर्भावस्था के दौरान कोई चिकित्सा देखभाल नहीं ली। राजस्थान की तस्वीर और ज्यादा जटिल है। टीकाकरण में सुधार हुआ है, लेकिन जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। तीस वर्ष से अधिक आयु के लगभग बीस फीसद लोग मधुमेह या उच्च रक्तचाप से ग्रस्त हैं, लेकिन उनमें से बहुत कम लोग नियमित उपचार कराते हैं।

झारखंड और मध्य प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में पारंपरिक मान्यताओं तथा आधुनिक चिकित्सा के बीच दूरी अब भी बनी हुई है। कई बार लोग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक नहीं पहुंचते और स्थानीय उपचारों पर निर्भर रहते हैं, जिससे तपेदिक, मलेरिया और खून की कमी जैसी बीमारियां लंबे समय तक छिपी रहती हैं। देश में यह संकट दोतरफा रूप में सामने आता है- एक ओर कुपोषण, दूसरी ओर नई जीवनशैली से होने वाली बीमारियां। यदि वैश्विक तुलना करें, तो जापान, फिनलैंड और आस्ट्रेलिया जैसे देशों में लोग नियमित जांच, संतुलित आहार और निवारक स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देते हैं। इसके विपरीत भारत में स्वास्थ्य को अक्सर अंतिम प्राथमिकता दी जाती है।

आज के परिदृश्य में इस संदर्भ में एक नया आयाम जुड़ रहा है, वह है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता। सवाल यह है कि क्या एआइ स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ाने में मदद कर सकता है, खासकर उन ग्रामीण क्षेत्रों में जहां जानकारी की सबसे ज्यादा कमी है? ग्रामीण भारत में एआइ का सबसे बड़ा उपयोग जानकारी पहुंचाने में हो सकता है। आज भी कई गांवों में लोग बीमारी के लक्षणों को सही समय पर नहीं पहचान पाते। यदि मोबाइल आधारित एआइ उपकरण स्थानीय भाषा में सरल तरीके से यह समझाएं कि कब डाक्टर के पास जाना जरूरी है, कौन से लक्षण खतरनाक हैं और कौन-सी सावधानियां अपनानी चाहिए, तो यह एक बड़ा बदलाव ला सकता है।

एआइ का उपयोग आशा कार्यकर्ताओं और आंगनबाड़ी सेविकाओं के प्रशिक्षण में भी किया जा सकता है। यदि उन्हें मोबाइल पर ऐसे एआइ उपकरण मिलें, जो तुरंत जानकारी दें, लक्षणों का प्राथमिक विश्लेषण करें और सही सलाह सुझाएं, तो वे गांव-स्तर पर स्वास्थ्य जागरूकता की सबसे मजबूत कड़ी बन सकती हैं। यह तकनीक डाक्टर की जगह नहीं ले सकती, लेकिन चिकित्सक और ग्रामीण समाज के बीच की दूरी जरूर कम कर सकती है। फिर भी यह याद रखना जरूरी है कि एआइ केवल एक साधन है, समाधान नहीं।

देश में स्वास्थ्य जागरूकता की चुनौती केवल अस्पताल या दवाइयों की नहीं, बल्कि सोच और व्यवहार की भी है। बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान के पिछड़े जिलों की स्थिति हमें यह सिखाती है कि स्वास्थ्य सुधार के लिए जागरूक समाज सबसे जरूरी है। आज भी देश के करोड़ों घरों में दवाइयों की पहचान उनके नाम से नहीं, बल्कि रंग और आकार से होती है। यह सिर्फ एक आदत नहीं, बल्कि स्वास्थ्य जागरूकता की गहरी कमी का संकेत है। जब दवा का नाम, उसका उपयोग और उसका असर हमें पता ही नहीं, तो इलाज कैसे सही होगा? देश के ग्रामीण इलाकों में यह आम बात है कि लोग डाक्टर की सलाह के बजाय पुराने पर्चे या दूसरों के अनुभव के आधार पर दवा ले लेते हैं। कई बार एक ही दवा अलग-अलग बीमारी में खा ली जाती है, क्योंकि उसकी पहचान केवल रंग या आकार से जुड़ी होती है।

देश दुनिया से

पश्चिम एशिया युद्ध का असर अब दुनिया के कई देशों पर

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि पश्चिम एशिया में युद्ध ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच हो रहा है, लेकिन उसकी मार वैसे देशों को भी झेलनी पड़ रही है, जो किसी भी रूप में जंग में शामिल नहीं हैं। कई देशों में अब हालत यह है कि वहां तेल और गैस की कमी की वजह से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित होने लगा है।

भारत भी उन देशों में से एक है, जहां कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बाधित होने के कारण आम लोगों को कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। खासतौर पर जब से ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया है, तब से कई देशों में कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति पर व्यापक असर पड़ा है। भारत में रसोई गैस सिलेंडर की उपलब्धता भी काफी प्रभावित हुई है। यह स्थिति मुख्य रूप से होर्मुज जलमार्ग को रोके जाने के कारण सामने आई है और इसमें तभी राहत मिल सकती है, जब ईरान इस मार्ग को फिर से खोले।

वैश्विक स्तर पर यह चिंता गहरा रही है कि अगर होर्मुज जलमार्ग को इसी तरह बाधित करके रखा गया, तो आने वाले दिनों में स्थितियां और बिगड़ सकती हैं। शायद यही वजह है कि पश्चिम एशिया के इस संकट का हल निकालने की कोशिश के तहत ब्रिटेन की पहल पर साठ से ज्यादा देशों की बैठक हुई, जिसमें होर्मुज जलमार्ग को फिर से खोलने और फंसे हुए जहाजों तथा चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई।

इसके तहत अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में बिना बाधा के जहाजों की आवाजाही की अहमियत को रेखांकित किया गया, क्योंकि आज के दौर में समूची दुनिया में तेल और रसोई गैस लोगों के जीवन के सबसे अहम आधार बन चुके हैं। वहीं होर्मुज जलमार्ग के बाधित होने के बाद से ही जिस तरह का ऊर्जा संकट गहराता जा रहा है, उसका भारत पर भी सीधा असर पड़ा है। जाहिर है, अन्य

वैश्विक स्तर पर यह चिंता गहरा रही है कि अगर होर्मुज जलमार्ग को इसी तरह बाधित करके रखा गया, तो आने वाले दिनों में स्थितियां और बिगड़ सकती हैं। शायद यही वजह है कि पश्चिम एशिया के इस संकट का हल निकालने की कोशिश के तहत ब्रिटेन की पहल पर साठ से ज्यादा देशों की बैठक हुई, जिसमें होर्मुज जलमार्ग को फिर से खोलने और फंसे हुए जहाजों तथा चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई।

कई देशों की तरह भारत भी इस प्रयास में है कि जितना जल्दी हो, इस संकट का हल निकले और होर्मुज जलमार्ग को खोला जाए। बैठक में भारत ने साफ शब्दों में कहा कि युद्ध खत्म करने के लिए तनाव कम करने और सभी पक्षों के बीच संवाद के रास्ते पर लौटने की जरूरत है। यों भी, आज के दौर में कोई भी युद्ध सिर्फ उन देशों को प्रभावित नहीं करता, जिनके बीच वह लड़ा जा रहा होता है। अब यह वैश्विक चिंता का सवाल बन चुका है कि इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद ईरान ने रणनीतिक मोर्चे पर जो रुख अख्तियार किया है, उसका खमियाजा अब दुनिया के कई देशों को भुगतना पड़ रहा है।

संभव है कि अमेरिका और इजराइल को जवाब देने के लिए ईरान ने हमलों के अन्य मोर्चों के साथ-साथ होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया हो, लेकिन जो देश इस युद्ध में किसी भी पक्ष में नहीं हैं, अगर उन्हें इसकी मार झेलनी पड़ रही है और आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर विपरीत असर पड़ रहा है, तो इसे कैसे देखा जाएगा। विडंबना यह है कि ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच जारी युद्ध में संवाद को लेकर फिलहाल किसी भी पक्ष में कोई उत्साह नहीं दिख रहा है।

मगर कूटनीतिक तकाजे के साथ-साथ मानवीय पहलू से भी देखें, तो होर्मुज जलमार्ग को तत्काल खोलने की जरूरत है, अन्यथा वैश्विक पैमाने पर जिस तरह का ऊर्जा संकट खड़ा होगा, उसकी भरपाई लंबे समय तक नहीं की जा सकेगी।

ईरान के खिलाफ इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद दुनिया भर में इस बात को लेकर चिंता जताई जा रही है कि अगर युद्ध और लंबा खिंचा तो इसके असर से बहुत सारे देशों में बहुस्तरीय संकट पैदा होंगे। युद्ध शुरू होने के करीब एक महीने के बाद यह साफ देखा जा सकता है कि कई देशों में तेल और गैस का व्यापक संकट खड़ा हो गया है और आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। युद्ध में शामिल देशों के शीर्ष नेतृत्व से यह उम्मीद की जाती है कि वे संयम और धीरज के साथ घटनाओं और परिस्थितियों पर परिपक्व टिप्पणी करें, ताकि तनाव को कम करने में मदद मिले और युद्ध को खत्म करने का कोई रास्ता निकले।

आप का नज़रिया

सिर्फ खिलाड़ियों की चूक या तंत्र की लापरवाही?

इसमें कोई दोराय नहीं कि अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पधाओं में भारतीय खिलाड़ियों ने अपने दमखम के बूते देश की प्रतिष्ठा को नया मुकाम दिया है। ऐसे कई खेल हैं, जिनमें अब तक सिर्फ अमेरिका, रूस, चीन आदि विकसित देशों की तूती बोलती रही है, लेकिन पिछले कुछ समय से भारत के खिलाड़ियों ने अपनी धमक से वर्चस्व की स्थिरता को तोड़ा है और अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज की है।

डोपिंग नियमों के उल्लंघन की वजह से निलंबित किए गए खिलाड़ियों की सूची में भारत अब कीनिया को पीछे छोड़ कर शीर्ष पर पहुंच गया है। भारत के ट्रैक एंड फील्ड के एक सौ अड़तालीस एथलीट और उनके सहयोगी कर्मचारी डोपिंग मामलों की वजह से निलंबित हैं। सवाल है कि राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतिस्पधाओं का आयोजन कराने वाला समूचा तंत्र और खेल प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों के कामकाज की वह कौन-सी शैली है कि डोपिंग नियमों का उल्लंघन करने वाले खिलाड़ियों के निलंबन के मामले में देश सबसे ऊपर पहुंच गया। करीब चार महीने पहले भी निगरानी संस्था वैश्विक डोपिंग-रोधी एजंसी ने अपने आकलन में वर्ष 2024 के आंकड़ों में भारत को लगातार तीसरे साल डोपिंग के मामलों में सबसे ऊपर पाया था। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में तमगा और उसके बाद नगद इनाम हासिल करने या फिर भविष्य में अपनी जगह सुनिश्चित करने की मंशा से कुछ खिलाड़ी प्रतिबंधित प्रदर्शन-वर्धक दवाएं लेने की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं।

विडंबना यह है कि क्रमशः मजबूत होती मौजूदगी के बरक्स ऐसे मामले भी तेजी से बढ़ते पाए जाने लगे हैं, जिनमें हमारे खिलाड़ियों ने किसी ऐसी दवा या मादक पदार्थ का सेवन किया, जो डोपिंग से संबंधित नियमों के खिलाफ है। यही वजह है कि डोपिंग मामलों की जांच करने वाली संस्थाओं की नजर में भारत के खिलाड़ी अब विशेष रूप से निगरानी के दायरे में हैं। गौरतलब है कि डोपिंग नियमों के उल्लंघन की वजह से निलंबित किए गए खिलाड़ियों की सूची में भारत अब कीनिया को पीछे छोड़ कर शीर्ष पर पहुंच गया है। भारत के ट्रैक एंड फील्ड के एक सौ अड़तालीस एथलीट और उनके सहयोगी कर्मचारी डोपिंग मामलों की वजह से निलंबित हैं। सवाल है कि राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतिस्पधाओं का आयोजन कराने वाला समूचा तंत्र और खेल प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों के कामकाज की वह कौन-सी शैली है कि डोपिंग नियमों का उल्लंघन करने वाले खिलाड़ियों के निलंबन के मामले में देश सबसे ऊपर पहुंच गया। करीब चार महीने पहले भी निगरानी संस्था वैश्विक डोपिंग-रोधी एजंसी ने अपने आकलन में वर्ष 2024 के आंकड़ों में भारत को लगातार तीसरे साल डोपिंग के मामलों में सबसे ऊपर पाया था।

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में तमगा और उसके बाद नगद इनाम हासिल करने या फिर भविष्य में अपनी जगह सुनिश्चित करने की मंशा से कुछ खिलाड़ी प्रतिबंधित प्रदर्शन-वर्धक दवाएं लेने की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं। मगर इससे उनकी सेहत और करिअर पर कितना और क्या विपरीत असर पड़ता है, इसके बारे में उन्हें शिक्षित और जागरूक किए जाने की जरूरत है। हैरानी की बात यह है कि बीते कई वर्षों से यह समस्या कायम रहने के बावजूद इसमें सुधार के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, जिससे डोपिंग के नियमों के उल्लंघन पर काबू पाया जा सके।

दृष्टि कोण

हम सच से नहीं उसके बाद आने वाली आजादी से डरते हैं

मनुष्य के जीवन में एक अजीब-सी विडंबना है। वह बार-बार कहता है कि उसे सच जानना है, वह स्पष्टता चाहता है, वह जीवन को सही रूप में समझना चाहता है। लेकिन जब सच उसके सामने आता है, तो वह उससे बचने लगता है। वह आंखें मूंद लेता है, विषय बदल देता है, या खुद को किसी और व्यस्तता में उलझा लेता है। सवाल यह है कि हम सच से क्यों भागते हैं? ध्यान से देखें तो हम सच से नहीं डरते। हम उस आजादी से डरते हैं जो सच हमें देने वाला होता है। सच हमेशा मुक्त करता है। वह आपको दिखाता है कि आप किस भ्रम में जी रहे हैं, किन झूठी धारणाओं को पकड़े हुए हैं, और किन संबंधों, भूमिकाओं या परिस्थितियों में केवल आदत के कारण बने हुए हैं। लेकिन जैसे ही यह स्पष्टता आती है, जीवन आपसे एक निर्णय मांगता है। और यहीं डर शुरू होता है। किसी को भीतर से पता होता है कि वह अपने काम में खुश नहीं है, लेकिन वह उसे छोड़ने का साहस नहीं जुटा पाता। किसी को यह स्पष्ट दिखता है कि एक रिश्ता अब केवल नाम का रह गया है, पर वह उसे निभाता रहता है। कोई जानता है कि वह अपनी असली क्षमता से कम जीवन जी रहा है, फिर भी वह उसी ढर्रे पर चलता रहता है। कारण यह नहीं कि उसे सच दिखाई नहीं देता। कारण यह है कि वह उस सच के बाद आने वाली

आजादी को संभालने के लिए तैयार नहीं है। आजादी का अर्थ केवल विकल्पों का खुलना नहीं होता। आजादी का अर्थ जिम्मेदारी भी है। जब आप सच देख लेते हैं, तब आप खुद को बहाना नहीं दे सकते। तब आपको अपने जीवन की दिशा खुद तय करनी होती है। और यही वह जगह है जहां अधिकतर लोग पीछे हट जाते हैं। झूठ में एक अजीब-सा आराम होता है। वह आपको एक निश्चित ढांचा देता है, भले ही वह असली न हो। उसमें आप बिना ज्यादा सोचे जी सकते हैं। लेकिन सच उस ढांचे को तोड़ देता है। वह आपको अस्थिर करता है, आपको प्रश्नों के बीच खड़ा कर देता है। और उस अस्थिरता को सहना हर किसी के बस की बात नहीं होती। पर यही अस्थिरता असली जीवन की शुरूआत भी है। जब आप सच को स्वीकार करते हैं, तो शुरूआत में सब कुछ बिखरता हुआ लगता है। पर धीरे-धीरे एक नई स्पष्टता जन्म लेती है। आप दूसरों की अपेक्षाओं से मुक्त होने लगते हैं। आप अपनी असली इच्छाओं को पहचानने लगते हैं। और सबसे जरूरी यह कि आप खुद के साथ ईमानदार होने लगते हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से भी यही बात लागू होती है। जब मनुष्य यह देखता है कि वह केवल शरीर और भूमिका नहीं है, बल्कि चेतना है, तब एक गहरी स्वतंत्रता का अनुभव होता है। लेकिन इस स्वतंत्रता के साथ एक अकेलापन भी आता है। क्योंकि तब वह भीड़ का हिस्सा नहीं रह जाता। वह अपनी राह पर चलने लगता है। सच हमें कमजोर नहीं बनाता। वह हमें निर्भरता से मुक्त करता है। वह हमें यह शक्ति देता है कि हम अपने जीवन को अपने ढंग से जी सकें। लेकिन इस शक्ति को धारण करने के लिए साहस चाहिए। शायद इसीलिए हम सच से नहीं, उसकी रोशनी से डरते हैं।

फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026, राउंड 9 : वैशाली ने दिव्या को हराकर संयुक्त बढ़त बनाई, सिंदारोव और प्रज्ञानानंद ड्रा पर रुके

नई दिल्ली, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

आर. वैशाली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हमवतन दिव्या देशमुख को हराकर फिडे कैंडिडेट्स 2026 के राउंड 9 के बाद शीर्ष स्थान पर संयुक्त बढ़त बना ली है। अब वह झू जिनर के साथ बराबरी पर हैं, जिन्होंने कातेरिना लाग्नो को मात दी।

वैशाली ने दिव्या की सेंटर में की गई एक गलती का पूरा फायदा उठाया। दिव्या के जैसे ओवरकमिटमेंट वाले मूव ने उनके पोजिशन को कमजोर कर दिया, जिससे सेंटर पर पकड़ ढीली पड़ गई और प्यादों में कमजोरी आ गई। इसके बाद जैसे मूव्स के जरिए वैशाली ने अपने क्वीन और रूक को सक्रिय किया और खुले फाइल्स व डायगोनल्स पर नियंत्रण बना लिया।

वैशाली ने सातवीं रैंक पर घुसपैठ कर दी, कमजोर प्यादों को निशाना बनाया और समय के दबाव में आई दिव्या को आखिरकार हार मानने पर मजबूर कर दिया।

दूसरी ओर, आर. प्रज्ञानानंद ने वेई यी के खिलाफ आक्रामक खेल दिखाया। एक शानदार चाल रही, जिससे ब्लैक की संरचना पर दबाव बना। इसके बाद उन्होंने डबल अटैक किया और कई कमजोरियों को निशाना बनाया।

हालांकि, निर्णायक बढ़त के लिए कोई ठोस प्यादा ब्रेक नहीं मिल सका और वेई यी ने मजबूत डिफेंस करते हुए मुकाबले को ड्रा पर समाप्त कराया।

इधर, टेबल टापर जावोखिर सिंदारोव को लगातार दूसरी बार ड्रा से संतोष करना पड़ा, जब उन्होंने माथियास ब्लूबाउम के खिलाफ जीत की स्थिति गंवा दी।

अन्य मुकाबलों में अनिश गिरि ने फैबियानो कारुआना को हराया, जबकि आंद्रेई एसिपेंको और हिकारू नाकामुरा के बीच मुकाबला ड्रा रहा।

महिला वर्ग में अन्ना म्यूजिचुक और तान झोंगयी के बीच बाजी बराबरी पर छूटी, जबकि अलेक्ज़ांद्रा गोरयाच्किना और बिबिसारा अस्साउबायेवा ने भी अंक साझा किए।

न्यूज ब्रीफ

नए एशियन गेम्स क्रिकेट स्टेडियम में टी20 वर्ल्ड कप क्वालीफायर की मेजबानी करेगा जापान

टोक्यो/नागोया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने घोषणा की है कि जापान में एशियन गेम्स के लिए बनाए गए नए क्रिकेट स्टेडियम में अगले महीने पहली बार पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले जाएंगे। बेसबाल के लिए प्रसिद्ध जापान इस साल एशियन गेम्स 2026 की मेजबानी कर रहा है, जो 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक नागोया और ऐची क्षेत्र में आयोजित होंगे। इसी के लिए तैयार किया गया नया क्रिकेट मैदान अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी शुरुआत करेगा। नागोया के पास निशिन में स्थित यह स्टेडियम 8 से 18 मई के बीच 2028 पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के ईस्ट एशिया-पैसिफिक क्वालीफायर मुकाबलों की मेजबानी करेगा। यह अब तक का सबसे बड़ा ईस्ट एशिया-पैसिफिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट होगा, जिसमें नौ टीमें भाग लेंगी। इस टूर्नामेंट के जरिए टीमें आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करेंगी। कुछ मुकाबले टोक्यो से करीब 100 किलोमीटर दूर सानो स्थित जापान क्रिकेट एसोसिएशन के मुख्यालय में भी खेले जाएंगे। जापान क्रिकेट एसोसिएशन के मुख्य संचालन अधिकारी एलन कर ने कहा कि यह जापान के लिए एक बड़ा अवसर है, जिससे वह बहु-स्थानों पर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित करने की अपनी क्षमता दिखा सकता है। उन्होंने भरोसा जताया कि यह आयोजन ईएपी क्षेत्र की सर्वश्रेष्ठ टीमों को मंच देने के साथ-साथ एशियन गेम्स से पहले क्रिकेट को लेकर उत्साह भी बढ़ाएगा। इस क्वालीफायर में मेजबान जापान के अलावा कुक आइलैंड्स, फिजी, इंडोनेशिया, पापुआ न्यू गिनी, फिलीपींस, दक्षिण कोरिया, समोआ और वनुआतु की टीमें हिस्सा लेंगी।

शमी की भारतीय टीम में वापसी होनी चाहिये : गांगुली

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का कहना है कि अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की टीम में वापसी होनी चाहिये। गांगुली के अनुसार शमी जैसे गेंदबाज की भारतीय टीम को जरुरत है। जसप्रीत बुमराह के साथ गेंदबाजी शुरु करने के लिए उनसे बेहतर कोई भी नहीं है। शमी ने आईपीएल के इस सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से काफी अच्छा प्रदर्शन किय है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 9 रन देकर 2 विकेट लिए थे। गांगुली ने कहा, हमने देखा कि उन्होंने सनराइजर्स के खिलाफ क्या शानदार ओवर किया। साथ ही कहा किक ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा जैसे आक्रामक बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना आसान नहीं है। इनके खिलाफ 4 ओवर में 9 रन देना उनके गेंदबाजी कौशल को दिखाता है। गांगुली ने कहा कि शमी ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने बताया कि रणजी ट्राफी में शमी ने लगातार बेहतरीन गेंदबाजी की है। उन्होंने सेमीफाइनल में 8 विकेट लिए थे।गांगुली का मानना है कि शमी पूरी तरह फिट हैं और लगातार खेलने से उनकी फार्म और बेहतर हुई है। उन्होंने कहा, जब कोई गेंदबाज लगातार गेंदबाजी करता है, तो वह अपनी बेस्ट फार्म में होता है। नेट्स से ज्यादा मैच अभ्यास मायने रखता है।गांगुली को उम्मीद है कि चयन समिति उनके ऊपर जरुर ध्यान देगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि शमी को भारत के लिए खेलना चाहिए।

अभी संन्यास नहीं लेंगे फखर

लाहौर। पाकिस्तान के अनुभवी सलामी बल्लेबाज बल्लेबाज फखर जमा ने खुलासा किया है कि टी20 विश्वकप के बाद वह खेल को अलविदा कहने वाले थे पर अब उन्होंने अपना फैसला बदल दिया है। फखर का कहना है कि वह करियर को उस समय छोड़ना चाहते हैं जबकि उसके शीर्ष पर हों। फखर अभी पाक सुपर लीग (पीएसएल) में खेल रहे हैं। इसमें भी वह गेंद से छेड़छाड़ को लेकर विवादों में हैं। टी20 विश्वकप में उन्हें अधिक अवसर नहीं मिले थे। उन्हें पूरे ग्रुप स्तर पर बाहर ही बैठना पड़ा था सुपर-8 मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने एक ही बार 16 गेंदों में 25 रन बनाये थे। फखर को श्रीलंका के खिलाफ एक मैच में पारी की शुरुआत का अवसर मिला था। इसमें उन्होंने 42 गेंदों में 84 रन बनाये थे। लाहौर कलंदर्स से खेल रहे फखर पर पीएसएल में गेंद से छेड़छाड़ के मामले को लेकर दो मैचों का प्रतिबंध लगाया गया है।

केकेआर के जबड़े से छीना मैच, आखिरी गेंद में जीती लखनऊ सुपर जायंट्स

पहला झटका सिर्फ 15 रनों के स्कोर पर लगा। फिन एलन 8 गेंदों पर 9 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान रहाणे और अंगकृष रघुवंशी ने मोर्चा संभाला। दोनों ने 52 गेंदों में 84 रनों की अहम साझेदारी निभाई। रहाणे अपना अर्धशतक पूरा नहीं कर सके और 24 गेंदों में 41 रन बनाकर आउट हुए। 33 गेंदों में 45 रन बनाने के बाद अंगकृष मणिमरण सिद्धार्थ की गेंद पर एडेन मार्करम को कैच देकर पवेलियन लौटे।

कोलकाता: लखनऊ सुपर जायंट्स ने आईपीएल 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हार के मुंह से जीत हासिल कर ली। ऋषभ पंत की टीम को 3 विकेट से जीत मिली। 182 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ ने 128 रन पर 7 विकेट खो दिए थे। क्रीज पर लीग में अपना तीसरा ही मैच खेल रहे मुकुल चौधरी और आवेश खान थे। आखिरी गेंद पर मुकुल ने लखनऊ को जीत दिला दी। उन्होंने 27 गेंदों पर 54 रनों की पारी खेली। इस पारी में 2 चौके और 7 छक्के शामिल थे। पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेआर ने 4 विकेट खोकर 181 रन बनाए।आखिरी गेंद पर लखनऊ को जीत के लिए एक रन चाहिए था। वैभव अरोड़ा की गेंद को मुकुल मिस कर गए। इसके बाद भी दोनों बल्लेबाज रन के लिए भागे। अंगकृष रघुवंशी डायरेक्ट हिट नहीं मार पाए और एक रन लेकर लखनऊ ने मैच जीत लिया। मुकुल चौधरी और आवेश खान के बीच 8वें विकेट के लिए 54 रनों की साझेदारी हुई। इसमें मुकुल ने 52 रनों का योगदान दिया। एक रन आवेश ने बनाए और एक रन बाई से आया।केकेआर के लिए एक भी फिफ्टी नहीं बनी

ऋषभ पंत ने टॉस जीतकर पहले केकेआर को बल्लेबाजी करने का न्योता दिया। केकेआर को

नंबर पांच पर बल्लेबाजी करने उतरे रिंकू सिंह बल्ले से छाप छोड़ने में नाकाम रहे और वह 4 रन बनाकर आवेश खान की बेहतरीन गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए। 12 रनों के भीतर 3 विकेट गंवाने के बाद केकेआर की लड़खड़ाती हुई पारी को कैमरून ग्रीन और रोवमैन पॉवेल ने संभाला। दोनों ने मिलकर पांचवें विकेट के लिए 40 गेंदों में 70 रनों की अटूट साझेदारी निभाई। पॉवेल 24 गेंदों में 39 रन बनाकर नाबाद रहे तो ग्रीन 24 गेंदों में 32 रन बनाकर नाबाद रहे। प्रिंस यादव, सिद्धार्थ, दिग्वेश और आवेश ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

अब अफ्रीकी टीमों के लिए कान्टिनेंटल टी20 कप शुरु करेगी एसीए

जोहांसबर्ग, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

अब आने वाले समय में दक्षिण अफ्रीका में भी एशिया कप की तरह ही अफ्रीकी टीम के बीच एक टी20 टूर्नामेंट खेला जा सकता है। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने कहा है कि उसका लक्ष्य कान्टिनेंटल टी20 कप शुरू करना है जिससे की अफ्रीकी देशों में क्रिकेट को बढ़ावा मिल सके। इससे मिलने वाली राशि से अफ्रीकी देशों में क्रिकेट ढ़ाचा बेहतर बनाया जाएगा। अगले साल के अंत तक इस टूर्नामेंट के शुरु होने की उम्मीदें हैं। इस टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया सहित कुछ और देश भी खेल सकते हैं। पिछले साल से अफ्रीकी क्रिकेट संघ फिर सक्रिय हुआ है। जिम्बाब्वे क्रिकेट के चेयरमैन तवेंग्वा मुकुहलानी को इस संघ का प्रमुख बनाया गयाह है। यह संघ अभी उन प्रस्तावों पर ध्यान दे रहा है जिससे उसे अच्छा आर्थिक लाभ हो सकता है। ऐसे में साल 2027 से पहले इस टी20 टूर्नामेंट के शुरु होने की संभावना नहीं है।अभी इस टूर्नामेंट के लिए एक आइडियल विंडो के साथ ही क्वालिफिकेशन प्रक्रिया पर बात चल रही है। इसमें सबसे अहम भूमिका दक्षिण अफ्रीका की होगी। सीएसए इसमें अपनी भूमिका निभाने तैयार है पर लेकिन उसे अपने कैलेंडर में जगह चाहिए, ताकि यह तय हो सके कि वह किसी भी प्रस्तावित टूर्नामेंट में अपनी पहली पसंद की टीम भेज सकता है या नहीं हालांकि, दक्षिण अफ्रीका अभी सर्दियों में पांच महीने के ब्रेक पर है, लेकिन वे सितंबर में फिर से खेलना शुरू करेंगे और फरवरी 2027 तक लगातार खेलेंगे। आईसीसी अगले साल नवंबर से पहले नए भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) के जारी होने की उम्मीद है।इससे पता चलेगा कि अगले पांच साल दक्षिण अफ्रीका टीम का कार्यक्रम कैसा रहने वाला है। उसी के बाद अफ्रीकी टी20 टूर्नामेंट को लेकर फैसला होगा।

मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट

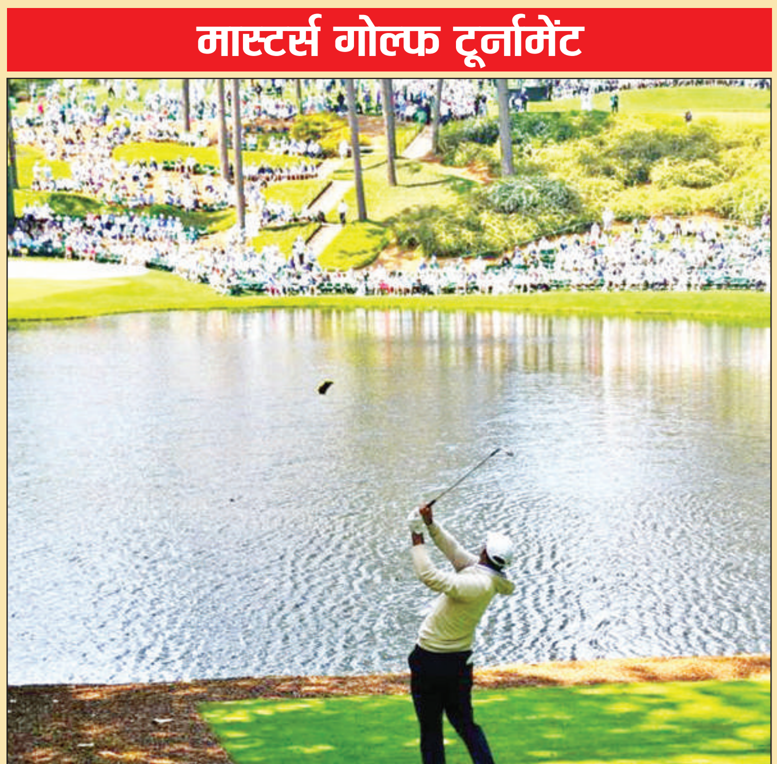

अगस्ता में मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट में खेलते हुए अमेरिका के स्कोटी स्चेफर।

इंग्लैंड को एशेज जिताने वाले होगार्ड आज कुत्तों की देखभाल कर घर चला रहे

लंदन, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

क्रिकेट में जहां काफी पैसा है और खिलाड़ी वैभवशाली जीवनशैली जीते हैं पर हर किसी के मामले में ये लागू नहीं होता। इसी कारण क्रिकेट से संन्यास के बाद कई खिलाड़ी मुश्किल हालातों में संघर्ष करते देखे गये हैं। यही कुछ इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू होगार्ड के साथ हुआ है। होगार्ड एक समय इंग्लैंड के प्रमुख गेंदबाज थे। साल 2005 में उन्होंने इंग्लैंड को एशेज में जीत दिलायी थी। वहीं क्रिकेटर आज कुत्तों की देखभाल कर अपना जीवन गुजार रहे हैं।

2000 से 2008 तक इंग्लैंड की गेंदबाज़ी का आधार रहे होगार्ड को संन्यास के बाद वह जगह नहीं मिली जो मिलनी चाहिये थी। इसी कारण उनके आर्थिक हालात खराब होते गये और अंत में उन्हें अपनी पत्नी के साथ कुत्तों की देखभाल का काम करना पड़ रहा है जबकि अपनी करियर के दिनों में होगार्ड का समाना करने से विश्व के दिग्गज बल्लेबाज डरते थे। उनके नाम 67 टेस्ट मैचों में 248 विकेट हैं। होगार्ड गेंद को दोनों तरफ घुमाते थे। साल 2005 एशेज सीरीज में होगार्ड ने 24 विकेट लेकर आस्ट्रेलिया को धवस्त कर दिया था। उकनी स्विंग के सामने रिकी पोंटिंग और मैथ्यू हेडन जैसे दिग्गज वहीं सला 2008 के आसपास होगार्ड का प्रदर्शन नीचे आया जिसके बाद उनकी काउंटी टीम यार्कशायर ने भी उन्हें बाहर कर दिया। क्रिकेट से संन्यास के बाद आर्थिक संकट बढ़ने लगे। ऐसे में उन्हें अपना घर चलाने के लिए एक नया रास्ता चुनना पड़ा। होगार्ड ने हागर्स डाग ग्रूमिंग नाम से एक बिजनेस शुरू किया. आज वे कुत्तों को नहलाते हैं, उनके बाल काटते हैं और उन्हें संवारते हैं। सुनने में यह किसी के लिए भी चौंकाने वाला हो सकता है कि जिस हाथ ने कभी एशेज की चमचमाती ट्राफी थामी थी, वो आज जानवरों की सेवा कर रहे हैं।

अपनी विविधता भरी गेंदबाजी से तेज गेंदबाज वैशाख ने बनायी अलग पहचान

नई दिल्ली, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

आईपीएल के इस सत्र में पंजाब किंग्स के युवा तेज गेंदबाज विजयकुमार वैशाख ने अपनी शानदार गेंदबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। वैशाख की खासियत ये है कि उनकी गेंदों में काफी विविधता है और रफ्तार भी 140 से 145 किलोमीटर/प्रतिघंटा की है। जिसका सामना करना बल्लेबाजों के लिए काफी कठिन हो रहा है।वैशाख अपना चौथा आईपीएल सीजन खेल रहे हैं। उन्होंने अब तक 19 मुकाबलों में 29.45 की औसत के साथ 22 विकेट लिए हैं। इससे पहले वैशाख ने साल 2023 आईपीएल सत्र में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए 7 मुकाबलों में 9 विकेट लिए थे। विजयकुमार ने साल 2024 सत्र में 4 मुकाबलों में 4 विकेट लिए ले। वहीं आईपीएल के पिछले सत्र में पंजाब किंग्स ने उन्हें खरीदा था पर वह फिट नहीं होने के कारण काफी कम मुकाबले खेल पाये थे। तब वैशाख ने 5 खेलते हुए 4 विकेट लिए थे।

वहीं इस सत्र में इस गेंदबाज ने अब तक काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट लिए है। वैशाख ने गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ पहले मैच में 34 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं दसरे मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ 38 रन देकर 2 विकेट लिए। इस सत्र में उनके गेंदबाजी कौशल को काफी सुधार आया है। उनकी वाइड यार्कर और स्लो बाउंसर का जवाब बल्लेबाजों के पास नहीं हैं। वह गेंद की गति को अचानक कम करते हुए बल्लेबाजों को हैरान कर रहे हैं। घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उनके नाम फर्स्ट क्लास करियर के 31 मुकाबलों में 25.14 की औसत के साथ 116 विकेट हैं। ।वहीं, लिस्ट-ए करियर के 29 मुकाबलों में विजयकुमार ने 40 विकेट निकाले हैं। 52 टी20 मुकाबलों में यह गेंदबाज 66 विकेट अपने नाम कर चुका है।इस गेंदबाज ने अपनी सफलता का श्रेय कर्नाटक के घरेलू क्रिकेट और अपने कोच को दिया है। उनका मानना है कि घरेलू क्रिकेट में खेलते समय अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के खिलाफ गेंदबाजी से उनका मनोबल बढ़ा है।

आकाश चोपड़ा ने बताया पंजाब किंग्स की जीत का कारण

मुंबई। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि कप्तान श्रेयस अय्यर और कोच रिकी पोंटिंग के बेहतर प्रबंधन और बल्लेबाजी कौशल के कारण ही पंजाब किंग्स टीम आईपीएल में मजबूती से उभरी है और इसी कारण किसी भी टीम के लिए उसे हराना काफी कठिन होगा। चोपड़ा के अनुसार पंजाब की बल्लेबाजी काफी मजबूत है। इसमें अधिकत युवा खिलाड़ी हैं। पिछले सत्र में भी टीम का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था हालांकि उसे खिताबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं इस बार उसने शुरुआती दो मैचों को जीतकर अच्छी शुरुआत की है। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि पंजाब किंग्स इस सत्र में एक मजबूत दावेदार है। इसका कारण है कि टीम की बल्लेबाजी उस प्रकार की है जैसी राष्ट्रीय टीम की है। उन्होंने कहा, पंजाब किंग्स निश्चित रूप से उन टीमों में से एक है जिन्हें हराना कठिन है। जो चीज उन्हें दूसरों से अलग बनाती है, वह है उनका बल्लेबाजी कौशन। वे ज्यादातर उन युवा भारतीय खिलाड़ियों पर आधारित हैं जिनका अंतरराष्ट्रीय अनुभव सीमित है और जिन्हें विदेशी खिलाड़ियों का साथ मिलता है। इसके बाद भी टीम अच्छा कर रही है। वहीं युवा खिलाड़ी प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य ने टीम की ओर से पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया था और करीब 549 और 475 रन बनाए थे। वहीं कप्तान श्रेयस अय्यर ने पिछले सीजन में 604 रन बनाये थे। आकाश चोपड़ा ने आगे कहा कि भले ही पंजाब किंग्स की गेंदबाज सामान्य है पर उसके गेंदबाज आनी भूमिका ठीक से निभाते हैं। उन्होंने कहा, उनकी गेंदबाजी कोई बहुत खास गेंदबाज नहीं है पर वह प्रभावी है।

पहली बार कर्ज लेने वाली महिलाओं की संख्या घटी, पुराने ग्राहकों पर बढ़ा फोकस

नई दिल्ली, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

नीति आयोग के महिला उद्यमिता मंच और ट्रांसयूनियन सीआईबीआईएल की हालिया रिपोर्ट में सामने आया है कि देश में पहली बार कर्ज लेने वाली महिलाओं की संख्या घट रही है, जबकि कुल मिलाकर महिलाओं को दिए जा रहे ऋण में वृद्धि हो रही है।

कुल ऋण वितरण बढ़ने के बावजूद नई महिला कर्जदारों की हिस्सेदारी में लगातार गिरावट

हाल के वर्षों में पहली बार ऋण लेने वाली महिलाओं की हिस्सेदारी में गिरावट दर्ज की गई है, जबकि कुल ऋण वितरण में वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त देयता समूह (जेएलजी) के माध्यम से सूक्ष्म ऋण लेने वाली नई महिला कर्जदारों की हिस्सेदारी 2022 और 2023 में 28 प्रतिशत थी, जो 2024 में घटकर 27 प्रतिशत और 2025 में और गिरकर 24 प्रतिशत रह गई। इसके विपरीत, पहले से कर्ज ले चुकी महिलाओं की हिस्सेदारी इसी अवधि में 72 प्रतिशत से बढ़कर 76 प्रतिशत हो गई है। रिपोर्ट बताती है कि कुल ऋणों में नई महिला कर्जदारों की घटती हिस्सेदारी का मुख्य कारण कर्जदाताओं का अपने मौजूदा ग्राहकों पर अधिक ध्यान देना और नियमों का सख्त होना है। बार-बार कर्ज लेने वाले ग्राहकों को प्राथमिकता देने से कर्जदाताओं को अपने पोर्टफोलियो की गुणवत्ता बनाए रखने में मदद मिलती है। हालांकि, इस प्रवृत्ति का एक नकारात्मक पहलू भी है। इससे सूक्ष्म वित्त क्षेत्र का विस्तार सीमित हो सकता है, क्योंकि नए ग्राहकों तक पहुंच कम हो रही है। पिछले 18 महीनों में सूक्ष्म वित्त क्षेत्र को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जिनमें कर्जदारों पर बढ़ता ऋण बोझ और गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों में वृद्धि शामिल है। इन कारणों से कर्ज वितरण की गति में भी कमी देखी गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि यह रुझान जारी रहता है, तो वित्तीय समावेशन के प्रयासों पर असर पड़ सकता है, खासकर उन महिलाओं के लिए जो पहली बार औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जुड़ना चाहती हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

मुंबई में 'डाई व सांचा इंडिया 2026' प्रदर्शनी 21 से, अत्याधुनिक तकनीकों का होगा प्रदर्शन

मुंबई, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

टीएजीएमए इंडिया द्वारा आयोजित 'डाई व सांचा इंडिया प्रदर्शनी 2026' का आयोजन 21 से 24 अप्रैल के बीच बॉम्बे प्रदर्शनी केंद्र में किया जाएगा। यह प्रदर्शनी डाई एवं सांचा उद्योग की नवीनतम तकनीकों और नवाचारों का प्रमुख मंच मानी जाती है।प्रदर्शनी में कंप्यूटर नियंत्रित मशीनिंग, विद्युत निर्वहन प्रणाली, सीएडी/सीएएम, 3डी प्रिंटिंग, ताप उपचार समाधान सहित आधुनिक विनिर्माण तकनीकों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञ भाग लेंगे।आयोजकों के अनुसार, यह आयोजन उद्योग के लिए ज्ञान आदान-प्रदान, वैश्विक सहयोग और व्यापार विस्तार के नए अवसर प्रदान करेगा। पिछले संस्करण में 38 हजार से अधिक आगंतुकों की भागीदारी रही थी, जिससे इसकी बढ़ती लोकप्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

भारत के ईवी बाजार में विदेशी कंपनियों की तेज रफ्तार, टेस्ला इंक पीछे

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2026 में भारत का इलेक्ट्रिक यात्री वाहन बाजार तेज रफ्तार से बढ़ते हुए 1,99,923 वाहनों तक पहुंच गया। हालांकि इस उछाल का सबसे ज्यादा फायदा नई विदेशी कंपनियों को मिला, जबकि वैश्विक दिग्गज टेस्ला अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन करता नजर आया। भारत का इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार वित्त वर्ष 2026 में 4.2 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ 1,99,923 यूनिट तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 83.6 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्शाता है। इस तेजी से बढ़ते बाजार में नई विदेशी कंपनियों ने तेजी से अपनी जगह बनाई है। टेस्ला इंक ने जुलाई 2025 में भारत में प्रवेश किया और सितंबर से डिलिवरी शुरू की। इसके बावजूद कंपनी पूरे वित्त वर्ष में केवल 342 वाहनों की बिक्री कर सकी, जो कुल बाजार का महज 0.17 प्रतिशत है। इसके उलट विनफेस्ट ने बाजार में आने के महज एक साल के भीतर 2,390 वाहनों की डिलिवरी कर दी। यह टेस्ला की तुलना में लगभग सात गुना ज्यादा है और कंपनी को 1.2 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी दिलाता है। वहीं बीवायडी ने 5,361 वाहनों की बिक्री के साथ अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई, जो पिछले साल से 54 प्रतिशत अधिक है। यह टेस्ला की बिक्री का लगभग 15 गुना है। हालांकि, बीवाईडी को भी चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसमें पूरी तरह से निर्मित इकाइयों पर 100-110 प्रतिशत आयात शुल्क और भू-राजनीतिक तनाव शामिल हैं। इसके बावजूद कंपनी ने एट्टो 3 और ईमैक्स 7 जैसे 25-35 लाख रुपये की रेंज वाले माडलों से बाजार में पकड़ मजबूत की।

सीजफायर विफल होने की आशंका से कच्चे तेल में उबाल, डब्ल्यूटीआई क्रूड 3.5 प्रतिशत से अधिक उछला

नई दिल्ली, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

पश्चिम एशिया में सीजफायर को लेकर बनी असमंजस की स्थिति के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड आयल (कच्चे तेल) के भाव में एक बार फिर तेजी का रुख बन गया है। ब्रेंट क्रूड 2.50 प्रतिशत से अधिक उछल गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने भी 3.50 प्रतिशत से अधिक की छलांग लगाई। पश्चिम एशिया में सीजफायर का ऐलान होने के कुछ घंटे बाद ही अमेरिका ने ईरान की शर्तों को बेतुका और बचकाना बता दिया। दूसरी ओर, इजरायल ने बुधवार को लेबनान पर जोरदार हमला किया, जिससे करीब 250 लोगों की मौत हो जाने की खबर आई। अमेरिका के तीखे बयान और इजरायल के हमले से भड़के ईरान ने एक बार फिर हार्मुज स्ट्रेट को बंद करने की धमकी दे दी। ईरान की ओर से कहा गया है कि सीजफायर की शर्तों का उल्लंघन हुआ है। ऐसी स्थिति में अगर हार्मुज स्ट्रेट से होकर कोई जहाज गुजरा, तो उसे उड़ा दिया जाएगा। ईरान की चेतावनी के बाद से ही हार्मुज स्ट्रेट एक बार फिर ठप हो गया है, जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में तेजी आ गई है।

ब्रेंट क्रूड ने 2.22 डालर प्रति बैरल की तेजी के साथ 96.97 डालर प्रति बैरल के स्तर से के कारोबार की शुरुआत की। थोड़ी देर में ही इसकी कीमत 97.89 डालर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गई। भारतीय समय के मुताबिक सुबह 10:30 बजे ब्रेंट क्रूड 2.53 डालर प्रति बैरल यानी 2.67 प्रतिशत उछल कर 97.28 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई क्रूड ने 2.49 डालर प्रति बैरल की तेजी के साथ 96.90 डालर प्रति बैरल के स्तर से के कारोबार की शुरुआत की। थोड़ी देर में ही इसकी कीमत 98.38 डालर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गई। भारतीय समय के मुताबिक सुबह 10:30 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 3.31 डालर प्रति बैरल यानी 3.51 प्रतिशत उछल कर 97.72 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है की सीजफायर का ऐलान होने के बावजूद बुधवार को ज्यादातर समय हार्मुज स्ट्रेट ब्लाक पड़ा हुआ था। सीजफायर की घोषणा होने के कुछ घंटे बाद ही अमेरिका के तीखे बयान और ईरान के जवाबी बयान की वजह से सीजफायर के भविष्य को लेकर ऊहापोह की स्थिति बन गई। इसके साथ ही इजरायल ने लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमला कर हालात को और बिगाड़ दिया ईरान की ओर से सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात और इजरायल समेत खाड़ी के कई देशों में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल हमले होने की खबर भी आई। इसकी वजह से दो सप्ताह तक पश्चिम एशिया में सीजफायर जारी रहने की बात को लेकर आशंका बन गई है।

फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनिल भंसाली का कहना है कि सीजफायर अगर विफल हुआ, तो पश्चिम एशिया में हालत काफी हद तक बिगड़ सकते हैं। अमेरिका पहले ही ईरान पर जोरदार हमला करने की चेतावनी दे चुका है। दूसरी ओर, ईरान भी लगातार अमेरिका को जोरदार जवाब देने की धमकी देता रहा है। इन दोनों पक्षों की खेमेबंदी की वजह से दुनिया भर में क्रूड आयल और नेचुरल गैस की सप्लाई पर असर पड़ने लगा है।

हार्मुज स्ट्रेट ठप होने के कारण क्रूड आयल और नेचुरल गैस की 20 से 30 प्रतिशत आपूर्ति पूरी तरह से रुक गई है। इसके साथ ही खाड़ी देशों पर ईरान के हमले की वजह से क्रूड आयल और नेचुरल गैस के उत्पादन पर भी प्रतिकूल असर पड़ा है। ऐसे में सीजफायर विफल हो जाने की आशंका ने एक बार फिर दुनिया भर में एनर्जी क्राइसिस का डर बना दिया है। यही कारण है कि कच्चे तेल की कीमत में उछाल का रुख नजर आ रहा है।

टीवीएस अपाचे आरटीआर 160 4वी वीएस हीरो एक्ट्रीम 160 4वी में है कई खूबियां

नई दिल्ली, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

युवाओं के बीच टीवीएस अपाचे आरटीआर 160 4वी और हीरो एक्ट्रीम 160 4वी दो बेहद लोकप्रिय स्पोर्टी बाइक्स हैं। दोनों ही माडल परफार्मेंस, स्टाइल और फीचर्स के मामले में मजबूत दावेदार हैं, लेकिन उनकी खूबियां अलग-अलग राइडर्स की जरूरतों के अनुसार बेहतर साबित होती हैं।

कीमत की बात करें तो टीवीएस अपाचे आरटीआर 160 4वी की एक्स-शोरूम कीमत करीब 1.25 लाख रुपये से शुरू होकर 1.37 लाख रुपये तक जाती है।

वहीं हीरो एक्ट्रीम 160 4वी की कीमत 1.30 लाख से 1.34 लाख रुपये के बीच है। दोनों की आन-रोड कीमत लगभग 1.45 से 1.55 लाख रुपये के आसपास रहती है। डिजाइन के मामले में अपाचे ज्यादा एग्रेसिव और रेस-इंस्पायर्ड लुक के साथ आती है, जिसमें शार्प लाइन्स और मस्कुलर टैंक देखने को मिलता है। वहीं एक्सट्रीम 160 4वी का डिजाइन ज्यादा स्लीक और स्ट्रीट-फ्रेंडली है, जो डेली यूज के लिए आकर्षक लगता है।

फीचर्स में टीवीएस आगे नजर आती है, जिसमें तीन राइड मोड्स, स्मार्टएक्सोनेक्ट कनेक्टिविटी, स्लिपर क्लच और ट्रैक्शन कंट्रोल जैसे एडवांस फीचर्स मिलते हैं। दूसरी ओर हीरो एक्सट्रीम 160 4वी क्रूज कंट्रोल, राइड-बाय-वायर और बेहतर रिफाइनमेंट के साथ कम्फर्टेबल राइड का अनुभव देती है। इंजन और परफार्मेंस की बात करें तो अपाचे में 159.7सीसी इंजन मिलता है, जो ज्यादा पावरफुल और रेस्पान्सिव है। वहीं हीरो में 163.2सीसी इंजन है, जो स्मूद राइड और बेहतर माइलेज पर फोकस करता है।

घरेलू दवा बाजार में वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में तेजी रही

नई दिल्ली। भारत का घरेलू फार्मास्यूटिकल बाजार वित्त वर्ष 2026 की मार्च तिमाही में मजबूती के साथ बंद हुआ। बाजार अनुसंधान कंपनी फार्मारैक के अनुसार, चौथी तिमाही में लगभग 10.5 प्रतिशत की कुल वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछली पांच तिमाहियों में सबसे ऊंची है। वृद्धि में मुख्य योगदान कीमतों की बढ़ोतरी (5.4-5.5 फीसदी) का रहा, जबकि वास्तविक खपत में सुधार सीमित रहा, लगभग 1.7 फीसदी। मासिक डेटा में स्थिरता दिखी- जनवरी में 10.2, फरवरी में 11 (शीर्ष) और मार्च में 10.1 फीसदी। इस स्थिरता से पता चलता है कि सभी चिकित्सा क्षेत्रों में मांग मजबूत रही। विशेष रूप से पुरानी बीमारियों और स्पेशियलिटी दवाओं का योगदान लगातार वृद्धि में अहम रहा। यह संकेत है कि बाजार न केवल कीमतों पर निर्भर है, बल्कि धीरे-धीरे वास्तविक खपत में सुधार भी आ रहा है। विश्लेषक मानते हैं कि अगर आने वाली तिमाहियों में वाल्यूम ग्रोथ और बढ़ती है, तो यह स्वस्थ और टिकाऊ विकास का संकेत देगा।

सर्राफा बाजार में उछली चांदी, वायदा बाजार के भाव में आई गिरावट

नई दिल्ली, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में हाजिर चांदी की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ है। दूसरी ओर, वायदा बाजार (फ्यूचर ट्रेडिंग) में चांदी में गिरावट नजर आ रही है। सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान हाजिर चांदी ने बुधवार के शुरुआती कारोबार की तुलना में 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक की छलांग लगाई है। इस तेजी के कारण देश के अलग अलग सर्राफा बाजारों में चांदी 4,09,800 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 4,25,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है।

दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी कल के शुरुआती कारोबार की तुलना में 10,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गई। इस उछाल के कारण ये चमकीली धातु 2,60,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में चांदी 2,59,900 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 2,60,200 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है।

वहीं बेंगलुरु में चांदी 2,60,400 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 2,60,000 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसके अलावा हैदराबाद में चांदी 2,65,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत भी चेन्नई में है, जहां ये चमकीली धातु 2,65,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है।

सर्राफा बाजार के विपरीत वायदा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोना और चांदी के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मई फ्यूचर वाले सोने ने 0.49 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,51,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार की शुरुआत की। इसी तरह जून डिलीवरी वाली चांदी 1.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,36,104 रुपये प्रति किलोग्राम के साथ स्तर पर आ गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना और चांदी में कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। कामेक्स पर सोना करीब 0.49 प्रतिशत गिरकर 4,753 डालर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा था, जबकि चांदी करीब 1.68 प्रतिशत गिर कर 74.12 डालर प्रति औंस पर पहुंच गई।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

असम 85%...

सिन्हा का सीधा मुकाबला असम के मंत्री और भाजपा उम्मीदवार कृष्णेंदु पॉल से है। असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने गुवाहाटी में मां कामाख्या मंदिर में पूजा की। इसके बाद पत्नी के साथ जालुकबाड़ी में वोट डाला। असम में 126 सीटों पर 41 पार्टियों के 722 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं।

केरल में पूर्व रक्षा मंत्री और कांग्रेस लीडर एके एंटनी ने तिरुवनंतपुरम में वोट डाला। केरल में 2.71 करोड़ वोटर 890 उम्मीदवारों में से अपना नेता चुनेंगे। यहां 140 सीटें हैं। केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने कन्नूर में आरसी अमला बेसिक अपर प्राइमरी स्कूल में वोट डाला। केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद सुरेश गोपी ने त्रिशूर में मतदान किया। केरल के कन्नूर में वोटिंग खत्म होने के समय शाम 6 बजे के बाद भी कई बूथ पर वोटर्स की लंबी लाइन लगी दिखाई दी।

पुडुचेरी में मन्नादिपेट में पोलिंग बूथ पर कांग्रेस और भाजपा समर्थकों में झड़प हो गई। पुलिस ने भीड़ पर लाठीचार्ज किया। पुडुचेरी के सीएम रंगास्वामी वोट डालने के लिए पोलिंग बूथ तक बाइक से पहुंचे। पुडुचेरी में 30 सीटों के लिए वोटिंग हुई। पुडुचेरी में रोबोट ने पोलिंग बूथ पर आए वोटर्स का स्वागत किया।

कर्नाटक की दो विधानसभा सीटों पर गुरुवार को हुए उपचुनावों में शाम 5 बजे तक 60 प्रतिशत से अधिक वोटिंग हुई। बागलकोट में 65.68 फीसदी जबकि दावनगेरे दक्षिण में 63.04 फीसदी वोटिंग हुई। त्रिपुरा के धर्मनगर उपचुनाव में शाम 5 बजे तक 79.84 फीसदी वोटिंग हुई।

मछली पर...

हुए ममता ने ये आरोप भी दोहराया कि भाजपा शासित राज्यों में लोगों को मांसाहारी भोजन खाने की अनुमति नहीं है। टीएमसी सुप्रीमो ने कहा कि मैंने सुना है कि आज उन्होंने (प्रधानमंत्री ने) कहा कि बंगाल में मछली का उत्पादन नहीं हो रहा है, जबकि बिहार में अधिक उत्पादन हो रहा है और निर्यात भी हो रहा है। लेकिन आप बिहार में लोगों को मछली खाने की अनुमति नहीं देते। यहां हम बाजारों से मछली खरीदते हैं और खाते हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि बंगाल पहले आंध्र प्रदेश से मछली मंगाता था, लेकिन अब यह बंद हो गया है। प्रधानमंत्री को इस पर गौर करना चाहिए। ममता बनर्जी ने कहा कि आप वही बोल रहे हैं जो आपकी पार्टी के लोग आपके कानों में फुसफुसा रहे हैं। आप राजस्थान, बिहार और उत्तर प्रदेश में लोगों को मछली, अंडे और मांस खाने नहीं दे रहे हैं। ऐसी चीजों की दुकानें बंद की जा रही हैं।

न बांग्ला बोल पाएंगे, न मछली खा पाएंगे

न बांग्ला बोल पाएंगे, न मछली खा पाएंगे पिछले महीने भी ममता बनर्जी ने आरोप लगाया था कि बीजेपी बंगाल के लोगों के मछली खाने पर रोक लगा देगी। बीरभूम में रैली को संबोधित करते हुए ममता ने कहा था कि ये लोग (बीजेपी) आपको मछली नहीं खाने देंगे। आप अंडा, मीट कुछ नहीं खा पाएंगे और न ही बांग्ला बोल पाएंगे। अगर आपने ऐसा किया तो ये आपको बांग्लादेशी घोषित कर देंगे। बीजेपी का मछली प्रचार ममता और उनकी पार्टी के मछली दांव की काट के तौर पर विधाननगर से बीजेपी के उम्मीदवार डॉ. शारद्वत मुखर्जी ने प्रचार का अनोखा तरीका अपनाया। वह 5 किलो की कतला मछली लेकर प्रचार करते नजर आए। ममता के आरोपों के जवाब में बीजेपी यह संदेश देने में जुट गई है कि वह बंगाली पहचान और लोगों के मछली प्रेम के खिलाफ नहीं है। इसी कड़ी में गुरुवार को पीएम मोदी ने मछली का मुद्दा उठाया।

ब'खेडा तेलंगाना...

खेड़ा ने दावा किया कि उनके पास एक से अधिक पासपोर्ट और विदेशों में संपत्ति है, जिसका जिक्र चुनावी हलफनामे में नहीं किया गया। इन आरोपों को सरमा परिवार ने सिरे से खारिज करते हुए उन्हें झूठा, मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण बताया। इसके बाद रिनिकी भुइयां सरमा की शिकायत पर गुवाहाटी क्राइम ब्रांच में खेड़ा के खिलाफ कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

खेड़ा बोले- पुलिस से नहीं डरते

मामला दर्ज होने के बाद असम पुलिस की एक टीम दिल्ली स्थित खेड़ा के आवास पर पूछताछ के लिए पहुंची थी, लेकिन वह वहां मौजूद नहीं थे। पुलिस ने घर की तलाशी ली और कुछ आपत्तिजनक सामग्री मिलने का दावा किया। इसी बीच, मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने भी कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि बिना जांच किए आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस खेड़ा को पाताल से भी ढूंढ निकालेगी। वहीं, पवन खेड़ा ने एक वीडियो संदेश जारी कर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने सिर्फ सवाल पूछे थे और सरकार जवाब देने के बजाय पुलिस का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि वह पुलिस से डरते नहीं हैं।

अपनी अग्रिम जमानत याचिका में खेड़ा ने कोर्ट से कहा है कि वह कानून का पालन करने वाले नागरिक हैं, उनका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है और वह जांच में पूरा सहयोग करेंगे। उन्होंने अदालत से अपील की है कि गिरफ्तारी से पहले उन्हें जमानत दी जाए।

मौसम का मिजाज...

आंधी और बिजली गिरने की संभावना जताई गई है।

पश्चिम भारत के महाराष्ट्र और गोवा में कुछ स्थानों पर तेज बारिश हो सकती है। वहीं पश्चिम बंगाल, सिक्किम, छत्तीसगढ़ और विदर्भ क्षेत्र में भी बारिश और तेज हवाओं का असर देखने को मिल सकता है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 10 अप्रैल, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की सेंट्रल जोन की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 09 अप्रल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के मंत्री विकास केशान ने बताया कि बॉम्बे मसाला होटल नारायणगुड़ा में अग्रवाल समाज तेलंगाना के सेंट्रल जोन की बैठक आयोजित की गई । यह बैठक सेंट्रल जोन के समन्वयकर्ता डीपी अग्रवाल द्वारा बुलायी गई । महाराज अग्रसेनजी की पूजा और हनुमान चालीसा के पाठ के साथ आरंभ हुई । सभा में शाखा पदाधिकारियों के अतिरिक्त अग्रवाल समाज तेलंगाना के निवर्तमान अध्यक्ष मनीष कुमार अग्रवाल , पूर्व अध्यक्ष एवं परामर्शदाता अंजनी कुमार अग्रवाल , उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अचल गुप्ता उपस्थित थे । सभा को संबोधित करते हुए उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल ने बताया कि किस प्रकार कुछ महत्वाकांक्षी बंधुओं के कारण समाज में उथल-पुथल हो रही है। उन्होंने सभा को बताया कि किस प्रकार झूठ का सहारा लेकर समाज को भ्रमित किया जा रहा है और असंवैधानिक कार्य किए जा रहे है, बिना किसी पूर्व सूचना के अध्यक्ष द्वारा व्हाट्सअप संदेश के माध्यम से एकाएक रात ग्यारह बजे जयंती के अवसर पर सभी समितियों को निरस्त कर दिया । उन्होंने आगे कहा कि अध्यक्ष की किसी भी बात का किसी भी पदाधिकारी ने विरोध नहीं किया । अध्यक्ष बॉस वाली प्रणाली से समाज चलना चाहते है उन्होंने सभा से आग्रह किया के 12 अप्रैल को होने वाली साधारण वार्षिक सभा में शामिल होकर सत्य का साथ दें और दूध का दूध पानी का पानी करें। कोषाध्यक्ष ने सभा में बताया कि उन्होंने गत 12 वर्षों से समाज में अपनी सेवायें दी और बहुत ही उत्साह के साथ उन्होंने इस पद के लिए चुनाव लड़ा और समाज के बन्धुओं के आशीर्वाद से विजयी हुए, परंतु आज मन बहुत दु:खी है, कारण अध्यक्ष जी का बर्ताव । उन्होंने बताया कि लेखा-जोखा को लेकर अध्यक्ष जी अनर्गल आरोप लगा रहें है। वह 31 मार्च को ही तैयार था और अध्यक्ष जी के संज्ञान में था, परंतु एक एजेंडे के अंतर्गत वे ग़लत आरोप लगा रहें है

निवर्तमान अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने सभा को बताया कि उन्होंने कई बार अध्यक्ष जी को चेताया और बताया कि यह कार्य संविधान के अनुसार नहीं है। आगे उन्होंने बताया के किस प्रकार विगत वर्षों में अग्रवाल समाज तेलंगाना के पदाधिकारियों को अन्य समाज के बंधु आमंत्रित करते थे और पूछते थे कि अग्रवाल समाज इतने अच्छे-अच्छे कार्य इतनी आसानी के कैसे कर लेते है, लेकिन आज लोग समाज में चल रहे विवाद की चर्चा करते है । यह चिंतनीय विषय है। उन्होंने आगे बताया कि पिछले दो वर्षों में 50 लाख की धन राशि शिक्षा और मेडिकल सहायता के लिए वितरित की गई और यह धन राशि मात्र एक आह्वान पर समाज के बंधुओं ने अनुदान के रूप में समाज को दे दी । परंतु आज दुख की बात है अब तक इस वर्ष यह आंकड़ा लगभग शून्य है। ठीक इसी प्रकार श्रीशैलम यात्री निवास और अग्रवाल समाज मीटिंग हॉल के लिए मात्र 24 घंटे में आवश्यक धनराशि प्राप्त हुई । उन्होंने समाज के बंधुओं से निवेदन किया कि साधारण वार्षिक सभा में अवश्य पधार कर सत्य का साथ दे । उन्होंने कहा कि समाज के हित में सारे पदाधिकारी एकजुट होकर कार्य करें या फिर सारे त्याग पत्र दे देवे और समाज में पुनः चुनाव करवा कर नए पदाधिकारी चुनें। उन्होंने आगे कहा के आज के ग़लत निर्णय भविष्य की दिशा निश्चित करेंगे । आज लिए हुए ग़लत निर्णयों पर आने वाली पीढ़ी प्रश्न उठाएगी और हमें हमारी ग़लतियों के लिए कोसेगी ।पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान परामर्शदाता अंजनी कुमार अग्रवाल ने बताया की किस प्रकार उन्होंने अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता से भेंट कर परिस्थिति से अवगत कराया और कहा कि आप जिम्मेदारी से अपना राज धर्म निभाते हुए समाज के हित में समरसता रखते हुए कार्य करें। उन्होंने बताया कि हर बार अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता एक बात करतें है फिर मुकर जाते है, उनका तानाशाही रवैया समाज के लिए सहीं नहीं है और सभा से आग्रह किया कि सभा से कोई भी बंधु अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता को समझा सकता है, सहीं दिशा दिखा सकता है तो आगे बढ़ें । यदि उनकी सहायता चाहिए तो वे हमेशा इस कार्य के लिए समाज हित में उपलब्ध है ।

रविवार दि. 12 अप्रैल को 4.30 बजे बोगुलकुंठा स्थित बंगारू मैसम्मा मंदिर के पास हिन्दू सम्मेलन के आयोजन में श्री वैष्णव सत्संग मण्डल द्वारा हनुमान चालीसा पाठ में राधेश्याम राठी को आमंत्रित करते हुए गोपाल अग्रवाल।

रहिमपुरा में कल होगा भव्य हिन्दू सम्मेलन, विविध धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

हैदराबाद, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। रहिमपुरा में हिन्दू सम्मेलन समिति के तत्वावधान में आगामी शनिवार, 11 अप्रैल को भव्य हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।प्रेस को जारी विज्ञप्ति में हिन्दू सम्मेलन समिति रामपुरा-धुलपेट बस्ती क्षेत्र के संयोजक राजेश सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में यह आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन का उद्देश्य सनातन धर्म की गौरवशाली परंपरा, भारतीय संस्कृति के संरक्षण, सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण को बढ़ावा देना है।आयोजन शनिवार, 11 अप्रैल 2026 को सायं 5 बजे से अंबेडकर प्ले ग्राउंड, रामपुरा, हैदराबाद में आयोजित होगा। इसके पश्चात रात्रि 8 बजे से साहुजी फंक्शन हॉल, रामपुरा में भोजन प्रसादी का आयोजन रखा गया है।कार्यक्रम संयोजक विक्रम सिंह, सी. सतीश सिंह, राजेश सिंह, रामा राव आदि ने पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है।इसके साथ ही अखिल भारत हिन्दू महासभा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष स्वामी कमलेश महाराज, भाजपा नेता गोविन्द राठी, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार तथा श्री गुजराती प्रगति समाज के कार्यकारिणी सदस्य दिनेश गोसर को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

सम्मेलन के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार एवं दीप प्रज्वलन, गौ पूजन, सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, बालिका शक्ति प्रदर्शन, संतों एवं विशिष्ट वक्ताओं के संदेश सहित सामाजिक एकता और राष्ट्र चेतना से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।समिति के पदाधिकारियों एवं संयोजकों ने सभी हिन्दू सनातन धर्मप्रेमियों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर हिन्दू एकता का परिचय देने का आह्वान किया है।

लव फॉर काऊ फाउंडेशन द्वारा निबंध प्रतियोगिता व समर कैंप आयोजित

विद्यार्थियों को करुणा व संस्कृति का संदेश

हैदराबाद, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। लव फॉर काऊ फाउंडेशन द्वारा मोइनाबाद स्थित श्री स्वामीनारायण गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल में गाय के प्रति प्रेम विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।मुकेश चौहान द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, गुरुकुल में निबंध प्रतियोगिता के साथ-साथ गौशाला में एक दिवसीय समर कैंप भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को करुणा, सांस्कृतिक जागरूकता तथा गौमाता कल्याण को बढ़ावा देने की प्रेरणा दी गई। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार तथा सभी प्रतिभागियों को फाउंडेशन की ओर से प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

गौ सेवा के प्रति समर्पण ने किया प्रेरित

कार्यक्रम में अभिनेत्री डॉ. लाक्षा नायडू ने कहा कि लव फॉर काऊ फाउंडेशन के संस्थापक जसमत पटेल गायों की रक्षा और संरक्षण के इस महान उद्देश्य के लिए समर्पित हैं। उनके निस्वार्थ प्रयासों ने अनेक लोगों को पशुओं के प्रति करुणा और जिम्मेदारी का भाव विकसित करने के लिए प्रेरित किया है।

स्वामी नारायण गुरुकुल के सुख वल्लभ स्वामी ने कहा कि जसमत पटेल अपने कार्यों के माध्यम से हमारी संस्कृति, पर्यावरण और दैनिक जीवन में गायों के महत्व के प्रति जागरूकता फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि केवल गायों की रक्षा ही नहीं, बल्कि सभी जीवों के प्रति दया, सेवा और सम्मान के मूल्यों को विकसित करना भी आवश्यक है।

गाय का सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और पर्यावरणीय महत्व बताया

स्कूल के प्रधानाध्यापक प्रवीण कुमार ने कहा कि यह अत्यंत सौभाग्य की बात है कि जसमत पटेल जैसा प्रेरणादायक व्यक्तित्व गुरुकुल में उपस्थित है। उनकी निष्ठा और सेवा सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।जसमत पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि गाय केवल एक पशु नहीं, बल्कि गोमाता के रूप में पूजनीय है, जो मानव जीवन का अभिन्न हिस्सा रही है। उन्होंने बताया कि गाय से हमारा सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक संबंध है और इसका वैज्ञानिक व व्यावहारिक महत्व भी है।

उन्होंने कहा कि गाय का दूध शरीर का पोषण करता है, जबकि गोबर प्राकृतिक उर्वरक के रूप में भूमि को समृद्ध बनाता है। गाय से प्राप्त उत्पाद पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली को बढ़ावा देते हैं।

सतत विकास और करुणा के मूल्यों पर जोर

ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार ने कहा कि वर्तमान समय में जब सतत विकास महत्वपूर्ण है, गाय हमें संतुलित और प्राकृतिक जीवन की ओर मार्गदर्शन करती है। गायों से प्रेम करना हमें सभी जीवों के प्रति करुणा का मूल्य सिखाता है।तरुण मेहता ने कहा कि जसमत भाई पटेल की उपस्थिति सभी के लिए प्रेरणादायक है, जो सेवा, संस्कृति और मूल्यों के मार्ग पर चलने का संदेश देती है।कार्यक्रम के अंत में गुरुकुल के राजीव ने आभार व्यक्त करते हुए सभी से पशुओं के सम्मान और संरक्षण का संकल्प लेने का आग्रह किया।कार्यक्रम में विशेष रूप से स्वामी नारायण गुरुकुल के साधु सुखवल्लभदास, साधु नित्य दास स्वामी, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार, फिल्म स्टार डॉ. लाक्षा नायडू, मोइनाबाद के पूर्व सरपंच एवं जेडपीटीसी चेयरमैन अनंत रेड्डी, समाज सेविका दक्षा पटेल, पटेल ग्रुप के निदेशक रामकृष्ण पटेल, पूजा पटेल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

आध्यात्मिक और सामाजिक नेताओं का हैदराबाद में संगम

हैदराबाद, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। कल्कि के गोल्डन भारत विश्व शांति परियोजना के लिए मेगा चैरिटी क्रिकेट और म्यूजिक कॉन्सर्ट की योजना हेतु आध्यात्मिक और सामाजिक नेत-ाओं का हैदराबाद में संगम हुआ। गुरुवार 09-04-2026 को प्रमुख आध्यात्मिक नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पेशेवरों ने हैदराबाद में एकत्र होकर जी.एच.आर.आई. स्टेडियम (गचिबौली स्टेडियम) में एक भव्य चैरिटी क्रिकेट मैच और म्यूजिक कॉन्सर्ट आयोजित करने की रणनीति तैयार की।इस बैठक में गौ-रक्षा, भगवद् गीता और सनातन धर्म की महिमा, विशेष रूप से गौ माता को भारत की राष्ट्रीय माता के रूप में प्रतिष्ठित करने, आध्यात्मिक जागरण तथा

सनातन धर्म मूल्यों पर आधारित गोल्डन भारत की स्थापना के उद्देश्य से जुड़े दूरदर्शी व्यक्तियों ने भाग लिया।ए.बी. चैतन्य दास ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य कल्कि की गोल्डन भारत विश्व शांति परियोजना के माध्यम से विश्व शांति को बढ़ावा देना है।मुख्य प्रतिभागियों में जस्मत पटेल (चेयरमैन) एवं तरुण मेहता (ट्रस्टी) 0 लव फॉर काउ फाउंडेशन, ए.बी. चैतन्य दास (महासचिव) 0 गोल्डन अवतार चैतन्य महाप्रभु महा भारत फाउंडेशन, गीतश जी (एच2एच), श्रीनिवास राव (यूनिवर्सिटी अप्लाइड वीडियो साइंसेज), मनीषा मेहता (देवना इवेंट्स), गोपीनाथ (जेवीजी कंसल्टिंग), डॉ. रोहित काले (स्पाइन सर्जन), भर्मा हरि दास (बीएसएनएल ऑफिस), विनय कृष्ण दास एवं कृष्ण मुरली देव दासी शामिल रहे।अवसर पर जस्मत पटेल ने कहा कि प्रस्तावित मेगा इवेंट में खेल, फिल्म और संगीत जगत से देशभर की प्रसिद्ध हस्तियों को शामिल किया जाएगा। इसका उद्देश्य गौ-रक्षा और आध्यात्मिक पहलों के लिए धन संग्रह एवं जागरूकता फैलाना है, साथ ही भगवान चैतन्य महाप्रभु के आदर्शों और कल्कि की गोल्डन भारत विश्व शांति परियोजना के विजन के अनुरूप एकता और शांति का संदेश देना है।गच्चबौली स्टेडियम में प्रस्तावित यह उच्च-प्रोफाइल चैरिटी क्रिकेट मैच और म्यूजिक कॉन्सर्ट मनोरंजन, खेल और भक्ति का संगम होगा, जो सद्भाव, धर्म और वैश्विक शांति को बढ़ावा देगा। इवेंट की तारीख, सेलिब्रिटी लाइनअप और टिकट संबंधी जानकारी शीघ्र घोषित की जाएगी।

बाहेती भवन में श्रीमद भागवत कथा का शुभारंभ

बाल विदुषी हरिप्रिया वैष्णवी ने बताया जीवन का दिव्य मार्ग

हैदराबाद, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति के तत्वावधान में सिद्दिअंबर बाजार स्थित बाहेती भवन में आयोजित श्रीमद भागवत कथा महोत्सव का शुभारंभ अत्यंत श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ हुआ। कथा के प्रथम दिन कथा वाचिक बालस्वरूप बाल विदुषी सुश्री हरिप्रिया वैष्णवी ने भागवत महापुराण की महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि यह केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला दिव्य मार्गदर्शक है।

श्रवण भक्ति का बताया महत्व, कथा सुनने से जीवन में आता है सकारात्मक परिवर्तन

श्रीमद भागवत कथा महोत्सव की शुरुआत मंगलाचरण और भगवान श्रीकृष्ण की स्तुति से हुई। कथा वाचिक सुश्री हरिप्रिया वैष्णवी ने कहा कि श्रीमद भागवत कथा सुनने मात्र से मनुष्य के पाप नष्ट होते हैं और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है।उन्होंने विशेष रूप से श्रवण भक्ति के महत्व पर जोर देते हुए बताया कि कलियुग में भगवान तक पहुंचने का सबसे सरल माध्यम कथा श्रवण है। भागवत कथा का पाठ करने या श्रवण करने मात्र से ही परमात्मा के दर्शन का फल प्राप्त होता है।

सृष्टि उत्पत्ति, वेदों की महिमा और परीक्षित-शुकदेव संवाद का किया वर्णन

पहले दिन के प्रवचन में सृष्टि की उत्पत्ति, वेदों की महिमा तथा राजा परीक्षित और शुकदेव जी के संवाद का प्रसंग विस्तार से बताया गया।सुश्री हरिप्रिया वैष्णवी ने कहा कि जब मनुष्य अपने जीवन के अंतिम समय में भी भगवान का स्मरण करता है, तो उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। उन्होंने आगे बताया कि प्रसाद मिलते ही उसे तत्काल ग्रहण करना चाहिए, बाद में यदि संभव हो तो घर ले जा सकते हैं, क्योंकि घर तक सुरक्षित पहुंचने का कोई भरोसा नहीं होता है।

15 अप्रैल तक चलेगा कथा महोत्सव, प्रतिदिन 3 से 7 बजे तक आयोजन

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और भक्ति रस में सराबोर होकर कथा का आनंद लिया। आयोजन स्थल पर भजन-कीर्तन और धार्मिक वातावरण ने सभी को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

राजस्थानी जागृति समिति के अध्यक्ष एवं मुख्य यजमान श्रीनिवास सोमानी एवं आशा देवी सोमानी ने बताया कि यह कथा महोत्सव 15 अप्रैल तक प्रतिदिन मध्यान्ह 3 बजे से सायंकाल 7 बजे तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से धर्म, कर्म और जीवन के मूल्यों पर प्रकाश डाला जाएगा।

प्रधान संयोजक श्री महेश अग्रवाल ने बताया कि प्रतिदिन कथा के पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की व्यवस्था भी की गई है। संगठन मंत्री रमेश मोदानी, कोषाध्यक्ष संजय राठी, मनीष सोमानी ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर पुण्य के भागी बनने का आग्रह किया।

इसके पूर्व भव्य कलश यात्रा का भी आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में बाला प्रसाद लड्ढा, गोविंद बिरादर, द्वारका दास काबरा आदि भी उपस्थित थे।

हैदराबाद ज्ञानशाला के नव कार्य वर्ष का शुभारंभ, नई टीम की घोषणा

हैदराबाद, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमण जी के पावन निर्देशन में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के तत्वावधान में ज्ञानशाला के नव कार्य वर्ष का शुभारंभ हो गया है। ज्ञानशाला प्रकोष्ठ, महासभा द्वारा आंचलिक संयोजकों के द्वि-वर्षीय कार्यकाल की नियुक्तियों के साथ ही नए कार्य वर्ष की शुरुआत की गई।

तेलंगाना-आंध्रा के प्रभारी के रूप में वर्ष 2026-28 के लिए श्रीमती सरोज जी लोढ़ा को आंचलिक संयोजक तथा श्रीमती यशोदा जी कोठारी को आंचलिक सह-संयोजक नियुक्त किया गया। वहीं तेलंगाना की क्षेत्रीय संयोजक के रूप में श्रीमती संगीता गोलछा की पुनः नियुक्ति की गई।

तेरापंथ भवन में पद-आवंटन समारोह आयोजित

इस क्रम में डी.वी. कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में क्षेत्रीय संयोजक द्वारा नई टीम की घोषणा एवं पद-आवंटन समारोह आयोजित किया गया।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के साथ हुआ। प्रेरणादायी गीत ठान लिया हमने पर शालीन नृत्य प्रस्तुति दी गई। ज्ञानशाला परामर्शक अंजू जी बैद ने अपने ओजस्वी वक्तव्य से प्रशिक्षिकाओं में नव ऊर्जा का संचार किया।

वीनू जी नाहटा द्वारा कौन बनेगा आंचलिक संयोजक इस बार शीर्षक से रोचक प्रस्तुति दी गई, जिसमें केबीसी की झलक प्रस्तुत करते हुए सरोज जी लोढ़ा एवं यशोदा जी कोठारी से प्रश्न पूछे गए। इस अवसर पर नव नियुक्त पदाधिकारियों का तिलक कर सम्मान किया गया।

नाट्य प्रस्तुति और उपलब्धियों की जानकारी

ज्ञानशाला परामर्शक अंजू जी बैद एवं टीम ने क्षेत्रीय संयोजक संगीता गोलछा की पुनः नियुक्ति पर नाट्य प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

संगीता गोलछा ने सभी का स्वागत करते हुए ज्ञानशाला की गतिविधियों एवं हैदराबाद की उपलब्धियों की जानकारी साझा की तथा महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए जागरूक रहने का आह्वान किया।

नई टीम का गठन और दायित्वों का वितरण

वर्ष 2026-28 के लिए ज्ञानशाला परामर्शक के रूप में अंजू जी बैद एवं सीमा जी दस्सानी, क्षेत्रीय सह-संयोजक के रूप में सुरभि सिंघी, निशा दुगड़, वीनू नाहटा एवं दीपमाला डागा को नियुक्त किया गया।

मुख्य प्रशिक्षक के रूप में पुष्पा बरड़िया, उषा सुराणा, प्रेम जी संचेती एवं अंजू जी गोलछा की नियुक्ति की गई, जो क्षेत्रीय सह-संयोजकों के साथ समन्वय में कार्य करेंगी।

परीक्षा व्यवस्थापक के रूप में सरिता नखत, सुमन सेठिया एवं जूली बैद, मीडिया प्रभारी के रूप में मीनाक्षी सुराणा तथा डिजिटल सेंट्रल लीड कोऑर्डिनेटर के रूप में प्रमिला पोकरणा एवं श्वेता घोषल को दायित्व सौंपे गए। साथ ही इकाई स्तर पर संयोजिकाओं एवं मुख्य प्रशिक्षिकाओं के दायित्वों का भी आवंटन किया गया।

गोष्ठी में उत्साहपूर्ण सहभागिता, ग्रीष्मावकाश की घोषणा

गोष्ठी में पदाधिकारियों के अतिरिक्त लगभग 50 प्रशिक्षिकाओं की उपस्थिति रही। आंचलिक संयोजक सरोज लोढ़ा ने पहली बार सभा को संबोधित किया।

कार्यक्रम का संचालन बबीता दुगड़ ने किया, जबकि बोवनपल्ली टीम ने नमो-2 गीत का संगान प्रस्तुत किया। अंत में क्षेत्रीय सह-संयोजक दीपमाला डागा ने आभार व्यक्त किया।

गोष्ठी के पश्चात अल्पाहार की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर ज्ञानशाला के ग्रीष्मावकाश की घोषणा 19 अप्रैल से 5 जून तक की गई। साथ ही नव ज्ञानार्थियों के प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

सरोवर जिनालय में संस्कार पाठशाला का वार्षिकोत्सव धूमधाम से सम्पन्न

हैदराबाद, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के हाइटेक सिटी स्थित सरोवर जिनालय मंदिर में संचालित आचार्य श्री विद्यासागर जी संस्कार पाठशाला का वार्षिकोत्सव हाल ही में बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार्यक्रम का आयोजन माई होम ज्वैल के कम्यूनिटी हॉल में किया गया, जिसमें नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी आकर्षक प्रस्तुतियों से उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया।ज्ञात हो कि पिछले 10 वर्षों से सरोवर जिनालय मंदिर में यह पाठशाला सांगानेर संस्थान, जयपुर के तत्वावधान में निरंतर संचालित हो रही है। वर्तमान में लगभग 100 बच्चे यहां जैन धर्म के संस्कार प्राप्त कर अपने जीवन को संस्कारित कर रहे हैं।पाठशाला में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ धार्मिक यात्राएं, खेलकूद एवं अर्हम योग जैसी गतिविधियों का भी नियमित आयोजन किया जाता है।

इसी क्रम में विद्यार्थियों की प्रतिभा को परखने के लिए प्रतिवर्ष परीक्षा एवं वार्षिकोत्सव आयोजित किया जाता है, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित किया जाता है।

इस वर्ष भी खेल दिवस के विजेताओं, वार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों, निबंध प्रतियोगिता के प्रतिभागियों एवं द्वादशवर्षीय परीक्षार्थियों को सम्मानित किया गया। साथ ही, पिछले वर्ष पाठशाला कलश लेने वाले परिवारों को ससम्मान पाठशाला कलश प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में सभी के लिए फलाहारी नाश्ते की व्यवस्था भी की गई थी। इस आयोजन को सफल बनाने में पाठशाला के शिक्षक आकाश सिंघई, अचिंत्य जैन, रिचा जैन, प्रीति सिंघई, राहुल जैन, कामिनी जैन, प्रिंस जैन, निशंक जैन, अमिता मोदी एवं पीयूष जैन का विशेष योगदान रहा।

नराकास (उपक्रम) वार्षिक राजभाषा प्रतियोगिताओं का शुभारंभ

महिला प्रतिभागियों को ईसीआईएल की ओर से राजभाषा विदुषी सम्मान

हैदराबाद, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद0सिकंदराबाद के तत्वावधान में आरईसी इंस्टीट्यूट ऑफ पावर मैनेजमेंट एंड ट्रेनिंग, हैदराबाद में अंतर-उपक्रम 'शब्दावली, टिप्पणी एवं आलेखन' प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में नराकास (उपक्रम) से संबद्ध विभिन्न सदस्य कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा अपनी राजभाषा दक्षता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः निर्धारित समय पर हुआ। श्री च.वि. लक्ष्मणाचार्लु, कार्यपालक निदेशक के निदेशानुसार कार्यक्रम की अध्यक्षता पी. सुरेश कुमार, उप महाप्रबंधक द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि राजभाषा हिन्दी के प्रभावी क्रियान्वयन में इस प्रकार की प्रतियोगिताएं अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इससे न केवल कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा मिलता है, बल्कि कर्मचारियों में भाषा के प्रति आत्मविश्वास एवं दक्षता का भी विकास होता है। कार्यक्रम में नराकास (उपक्रम) के सदस्य-सचिव डॉ. राजनारायण अवस्थी ने नराकास (उपक्रम) की गौरवशाली परंपरा और विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नराकास स्तर पर आयोजित इन प्रतियोगिताओं की अखिल भारतीय स्तर पर प्रशंसा की गई है। नराकास (उपक्रम) के तत्वावधान में इस वर्ष कुल बारह प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिताएं विभिन्न सदस्य कार्यालयों में होंगी। प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक के रूप में श्री एस.ए. शुकुर, सहायक निदेशक (सेवानिवृत्त), भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान, हैदराबाद उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतिभागियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से राजभाषा हिंदी के व्यावहारिक प्रयोग को नई दिशा मिलती है। कार्यक्रम में ऑब्जर्वर के रूप में राजेश कुमार मीणा, वरिष्ठ प्रबंधक, आरआईएनएल भी उपस्थित रहे, जिन्होंने संपूर्ण आयोजन की निष्पक्षता एवं गुणवत्ता का अवलोकन किया। प्रतियोगिता का संचालन श्रीमती पी. रचना, राजभाषा नोडल अधिकारी, आरईसी-आईपीएमटी द्वारा अत्यंत सुव्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से किया गया। उन्होंने कार्यक्रम के विभिन्न चरणों का संचालन करते हुए प्रतिभागियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर डॉ. राजनारायण अवस्थी, सदस्य-सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद0सिकंदराबाद संबोधन में कहा कि नराकास के माध्यम से आयोजित इस प्रकार की प्रतियोगिताएं राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं कार्यालयीन कार्यों में उसके प्रभावी उपयोग को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध हो रही हैं। उन्होंने सभी सदस्य कार्यालयों के सक्रिय सहयोग एवं सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया। प्रतियोगिता में 'शब्दावली', 'टिप्पण' एवं 'आलेखन' से संबंधित व्यावहारिक प्रश्नों को शामिल किया गया, जिससे प्रतिभागियों की कार्यालयीन हिंदी लेखन क्षमता, शब्द चयन एवं अभिव्यक्ति कौशल का समग्र मूल्यांकन किया जा सका। प्रतिभागियों ने अत्यंत उत्साह एवं प्रतिस्पर्धात्मक भावना के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर श्री अंबाती सूर्यकिरण, सहायक प्रबंधक (वित्त) ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ। कार्यक्रम के सफल आयोजन में नराकास (उपक्रम) समन्वय कार्यालय की ओर से वी. कनका श्री महालक्ष्मी, अजहर सुल्तान तथा सीएच. निहारिका, प्रशिक्षु (राजभाषा) का सक्रिय योगदान रहा।

ज्ञानशाला में दायित्व-आवंटन समारोह, नई टीम का गठन

हैदराबाद, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के तत्वावधान में आचार्यश्री महाश्रमण जी के निर्देशन में ज्ञानशाला के नव कार्य वर्ष का शुभारंभ करते हुए डी.वी. कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में दायित्व-आवंटन समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर वर्ष 2026-28 के लिए श्रीमती सरोज लोढ़ा को आंचलिक संयोजक, श्रीमती यशोदा कोठारी को सह-संयोजक तथा श्रीमती संगीता गोलछा को क्षेत्रीय संयोजक के रूप में पुनः नियुक्त किया गया।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, प्रेरणादायी वक्तव्य एवं नाट्य प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही। साथ ही नई टीम की घोषणा करते हुए विभिन्न पदों पर दायित्वों का वितरण किया गया।

गोष्ठी में लगभग 50 प्रशिक्षिकाओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन बबीता दुगड़ ने किया तथा अंत में दीपमाला डागा ने आभार व्यक्त किया। ज्ञानशाला का ग्रीष्मावकाश 19 अप्रैल से 5 जून तक रहेगा तथा नए ज्ञानार्थियों के लिए प्रवेश आवेदन जारी हैं।

नेहरू चिड़ियाघर को सौंपे गए एक सॉफ्ट-शेल कछुआ और दो रेड-ईयर कछुए

हैदराबाद, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्पोर्ट्स विलेज के मल्टीस्पोर्ट प्रमोटर मो. शम्सुद्दीन, ने गुरुवार को नेहरू प्राणी उद्यान (नेहरू जूलॉजिकल पार्क) को एक सॉफ्ट-शेल कछुआ और दो रेड-ईयर्ड स्लाइडर कछुए सौंपे।

इन सरीसृपों को अजीजनगर स्थित एकेडेमिया स्पोर्ट्स विलेज में एक दशक से अधिक समय से रखा गया था।

चिड़ियाघर में उप निदेशक (पशु चिकित्सा) डॉ. मोहम्मद अब्दुल हकीम ने इन कछुओं को प्राप्त किया।

अधिकारियों ने बताया कि यह पहल जानवरों की बेहतर देखभाल, उनके लिए अधिक उपयुक्त आवास और पेशेवर पशु चिकित्सा पर्यवेक्षण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है।

इस कार्यक्रम ने जिम्मेदार पालतू स्वामित्व के महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही, यह संदेश भी दिया कि विदेशी या लंबे समय से पाले गए जानवरों को उनके कल्याण के लिए उपयुक्त वातावरण में स्थानांतरित करना आवश्यक है।

विश्व नवकार महामंत्र दिवस : गूंजा 'एक विश्व, एक मंत्र' का संदेश

जीतो बेंगलूरु टीम के फ्रीडम पार्क में आयोजित कार्यक्रम में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

बेंगलूरु, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जीतो बेंगलूरु टीम द्वारा आयोजित विश्व नवकार महामंत्र दिवस का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन गांधीनगर स्थित फ्रीडम पार्क में अत्यंत उत्साह, श्रद्धा एवं आध्यात्मिक वातावरण के साथ संपन्न हुआ। शुभ मंगल प्रभात से ही श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा और आस्था, भक्ति एवं उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ जीतो के पदाधिकारियों, गणमान्य अतिथियों एवं सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर चतुर्विध धर्मसंघ एवं सभी अतिथियों का भावभीना स्वागत किया गया। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के चेयरमैन विमल कटारिया ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि नवकार महामंत्र दिवस का यह पावन अवसर हम सभी के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है, जो विश्व में शांति का संदेश पहुंचाने का माध्यम बना है। उन्होंने कहा कि जैन समाज की प्रतिभाएं आज विभिन्न उच्च पदों पर रहते हुए भी अपनी आस्था और सकारात्मक सोच से समाज की एकता और उन्नति को निरंतर सशक्त कर रही है।

जीतो बेंगलूरु साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्व नवकार महामंत्र दिवस केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मिक शांति एवं विश्व कल्याण की भावना से जुड़ा पावन अवसर है। उन्होंने बताया कि श्रमण आरोग्यम एवं जेबीएन नेटवर्किंग जैसे प्रकल्पों के माध्यम से जीतो समाज सेवा एवं आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम का सफल संचालन बैंगलोर नॉर्थ के महामंत्री विजय सिंघवी एवं बैंगलोर साउथ के महामंत्री नितिन लुनिया द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। दोनों महामंत्रियों ने कहा कि यह आयोजन टीमवर्क, समर्पण और सामूहिक प्रयास का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसमें सभी सदस्यों का सहयोग सराहनीय रहा। कार्यक्रम में प. पू. मुनिराज मलयप्रभसागरजी म.सा. आदि ठाणा का सान्निध्य प्राप्त हुआ। उनके पावन मार्गदर्शन में नमस्कार महामंत्र का सामूहिक जाप अत्यंत श्रद्धा एवं एकाग्रता के साथ किया गया, जिससे संपूर्ण वातावरण दिव्यता से भर उठा। मुनिश्री ने कहा कि एक ही समय में विश्वभर में नवकार महामंत्र का जाप करना विश्व शांति का सशक्त संदेश है और यह जीतो की अद्भुत पहल है। उन्होंने आगे कहा कि नवकार महामंत्र के नियमित जप से आत्मिक शांति, ऊर्जा एवं जीवन में संतुलन प्राप्त होता है, जो शाश्वत सुख का मार्ग प्रशस्त करता है। प.पू. लोकेश मुनिजी म.सा. ने मंगल पाठ प्रदान करते हुए कहा कि नवकार महामंत्र जैन श्रावक की आस्था का मूल आधार है और इसका स्मरण जीवन की अंतिम श्वास तक बना रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि वास्तविक कमाई धन-संपत्ति नहीं, बल्कि जप और तप है, जो आत्मकल्याण का मार्ग है। उन्होंने प्रेरित किया कि जीवन में ऐसी भावना हो कि जप-तप करते हुए ही इस संसार से विदा लेंयही सर्वोत्तम साधना है। कार्यक्रम का प्रभावशाली मंच संचालन युवा प्रेरक स्मित कोठारी ने किया। संगीतकार पारस गड़ा एवं श्री जैनम वारिया ने मधुर स्वरलहरियों के साथ नवकार महामंत्र की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया, जिससे उपस्थित श्रद्धालु ध्यानमग्न हो गए।

एक विश्व, एक मंत्र 0 शांति के लिए सामूहिक जाप के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने एक स्वर में नवकार महामंत्र का जाप कर विश्व शांति का संदेश दिया।

कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एमआई. अरुण ने अपने उद्बोधन में कहा कि नवकार महामंत्र मंत्रों में मंत्र है, क्योंकि यह किसी व्यक्ति विशेष नहीं, बल्कि श्रेष्ठ गुणों की वंदना करता है।

उन्होंने कहा कि यह महामंत्र अहिंसा, वीतरागता एवं सर्वकल्याण की भावना का संदेश देता है और त्याग में ही सच्चा सुख निहित है। इस दौरान कर्नाटक सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव ने कहा कि विश्व शांति के उद्देश्य से आयोजित यह कार्यक्रम अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन प्रेम, भाईचारे एवं अहिंसा का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बना है। मनोज जैन (खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता विभाग) ने कहा कि नवकार महामंत्र एक अद्भुत एवं सार्वभौमिक मंत्र है, जो समाज को एकता के सूत्र में पिरोता है। उन्होंने आग्रह किया कि जनगणना में जैन शब्द को नाम के साथ जोड़कर समाज की पहचान को और सशक्त बनाया जाए। उल्लेखनीय है कि भारत के गृह मंत्री अमित शाह का जप अनुष्ठान विज्ञान भवन, नई दिल्ली से ऑडियो-वीडियो माध्यम द्वारा प्रसारित किया गया, जिसे श्रद्धालुओं ने ध्यानमग्न होकर सुना। कार्यक्रम के संयोजन की जिम्मेदारी जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के संयोजक प्रवीण चौहान एवं सहसंयोजक सुनील लोढ़ा तथा जीतो बेंगलूरु साउथ के संयोजक महेंद्र रांका एवं सहसंयोजक महावीर दांतेवाड़िया ने कुशलतापूर्वक निभाई। अंत में आयोजकों ने सभी साधु-संतों, अतिथियों, पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग, समर्पण एवं सक्रिय सहभागिता से यह आयोजन ऐतिहासिक एवं सफल बन पाया।

अनुमति बिना कॉलेज संचालन का आरोप, कार्रवाई की मांग को लेकर डीएसएफआई ने सौंपा ज्ञापन

बांसवाड़ा, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। डेमोक्रेटिक स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीएसएफआई) की संयुक्त निज़ामाबाद जिला कमेटी ने विजया साईं एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन के प्रबंधन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। संगठन का आरोप है कि इंटरमीडिएट बोर्ड की अनुमति के बिना बोधन में 'श्री विजया साईं जूनियर कॉलेज' के नाम से नई शाखा संचालित कर प्रवेश दिए जा रहे हैं।

गुरुवार को डीएसएफआई के तत्वावधान में कामारेड्डी के जिला इंटरमीडिएट शिक्षा अधिकारी शेख सलाम को इस संबंध में एक ज्ञापन सौंपा गया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष जीवन राठौड़ ने कहा कि बोधन कस्बे में बुदिमी रोड स्थित पूर्व टैगोर जूनियर कॉलेज की बिल्डिंग में बिना अनुमति के विजया साईं जूनियर कॉलेज के नाम से प्रवेश प्रक्रिया चलाई जा रही है, जिससे छात्र और अभिभावक भ्रमित हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना वैध अनुमति के संस्थान का संचालन नियमों का उल्लंघन है, इसलिए संबंधित प्रबंधन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

डीएसएफआई पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जिला इंटरमीडिएट शिक्षा विभाग द्वारा शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो वे राज्य इंटरमीडिएट बोर्ड स्तर पर शिकायत दर्ज कर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ भी कानूनी कदम उठाएंगे।

कार्यक्रम में डीएसएफआई के डिवीजन सचिव नहीम, सहायक सचिव दासू सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बिहार में अवैध देह व्यापार पर पुलिस की कार्रवाई तेज, मधेपुरा सहित कई जिलों में छापेमारी

पटना, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार के विभिन्न जिलों में अवैध देह व्यापार के खिलाफ पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मधेपुरा जिले के सिंहेश्वर थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुरुवार देर शाम छापेमारी कर एक दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लिया। कार्रवाई के दौरान 11 महिलाओं को मुक्त कराया गया, जबकि तीन युवकों से पूछताछ जारी है।

मुख्यालय डीएसपी मनोज मोहन के अनुसार, पुलिस को लंबे समय से क्षेत्र में अवैध गतिविधियों की सूचना मिल रही थी। एनजीओ के सहयोग से योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी की गई। मौके से कुछ संदिग्ध लोग फरार होने में भी सफल रहे, जिनकी तलाश जारी है।

इसी तरह, राजधानी पटना के राजीव नगर क्षेत्र में पूर्व में एक होटल पर की गई कार्रवाई में कई युवक-युवतियों को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा गया था। पुलिस के अनुसार, होटल में कमरों को अवैध रूप से उपलब्ध कराकर अनैतिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा था।

वहीं रोहतास जिले के बिक्रमगंज क्षेत्र में स्थित एक मैरिज हॉल में हाल ही में की गई छापेमारी में बड़ी संख्या में युवक-युवतियों को हिरासत में लिया गया था। तलाशी के दौरान आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई, जिससे बड़े स्तर पर अवैध गतिविधियों की आशंका जताई गई।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी मामलों में विस्तृत जांच जारी है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हाल के समय में इस तरह के मामलों के सामने आने से सामाजिक चिंताएं भी बढ़ी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस समस्या से निपटने के लिए कानून-व्यवस्था के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता और सख्त निगरानी आवश्यक है।

तेलंगाना को हिंदी पट्टी से जोड़ने की पहल तेज

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने रेल मंत्री को लिखा पत्र

हैदराबाद, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय कोयला एवं खनन मंत्री जी. किशन रेड्डी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर तेलंगाना का रेल संपर्क हिंदी पट्टी के राज्यों से बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने अपने पत्र में प्रवासी मजदूरों और तीर्थयात्रियों को हो रही परेशानियों का उल्लेख करते हुए नई ट्रेनें शुरू करने तथा कुछ गाड़ियों को नियमित करने की आवश्यकता जताई है।

प्रवासी मजदूरों के तेलंगाना आने-जाने में हो रही कठिनाइयों का मुद्दा अब लगातार गंभीर होता जा रहा है। कई वर्षों से हैदराबाद में सक्रिय सामाजिक-राजनीतिक संगठन बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड और मध्यप्रदेश के बीच रेल सेवाओं को बेहतर बनाने की मांग उठाते रहे हैं।हाल ही में बिहार समाज सेवा संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा था, जिसमें रेलवे से संबंधित कई मांगें शामिल थीं। संघ के चेयरमैन राजू ओझा ने मंत्री को पूर्व में दिए गए ज्ञापनों की भी याद दिलाई।संघ ने हैदराबाद से वाराणसी, सिकंदराबाद से पटना और चेर्लापल्ली से रांची के लिए नई ट्रेन सेवाएं शुरू करने की मांग की है।

मंत्री किशन रेड्डी ने 6 अप्रैल 2026 को रेल मंत्री को लिखे पत्र में इन मांगों का उल्लेख करते हुए संबंधित ज्ञापन को भी संलग्न किया है।

ज्ञापन में कहा गया है कि बड़ी संख्या में हिंदी प्रदेशों से लोग रोजी-रोजगार के लिए तेलंगाना आते-जाते हैं।गर्मी के मौसम में, विशेषकर शादी-विवाह, पर्व-त्योहार और कृषि कार्यों के दौरान यात्रियों की संख्या कई गुना बढ़ जाती है, जिससे ट्रेनों में टिकट और सीट मिलना मुश्किल हो जाता है।

दूसरी ओर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से बड़ी संख्या में श्रद्धालु काशी, प्रयागराज और अयोध्या जैसे प्रमुख तीर्थस्थलों की यात्रा करते हैं, जिन्हें भी आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

संघ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी को तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद से सीधी रेल सेवा द्वारा जोड़ने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया है।केंद्रीय मंत्री के इस पत्र के बाद प्रवासी मजदूरों और श्रद्धालुओं में बेहतर रेल सुविधा को लेकर उम्मीदें बढ़ गई हैं।

राजनीति से ऊपर उठकर जनसेवा करें विधि निर्माता : ओम बिरला

2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य में युवाओं की अहम भूमिका बताई

पणजी (गोवा), 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विधि निर्माताओं से आह्वान किया है कि वे व्यक्तिगत और राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ जनता की सेवा करें। उन्होंने कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि वे जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाएं और पारदर्शी, समावेशी एवं जवाबदेह शासन सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए दूरदर्शिता, समर्पण और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता आवश्यक है, जो एक विकसित, न्यायपूर्ण और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की आधारशिला है।

ओम बिरला ने राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र, जोन-7 के प्रथम सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में युवा विधि निर्माताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि युवाओं को भविष्य के नेतृत्व के रूप में नई नीतियों के निर्माण, समावेशी विकास को आगे बढ़ाने और लोकतांत्रिक संस्थाओं को सशक्त करने की जिम्मेदारी निभानी होगी। उनकी ऊर्जा, नवीन सोच और जनसेवा के प्रति समर्पण देश को समृद्ध और आत्मनिर्भर बना सकता है।

विधायी संस्थाओं की बदलती भूमिका पर विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि जनकल्याण और सुशासन के लिए राज्यों के विधानमंडलों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा जरूरी है। उन्होंने संसदीय लोकतंत्र को विश्व की सर्वोत्तम शासन प्रणाली बताते हुए कहा कि 1952 से हर चुनाव में बढ़ता मतदान प्रतिशत भारत के मजबूत लोकतंत्र का प्रमाण है।

उन्होंने विधि निर्माताओं से आग्रह किया कि वे जनता से जुड़कर उनकी समस्याओं को समझें और संवेदनशीलता के साथ समाधान करें।

लोकसभा अध्यक्ष ने गोवा के पर्यटन, समृद्ध संस्कृति और ऊर्जा की सराहना की। साथ ही सीपीए जोन-7 में शामिल महाराष्ट्र, गुजरात और गोवा की लोकतांत्रिक परंपरा एवं प्रगतिशील सोच की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों के सामने अलग-अलग चुनौतियां हैं, लेकिन सहयोग और समन्वय के माध्यम से इन्हें अवसरों में बदला जा सकता है। विशेष रूप से तटीय विकास जैसे क्षेत्रों में राज्य एक-दूसरे से सीख सकते हैं और बेहतर नीतियों को अपनाकर आगे बढ़ सकते हैं।

इस अवसर पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति राम शिंदे तथा महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम में गोवा विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. गणेश गांवकर ने स्वागत भाषण दिया, जबकि उपाध्यक्ष जोशुआ डिसूजा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान नामपल्ली, बेगम बाजार एवं केबीआर पार्क में किया गया।

राज्यसभा में पार्थ अजीत पवार ने ली शपथ

नई दिल्ली, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने बुधवार को संसद भवन में महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने वाले नव निर्वाचित सदस्य पार्थ अजीत पवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। श्री पवार ने अंग्रेजी भाषा में शपथ ग्रहण की।शपथ ग्रहण समारोह के दौरान राज्यसभा के सदन के नेता एवं केंद्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।इस अवसर पर महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजीत पवार, राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश और प्रफुल्ल पटेल, लोकसभा सदस्य सुनील दत्तात्रेय तटकरे भी मौजूद थे।कार्यक्रम में राज्यसभा के महासचिव पी.सी. मोदी तथा सचिवालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

DAILY शुभ लाभ -Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, SANTHIYA S spouse of Army No.15820399X Sep LATE SARAVANAN B, R/o.Vill and Post:Nimmiyampattu, Taluk:Vaniyambadi, Dist:Vellore, Tamilnadu-614620 have changed my name from SANTHIYA S to SANDHIYA S vide affidavit dt:9-4-2026 before 1 Spl Judicial Magistrate, Medchal Malkajgiri Dist at L.B.Nagar

CHANGE OF NAME & DOB
I, CHALLAA PEDAPENCHALAMMA Mother of Service No. 16112974H L/Hav CHALLA VENKATESWARLU, Residing at Vill and PO:Vennevada, Teh:Atmakur, Dist:Nellore, Andhra Pradesh-524322 have changed my name and DOB from CHALLA PEMCHLLAMA, DOB:01-07-1970 to CHALLAA PEDAPENCHALAMMA, DOB:01-01-1966 vide affidavit dt:09-04-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad

CHANGE OF NAME
I, Service No. 657441K Ex Sgt MOMULA CHANDRAIAH, Residing at H.No.1-56/1/B/206, Road No.1, Jawahar Colony, Chandanagar, Serilingampally, Hyderabad, Ranga Reddy Dist-500050, Telangana hereby declare that my spouse name is changed from VENKATA LAXMI to MOMULA VENKATA LAXMI vide affidavit dt:9-4-2026 before 1 Spl Judicial Magistrate, Medchal Malkajgiri Dist at L.B.Nagar

CHANGE OF NAME
I, Yasmeen Ahmed, R/o. H.No:9-51/N/P, Anand Nagar Colony, Bandlaguda Jagir, Gandipet mandal, Rajendranagar, K. V. RR Dist, Telangana, Pin:500086. have changed my name from YASMEEN AHMED to YASMEEN vide affidavit dt : 09-04-2026 before Judicial Magistrate Court Hyderabad, Telangana

CHANGE OF NAME
I, Army No. 15825844P Sep AZAM of Adm Bn, AOC Centre, C/o.56 APO that my Brother name is to be changed from ASLAM to SYED ASLAM.

CHANGE OF NAME & DOB
I, N BIAYALAXMI REDDY spouse of Service No 6948607L Nk NILAPU NAGESWAR REDDY, Residing at Vill:Korapalli, Post:Narayanpur, Dist:Ganjam, Odisha-761002 have changed my name & DOB from N BIAYALAXMI REDDY, DOB:03-03-1990 to N BIJAYA REDDY, DOB:01-03-1990 vide affidavit dt:09-04-2026 before G.Ramchander, Advocate and Notary, Secunderabad.

रेवंत रेड्डी ने कालेश्वरम परियोजना की त्वरित बहाली के दिए निर्देश

हैदराबाद, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार रात अधिकारियों को कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के तीनों बैराजों की मरम्मत करने और उन्हें जल्द से जल्द उपयोग के लिए बहाल करने का निर्देश दिया।

जुबली हिल्स स्थित अपने आवास पर सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी के साथ परियोजना की समीक्षा करते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि मरम्मत कार्य राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण की सिफारिशों के अनुसार पूरा किया जाना चाहिए।

विशेष कार्ययोजना और निरंतर निगरानी पर जोर

उन्होंने अधिकारियों को मरम्मत के लिए एक विशेष कार्य योजना तैयार करने और कार्यों की निरंतर निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। रेवंत रेड्डी ने सभी संबंधित एजेंसियों को अलर्ट पर रहने और काम की गति तेज करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय जल और विद्युत अनुसंधान केंद्र की देखरेख में किए जा रहे परीक्षण और नमूना संग्रह मानसून की शुरुआत से पहले पूरे कर लिए जाने चाहिए।

विशेषज्ञों की टीम और मेडीगड्डा बैराज का पूर्ण अध्ययन

उन्होंने सिंचाई विभाग, विद्युत अनुसंधान केंद्र, बैराज निर्माण एजेंसियों और डिजाइन सलाहकारों के अधिकारियों की एक टीम बनाने का निर्देश दिया और कहा कि कार्यों के हर चरण में केंद्रीय जल आयोग के सदस्यों को शामिल किया जाना चाहिए। इंजीनियरों ने मुख्यमंत्री को सूचित किया कि मेडीगड्डा में केवल धंसे हुए खंभे ही नहीं, बल्कि बैराज के पूरे 1.6 किलोमीटर लंबे हिस्से का अध्ययन करने की आवश्यकता है।

दिसंबर तक का विस्तृत कार्य शेड्यूल और धन की उपलब्धता

रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को मेडीगड्डा बैराज के पास 500 बोरवेल खोदने के लिए विशेष कार्य योजना तैयार करने और आवश्यक मशीनरी की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से मरम्मत डिजाइन और दिसंबर तक का विस्तृत कार्य कार्यक्रम तैयार करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि कार्यों के निष्पादन में कोई देरी नहीं होनी चाहिए और इसके लिए धन की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को मेडीगड्डा में एक बेस कैंप स्थापित करने का भी निर्देश दिया और कहा कि वह काम शुरू होने के बाद व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण करेंगे। इस बैठक में मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव, सिंचाई सचिव राहुल बोझा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जगतियाल में हाई टेंशन: केटीआर के दौरे के दौरान पत्रकार घायल

करीमनगर, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व मंत्री टी. जीवन रेड्डी के आवास पर उस समय भारी तनाव की स्थिति पैदा हो गई, जब राजनीतिक कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ के कारण मची अफरा-तफरी और भगदड़ में गुरुवार को जगतियाल में कई मीडियाकर्मी गिरकर घायल हो गए।

यह घटना तब हुई जब बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव, पूर्व मंत्री गंगुला कमलाकर और कोपुला ईश्वर के साथ जीवन रेड्डी को औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल होने का निमंत्रण देने पहुंचे थे। स्थिति तब अनियंत्रित हो गई जब पार्टी कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ ने धक्का-मुक्की शुरू कर दी, जिससे कई मीडियाकर्मी जमीन पर गिर पड़े। इस हंगामे में कई पत्रकारों को चोटें आईं और कथित तौर पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के कई कैमरे भी क्षतिग्रस्त हो गए। सुरक्षा की कमी और कार्यकर्ताओं के व्यवहार के विरोध में, मीडिया प्रतिनिधियों ने सामूहिक रूप से इस कार्यक्रम का बहिष्कार करने का निर्णय लिया।

घायलों में स्थानीय रिपोर्टर साई कुमार भी शामिल हैं, जिनका भगदड़ के दौरान पैर फ्रैक्चर हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार और जगतियाल विधायक डॉ. संजय कुमार ने एक निजी अस्पताल में जाकर रिपोर्टर के स्वास्थ्य की जानकारी ली। मंत्री ने डॉक्टरों को सर्वोत्तम चिकित्सा उपचार प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

अस्पताल के दौरे के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गजंगी नंदैया और अन्य वरिष्ठ नेता भी उपस्थित थे। नेताओं ने पत्रकार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और घटना पर चिंता जताई।

SUNDARAM MUTUAL
Sundaram Finance Group

You are cordially invited to the
INVESTOR AWARENESS PROGRAM
In Hyderabad

Speaker Mr. Kumar Utsav Singh

Venue Plaza Hotel
Beside CM Camp Office
Begumpet, Hyderabad - 500016

Day: Saturday, 11 April 2026 | Time: 6:00 PM

RSVP: Mr. Kumar Utsav Singh - 9888262788

For more information please contact:
Sundaram Asset Management Company Ltd
(Investment Manager to Sundaram Mutual Fund)
CIN: U93090TN1996PLC034615
Corporate Office:
1st and 2nd Floor, Sundaratm Towers,
46, Whites Road, Royapettah, Chennai-14.
Toll 1860 425 7237 (India) 044 40831500 (NRI)
www.sundarammutual.com
Regd. Office: No. 21, Patullos Road, Chennai 600002.

Mutual fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.

संगारेड्डी में पति की 'धोखाधड़ी' पर आंगनवाड़ी शिक्षिका को पेड़ से बांधा, 5 गिरफ्तार

संगारेड्डी, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। सार्वजनिक अपमान की एक चौंकाने वाली घटना में, तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में ग्रामीणों ने अपने पति द्वारा की गई कथित वित्तीय धोखाधड़ी को लेकर एक आंगनवाड़ी शिक्षिका को कथित तौर पर पेड़ से बांध दिया। पुलिस ने इस घटना के संबंध में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसने बड़े पैमाने पर आक्रोश पैदा कर दिया है।यह घटना बुधवार को केंगटी मंडल के रसोले गांव में हुई।

पीड़िता की पहचान वसंता कुमारी के रूप में हुई है, जो अपनी ड्यूटी पर थी, तभी ग्रामीणों के एक समूह ने उसे घेर लिया और उसके पति पर उन्हें ठगने का आरोप लगाया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने उसे रस्सी से पेड़ से बांध दिया और सार्वजनिक रूप से अपमानित किया।पुलिस ने बताया कि वसंता कुमारी के पति प्रभाकर ने कथित तौर पर 'एचबीएम फाइनेंस' नामक एक फाइनेंस कंपनी के नाम पर रामरागिडा गांव के निवासियों से रिटर्न का वादा करके पैसे इकट्ठा किए थे। फंड जमा करने के बाद, वह कथित तौर पर फरार हो गया, जिससे ग्रामीण काफी गुस्से में थे।

तेलंगाना में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि का पूर्वानुमान

हैदराबाद, 09 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले तीन दिनों के दौरान तेलंगाना के कई जिलों में अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे दो डिग्री सेल्सियस से तीन डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि होने की संभावना है।गुरुवार को 14 अप्रैल तक के लिए जारी अपने सात दिवसीय मौसम बुलेटिन में, आईएमडी ने कहा कि तापमान में तीन दिनों की क्रमिक वृद्धि के बाद तेलंगाना में मौसम शुष्क रहने के आसार हैं।हालांकि, 10 से 12 अप्रैल तक आदिलाबाद, भद्राद्री-कोठागुडेम, जोगुलम्बा-गदवाल, खम्मम, कोमाराम-भीम, महबूबनगर, मंचूरियल, नागरकुर्नूल, नारायणपेट और वानपर्थी में तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है। वहीं, हैदराबाद में तापमान 36 डिग्री सेल्सियस से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा।आईएमडी ने लोगों को गर्मी के संपर्क में आने से बचने, शरीर को ठंडा रखने और निर्जलीकरण (डिहाइड्रेशन) से बचने की सलाह दी है। विभाग ने लोगों से कहा है कि वे प्यास न लगने पर भी पर्याप्त पानी पिएं।स्वस्थ रहने के लिए ओआरएस और घर में बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, चावल का पानी (मांड), नींबू पानी और छाछ आदि का उपयोग करें ताकि शरीर में पानी की

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.